THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 351 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन पूर्णिमा 2081 शुक्रवार, 14 मार्च-2025 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

खनन घोटाले में बीजेडी नेता राजा चक्र गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 13 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां ओडिशा पुलिस की अपराध शाखा ने गुरुवार को बीजू युवा जनता दल (बीजेडी) के प्रदेश उपाध्यक्ष सौम्य शंकर चक्र उर्फ राजा चक्र को करोड़ों रुपये के खनन और परिवहन घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी उड़ीसा उच्च न्यायालय द्वारा उनकी गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण की मांग वाली याचिका को खारिज करने के बाद की गई। मामले में अपराध शाखा के अतिरिक्त डीजीपी सीआईडी विनयतोष मिश्रा ने बताया कि चक्र से पूछताछ की गई और उनके द्वारा घोटाले में की गई भूमिका को स्पष्ट करने के लिए कहा गया, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

केंद्र और तमिलनाडु में भाषा विवाद गहराया

चेन्नई, 13 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में भाषा विवाद गहराता जा रहा है। अब एमके स्टालिन सरकार ने राज्य सरकार के बजट 2025-26 से रुपये का प्रतीक चिह्न हटा दिया है। इसकी जगह सरकार ने तमिल भाषा का प्रतीक लगाया है। ऐसा माना जा रहा है भाषा विवाद के चलते तमिलनाडु सरकार ने यह कदम उठाया है।

लोगो में तमिल शब्द 'रुबाई' का पहला अक्षर 'रु' लिखा है, जो स्थानीय भाषा में भारतीय मुद्रा को दर्शाता है। इसके अलावा लोगो में सबके लिए सब कुछ भी लिखा है। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु शुक्रवार को 2025-26 के लिए बजट पेश करेंगे।

तमिलनाडु सरकार और केंद्र में चल रहा विवाद

केंद्र सरकार और द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम यानी डीएमके के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में प्रस्तावित त्रिभाषा फॉर्मूला राजनीतिक विवाद का केंद्र बना हुआ है। तमिलनाडु सरकार ने एनईपी व त्रिभाषा फॉर्मूले को लागू करने से मना कर दिया है। इसके चलते केंद्र सरकार ने समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत मिलने वाली 573 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता रोक दी है। एसएसए फंडिंग पाने के लिए राज्यों को एनईपी के दिशा-निर्देशों का पालन करना होता है। फंड रोके जाने से सीएम स्टालिन बिफरे हुए हैं। उन्होंने दक्षिणी राज्यों में हिंदी थोपने का आरोप लगाया है। केंद्र के अनुसार शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है व त्रिभाषा फॉर्मूले को लागू करना राज्यों की जिम्मेदारी है।

सीएम स्टालिन ने राज्य बजट से रुपये का प्रतीक चिह्न हटाया

और कितने मूर्ख हो सकते हैं स्टालिन, बजट से रुपये का प्रतीक हटाने को लेकर सरकार पर भाजपा प्रमुख अन्नामलाई का तंज

चेन्नई, 13 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के बजट से रुपये का प्रतीक हटाने को लेकर राजनीति शुरू हो गई। भाजपा ने डीएमके सरकार के फैसले को मूर्खतापूर्ण बताया है। सरकार के कदम पर तमिलनाडु भाजपा के प्रमुख अन्नामलाई ने रोष जताया। उन्होंने कहा कि स्टालिन और कितने मूर्ख हो सकते हैं? अन्नामलाई ने एक्स पर लिखा कि डीएमके सरकार का 2025-26 का राज्य बजट एक तमिल द्वारा डिजाइन किए गए रुपये के प्रतीक चिन्ह की जगह लेगा। जिसे पूरे भारत ने अपनाया और हमारी मुद्रा में शामिल किया। तमिल प्रतीक चिह्न को डीएमके के एक पूर्व विधायक के बेटे उदय कुमार ने डिजाइन किया है। उन्होंने लोगो साझा करते हुए लिखा कि स्टालिन और कितने मूर्ख हो सकते हैं?

स्टालिन करें राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान :

भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा कि स्टालिन ने इतने सालों तक तमिलनाडु पर शासन किया है और कई बार बजट पेश किया है। वे इसे इस तरह से नाटकीय क्यों बनाना चाहते हैं? वे इतने सालों तक केंद्र में थे, उन्होंने उस समय यह निर्णय क्यों नहीं लिया? भारतीय मुद्रा प्रतीक < एक संघीय व्यवस्था है और उन्हें राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करना होगा। इसका मतलब यह नहीं है कि हम तमिल प्रतीकों या तमिल भाषा के खिलाफ हैं। हम इसके पक्ष में हैं। मेरा एक तमिल नाम भी है और एमके स्टालिन का नहीं है।

उदयनिधि स्टालिन ने भी केंद्र सरकार पर बोला हमला :

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि केंद्र सरकार तमिलनाडु और पेरियार का अपमान करती है। क्या हम असभ्य हैं? जो लोग हमें असभ्य कहते हैं, वास्तव में वे असभ्य तरीके से व्यवहार कर रहे हैं और हमारे खिलाफ टिप्पणी कर रहे हैं। तमिल लोग बहुत जल्द इसका करारा जवाब देंगे।

वित्त मंत्री ने दी थी त्रिभाषा नीति पर सफाई :

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) पर त्रिभाषा नीति के विरोध को लेकर निशाना साधा और स्टालिन सरकार पर तमिलनाडु में "राजनीतिक गड़बड़ी" पैदा करने और बच्चों को उनके "सीखने के अधिकार" से वंचित करने का आरोप लगाया। लोकसभा में बोलते हुए सीतारमण ने कहा था कि नई शिक्षा नीति वास्तव में कहती है कि कक्षा 5वीं तक अपनी मातृभाषा में सीखें, यदि संभव हो तो 8वीं तक और इंटरमीडिएट तक और भी बेहतर। यही एनईपी कहती है, लेकिन वे (डीएमके) यह कल्पना करना चाहते हैं कि यह हिंदी थोप रही है। गलत तरीके से उन्होंने तमिलनाडु में राजनीतिक गड़बड़ी पैदा की है और बच्चों को उनके सीखने के अधिकार से वंचित किया है।

पीएम मोदी ने मोटापे पर जताई चिंता

> सीआरपीएफ डीजी ने बनाया 3.25 लाख कर्मियों को फिट रखने का प्लान

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ' में अब मोटापे को लेकर एक बड़ा अभियान शुरू किया जाएगा। दरअसल, इस अभियान को प्रारंभ करने के पीछे पीएम मोदी की एक चिंता रही है। पीएम मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में मोटापे की बढ़ती समस्या और इसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने 2022 में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला दिया, जिसमें बताया गया कि विश्वभर में लगभग 2.5 अरब लोग अधिक वजन के शिकार हैं। इस समस्या की गंभीरता को देखते हुए, उन्होंने नागरिकों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, संतुलित आहार लेने और खाद्य तेल की खपत को 10 प्रतिशत तक कम करने का आग्रह किया। अब सीआरपीएफ डीजी ने भी बल के 3.25 लाख जवानों और अफसरों को फिट रखने का प्लान तैयार कर दिया। इसके लिए 16 अगस्त 2025 से एक अभियान की शुरूआत होगी। सबसे पहले डीजी सीआरपीएफ जीपी सिंह, स्वयं बीएमआई परीक्षण कराकर इस अभियान की औपचारिक शुरूआत करेंगे। इसके बाद, सीआरपीएफ के सभी कर्मियों को बॉडी मास इंडेक्स 'बीएमआई' जांच से गुजरना अनिवार्य होगा।

राम मंदिर के बाद अब सीता मंदिर की बारी

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। लेकिन इससे पहले सत्तारूढ़ भाजपा ने चुनाव की जोरदार तैयारी शुरू कर दी। यही वजह है कि बीजेपी मिथिला क्षेत्र के सीतामढ़ी में सीता मंदिर के जीर्णोद्धार को अपने प्रमुख चुनावी मुद्दों में से एक बनाना चाहती है।

हालांकि, भारतीय जनता पार्टी की इस कोशिश को लेकर राज्य के सभी राजनीतिक दलों ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं। मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने कहा कि भाजपा को सीता मंदिर के जीर्णोद्धार का श्रेय नहीं लेना चाहिए। वहीं भाजपा के प्रमुख सहयोगी दल जनता दल (यूनाइटेड) ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में इस परियोजना के लिए केंद्र से और अधिक धनराशि की मांग की है। पिछले रविवार को अहमदाबाद में आयोजित शाश्वत मिथिला महोत्सव 2025 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमने अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण तो कर दिया है, अब बिहार (सीतामढ़ी) में भव्य सीता मंदिर बनाने का समय आ गया है। यह भव्य मंदिर देवी सीता द्वारा अपने जीवन में अपनाए गए आदर्शों का संदेश देगा। हम बिहार में निश्चित रूप से मां जानकी मंदिर का निर्माण करेंगे। मैं मिथिला के लोगों को आमंत्रित करता हूं कि वे बिहार में मेरे साथ आएं, जहां हम विधानसभा चुनाव से पहले डेरा डालेंगे।

पेपर लीक में राहुल गांधी का केंद्र पर हमला

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। लगातार हो रहे बोर्ड और अन्य परीक्षाओं के पेपर लीक को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। राहुल गांधी ने इसे व्यवस्थागत विफलता बताया। साथ ही गंभीर समस्या करार देते हुए सभी पार्टियों और सरकारों से मिलकर इसका समाधान खोजने पर जोर दिया।

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि छह राज्यों में 85 लाख बच्चों का भविष्य खतरे में है। पेपर लीक हमारे युवाओं के लिए सबसे खतरनाक पद्मव्यूह बन गया है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि पेपर लीक मेहनती छात्रों और उनके परिवारों को अनिश्चितता और तनाव में धकेल देता है। उनके परिश्रम का फल उनसे छीन लेता है। साथ ही यह अगली पीढ़ी को गलत संदेश देता है कि बेईमानी, मेहनत से बेहतर हो सकती है, जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि अभी एक साल भी नहीं हुआ जब नीट पेपर लीक ने देश को झकझोर दिया था। हमारे विरोध के बाद मोदी सरकार ने नए कानून के पीछे छिपकर उसे समाधान बताया, लेकिन इतने सारे हालिया लीक ने उसे भी विफल साबित कर दिया। राहुल गांधी ने दावा किया कि यह गंभीर समस्या एक व्यवस्थागत विफलता है। इसका खात्मा सभी राजनीतिक दलों और सरकारों को मतभेद भुलाकर मिलकर कड़े कदम उठाकर करना होगा। इन परीक्षाओं की गरिमा बनी रहना हमारे बच्चों का अधिकार है और इसे हर हाल में सुरक्षित रखना होगा।

शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ प्रस्ताव पारित

कोलकाता, 13 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की तरफ से विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ पार्टी के मुस्लिम विधायकों पर उनकी विवादास्पद टिप्पणी के लिए लाया गया प्रस्ताव पारित किया गया। बता दें कि, ये प्रताव सदन ने ध्वनि मत से पारित किया गया। भाजपा की तरफ से लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा की अनुमति देने से स्पीकर बिमान बनर्जी के इनकार के बाद भाजपा सदस्यों ने सदन से वॉकआउट करने के बाद टीएमसी के मुख्य सचेतक निर्मल घोष ने प्रस्ताव पेश किया।

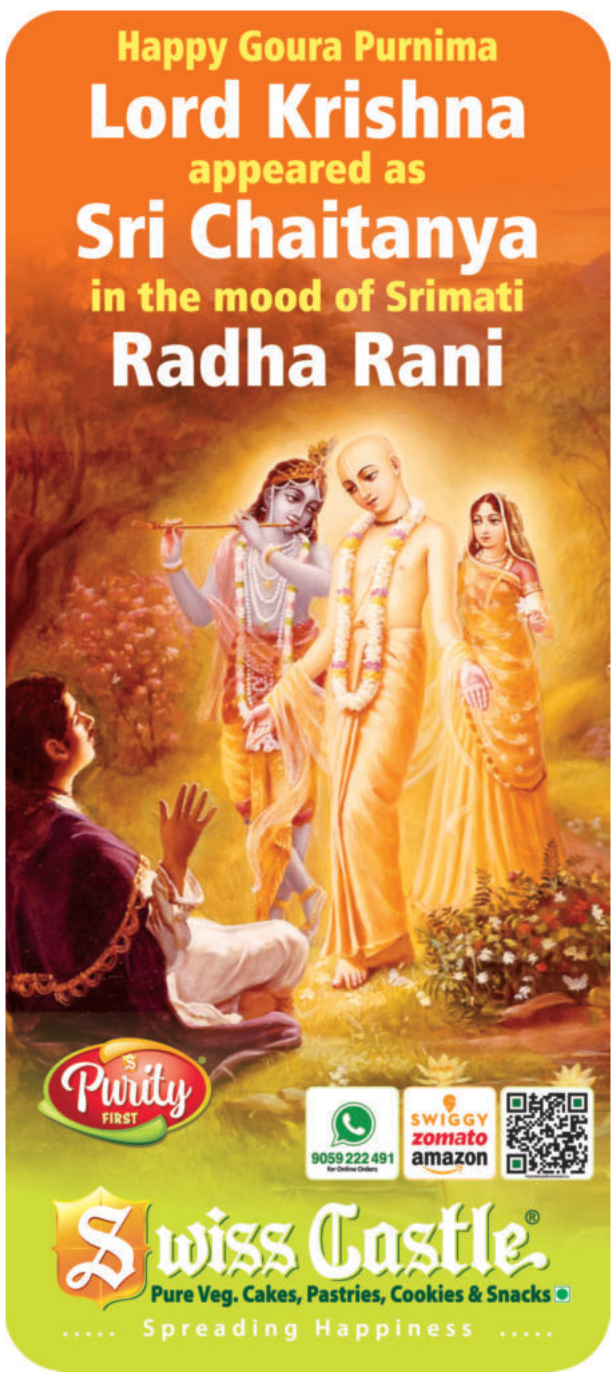

'दंगा भड़का सकती है कोई भी गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी'

> औरंगजेब वाले बयान पर कोर्ट की अबू आजमी को फटकार

मुंबई, 13 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई की एक अदालत ने समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अबू आजमी को इंटरव्यू के दौरान संयम रखने की चेतावनी दी। कोर्ट ने कहा कि उनके जैसे वरिष्ठ राजनेता का कोई भी गैर-जिम्मेदाराना बयान दंगा भड़का सकता है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वी.जी. रघुवंशी ने मुगल शासक औरंगजेब की प्रशंसा करने वाले बयान के खिलाफ दायर मामले में आजमी को मंगलवार को अग्रिम जमानत दी और उन्हें फटकार लगाई। अदालत ने आदेश में कहा, यह अपराध एक इंटरव्यू के दौरान दिए गए बयान से जुड़ा है। इसका मतलब है कि पुलिस को किसी भी वस्तु की जब्ती या पूछताछ के लिए हिरासत में लेने की आवश्यकता नहीं है। आदेश की एक प्रति गुरुवार को उपलब्ध कराई गई। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने इस बात पर गौर किया कि आजमी एक राजनेता और कारोबारी हैं और इसकी संभावना नहीं है कि वह न्याय की प्रक्रिया से भागेंगे। अदालत ने कहा कि यह विवेक का इस्तेमाल करने के लिए उनके पक्ष में उपयुक्त मामला है।

इसरो का देश को तोहफा-स्पैडेक्स उपग्रह सफलतापूर्वक अनडॉक, चंद्रयान-4 के लिए रास्ता साफ हुआ

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। होली से पहले इसरो ने देश को बड़ा तोहफा दिया है। इसरो ने स्पैडेक्स उपग्रह की सफलतापूर्वक अनडॉकिंग कर ली है। इसके साथ ही चंद्रयान-4 के लिए रास्ता साफ हो गया है। दरअसल, अंतरिक्ष को उपग्रहों को एक साथ जोड़ने की प्रक्रिया को डॉकिंग और अलग करने की प्रक्रिया को अनडॉकिंग कहते हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को कहा कि उसने 'स्पेडेक्स' उपग्रहों को 'डी-डॉक' करने (अलग करने) का काम पूरा कर लिया है। इससे चंद्रमा की खोज, मानव अंतरिक्ष उड़ान और अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने जैसे भविष्य के मिशनों के लिए रास्ता साफ हो गया है। स्पेडेक्स मिशन पिछले साल 30 दिसंबर को शुरू किया गया था, जब इसरो ने अंतरिक्ष में 'डॉकिंग' प्रयोग का प्रदर्शन करने के लिए दो उपग्रहों- एसडीएक्स01 और एसडीएक्स02 को कक्षा में स्थापित किया था। 'स्पेस डॉकिंग' अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को जोड़ने की प्रक्रिया को कहते हैं। कई प्रयासों के बाद अंतरिक्ष एजेंसी ने 16 जनवरी को दोनों उपग्रहों को सफलतापूर्वक 'डॉक' किया था।

आतंकवादियों के मंसूबे नाकाम, दो आतंकी सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर,13 मार्च (एजेंसियां)। सुरक्षाबलों ने जम्मू और कश्मीर के बांदीपोरा जिले में दो आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है, अधिकारियों ने गुरुवार को बताया। सूत्रों के जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों ने बुधवार को उत्तर कश्मीर जिले के गांदरबल-हाजिन रोड पर तलाशी अभियान चलाया, अधिकारियों ने बताया। तलाशी के दौरान, दो आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से एक पिस्तौल, एक पिस्तौल मैगजीन, दो हैंड ग्रेनेड, एक एके राइफल मैगजीन और कुछ गोलाबारूद बरामद किया गया है।

स्टारलिंक और टेलीकॉम कंपनियों की साझेदारी पर सियासत

नई दिल्ली,13 मार्च (एजेंसियां)।

जियो ने बुधवार को और एयरटेल ने मंगलवार को स्टारलिंक के साथ साझेदारी की घोषणा की। इस बात से देश की राजनीतिक गर्माहट को भी तेज हो गई है। इस मामले में विपक्ष में बैठी कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस ने गुरुवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ नीति से बचने और उनके साथ अच्छे संबंध बनाने के लिए स्टारलिंक से एयरटेल और जियो दोनों के साथ साझेदारी की घोषणा की है। ताकी वो ट्रंप से समर्थन पा सकें। कांग्रेस का कहना है कि इस साझेदारी के पीछे प्रधानमंत्री का हाथ है, जो एलन मस्क के जरिए ट्रंप से संबंध मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

केंद्र सरकार पर हमलावर कांग्रेस; पूछे तीखे सवाल

रमेश ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर उठाए सवाल

साथ ही कांग्रेस नेता रमेश ने यह भी कहा कि इस साझेदारी से कई सवाल बने हुए हैं, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण सवाल राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। उन्होंने पूछा कि अगर राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता होती है तो कनेक्टिविटी को चालू या बंद करने का अधिकार किसके पास होगा, स्टारलिंक के पास या इसके भारतीय साझेदारों के पास? इसके अलावा, क्या अन्य सैटेलाइट-आधारित कनेक्टिविटी प्रदाताओं को भी अनुमति दी जाएगी और किस आधार पर?

स्टारलिंक पर कांग्रेस ने पूछा तीखा सवाल

साथ ही कांग्रेस ने यह भी सवाल उठाया कि क्या भारत में टेस्ला के निर्माण के लिए अब कोई प्रतिबद्धता की जाएगी, क्योंकि स्टारलिंक के भारत में प्रवेश के बाद यह एक बड़ा सवाल बनकर उभरा है। बता दें कि मुकेश अंबानी की जियो प्लेटफ़ॉर्म ने भी मस्क के नेतृत्व वाली एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स के साथ सौदा किया है, जिससे स्टारलिंक की ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाओं को भारत में लाया जाएगा। यह कदम तब आया है जब इस बारे में महीनों तक बहस चल रही थी कि मस्क के उद्यम को स्पेक्ट्रम अधिकार कैसे दिए जाने चाहिए। इससे एक दिन पहले भारती एयरटेल ने भी स्पेसएक्स के साथ इसी तरह की साझेदारी की घोषणा की थी।

रेस्टोरेंट की रसोई में लगी आग; छह कर्मचारी झुलसे

नई दिल्ली,13 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के कनॉट प्लेस में उस वक्त अफरातफरी का माहौल बन गया जब यहां एक रेस्टोरेंट में आग लग गई। बताया जा रहा है कि रेस्टोरेंट की रसोई में आग लगी। जिसकी सूचना तुरंत दमकल विभाग की टीम को दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाना शुरू किया। आग लगने से छह कर्मचारी झुल गए हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, कनॉट प्लेस स्थित बिकगने बिरयानी रेस्टोरेंट में गुरुवार सुबह आग लग गई। आग के चपेट में आने से वहां काम कर रहे छह कर्मचारी झुलस गए। आग रेस्टोरेंट के रसोई में लगी थी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल कर्मियों ने घायल सभी कर्मचारियों को बाहर निकाल कर पास के अस्पताल में भर्ती कराया।

गैस टैंकर ने दो वाहनों को टक्कर मारी, 7 लोगों की मौत

धार,13 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार जिले में भीषण हादसा हुआ है। एक गैस टैंकर ने 2 चार पहिया वाहनों को टक्कर मार दी है। इस हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है। इस हादसे में 3 लोगों के घायल होने की भी खबर है जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा इतना भीषण था कि घटनास्थल पर फंसे हुए लोगों को क्रेन की मदद से वाहनों से बाहर निकाला गया है। पुलिस ने इस हादसे के बारे में विस्तार से जानकारी दी है। पुलिस के मुताबिक, ये हादसा रात करीब 11 बजे हुई है। एक गैस टैंकर बदनावर-उज्जैन राजमार्ग पर बामनसुता गांव के पास एक सड़क पर गलत दिशा से आ रहा था। इस दौरान टैंकर ने विपरीत दिशा से आ रही एक कार और जीप को टक्कर मार दी। धार के एसपी मनोज कुमार सिंह ने बताया है कि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया है। धार के एसपी ने बताया है कि इस हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 3 अन्य लोगों ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर बचाव अभियान शुरू करमे के लिए वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंचे। स्थानीय निवासियों ने बचाव अभियान में मदद की। इस दौरान फंसे हुए लोगों को क्रेन की मदद से वाहनों से बाहर निकाला गया। पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इस भीषण हादसे में घायल हुए लोगों को पड़ोसी रतलाम जिले के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, इस हादसे में पीड़ित लोग रतलाम, मंदसौर (मध्य प्रदेश में) और जोधपुर (राजस्थान) जिलों के हैं।

दिनदहाड़े हुई वारदात का राज 81 दिन बाद खुला कचरा बीनने वालों ने उड़ाया था 1.20 लाख का माल

उज्जैन,13 मार्च (एजेंसियां)। जुगाड़ की गाड़ी से कच्ची शराब ठिकाने लगाने निकली महिला को पुलिस ने एक युवक के साथ हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर दोनों ने 81 दिन पहले नाबालिग के साथ मिलकर मकान से दिनदहाड़े 1.20 लाख रुपये के आभूषण और सामान चोरी करने की वारदात भी कबूल कर ली। चिंतामण गणेश थाना प्रभारी हेमराज यादव ने बताया कि 11 मार्च को तीन पहिया जुगाड़ की गाड़ी पर कच्ची शराब ठिकाने लगाने के लिए निकली महिला और युवक की खबर मिलने पर उनकी तलाश शुरू की गई। जवासिया से राणाबड़ मार्ग पर जुगाड़ की गाड़ी दिखाई दी। पीछा कर पुलिस टीम ने दोनों को पकड़ा। उनके पास से केन में भरी 9 लीटर कच्ची शराब मिली। थाने लाने पर युवक ने अपना नाम मनीष पिता विनोद गुजरिया (19) निवासी पारदी मोहल्ला झुग्गी बस्ती दरगाह मंडी बताया। वहीं, महिला ने अपना नाम पवनबाई पति अकीर सिंह सिसौदिया (20), जाति पारदी निवासी लखाखेड़ा पारदी बलड़ा घट्टिया थी। पारदी गिरोह से जुड़े होने के कारण दोनों से सख्ती से पूछताछ की गई। दोनों ने बताया कि वे कचरा बीनने का काम करते हैं। 20 दिसंबर को ग्राम टंकारिया पंथ में दिनदहाड़े एक मकान से चांदी का कड़ा, सोने के दो टॉप्स, 3100 रुपये नगद, चांदी की पायजेब, पीतल की थाली चोरी की थी। वारदात में उनके साथ एक नाबालिग भी शामिल थी। थाना प्रभारी यादव के अनुसार, किशोरी को हिरासत में लेने के बाद तीनों की निशानदेही पर चोरी का माल बरामद कर लिया गया। बरामद कच्ची शराब की कीमत 900 रुपये पाई गई। बुधवार दोपहर तीनों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां, किशोरी को बाल संप्रेक्षण गृह, महिला और युवक को जेल भेज दिया गया है।

ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी, रामपुर में हाईवे पर भूस्खलन, कब तक खराब रहेगा मौसम

शिमला,13 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले कई क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर जारी है। जबकि निचले कई क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई है। जिला चंबा के पांगी और भरमौर सहित लाहौल, किन्नौर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी दर्ज की गई है। पांगी उपमंडल में बर्फबारी होने से किलाड़-लाहौल राष्ट्रीय राजमार्ग समेत आधा दर्जन सड़कों पर यातायात प्रभावित है। बर्फबारी से पांगीवासियों की दिक्कतें बढ़ती नजर आ रही हैं। कुल्लू में 16, लाहौल-स्पीति में 121 सड़कें अभी भी ठप हैं। शिमला में बादल छाए हुए हैं। चंबा और लाहौल घाटी में बुधवार को हिमखंड गिरे। जनजातीय क्षेत्र पांगी की कुमार सड़क पर हिमखंड गिर गया। इससे सड़क बंद हो गई है। मनाली से लेकर लाहौल तक भी जगह-जगह हिमस्खलन हो रहा है।

पूर्व जज पुष्पा गनेडीवाला को मिलेगी हाईकोर्ट जज के बराबर पेंशन

मुंबई,13 मार्च (एजेंसियां)। पॉक्सो एक्ट को लेकर विवादास्पद फैसले पर आलोचना का सामना करने वाली बॉम्बे हाईकोर्ट की पूर्व जज पुष्पा गनेडीवाला को अब हाईकोर्ट के पूर्व जज के बराबर पेंशन मिलेगी। पूर्व जज की याचिका पर हाईकोर्ट के आलोक अराधे और न्यायमूर्ति भारती डांगरे की खंडपीठ ने नवंबर 2022 के उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार के पत्र को रद्द कर दिया। कोर्ट ने रजिस्ट्रार कार्यालय को आदेश दिया कि रजिस्ट्रार दो महीने के भीतर फरवरी 2022 से छह प्रतिशत ब्याज के साथ गनेडीवाला की पेंशन तय करे। गनेडीवाला ने 19 जुलाई 2023 को बॉम्बे उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ के समक्ष एक याचिका दायर की थी। इसमें उच्च न्यायालय (मूल पक्ष) रजिस्ट्री द्वारा दो नवंबर, 2022 को जारी एक पत्र को चुनौती दी गई है। पत्र में कहा गया था कि वह उच्च

न्यायालय के जज के रूप में पेंशन और अन्य लाभों के लिए पात्र या हकदार नहीं हैं। गनेडीवाला ने उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में उन्हें पेंशन देने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था कि इस तथ्य पर गौर नहीं किया जाना चाहिए कि उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली है या फिर आयु सीमा पूरी होने के बाद सेवानिृत्त हुई हैं। जनवरी और फरवरी 2021 में संदेहास्पद फैसलों के बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने गनेडीवाला को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की अपनी सिफारिश वापस ले ली थी और इसके बजाय अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया था। उनकी कार्यकाल फरवरी 2022 में समाप्त हो गया था इसका मतलब यह हुआ कि गनेडीवाला को 12 फरवरी 2022 को अपनी अतिरिक्त न्यायधीश पद के अंत में जिला सत्र न्यायाधीश के रूप में वापस जाना था। लेकिन, अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में उनके कार्यकाल में कोई विस्तार नहीं दिए जाने और उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश नियुक्त नहीं किए जाने के कारण गनेडीवाला ने इस्तीफा दे दिया था। गनेडीवाला ने कहा, मुझे कोई पेंशन नहीं मिल रही है। पेंशन से इनकार करने में उत्तरदाताओं की ओर से पूरा दृष्टिकोण मनमाना और कानून को अस्थिर करने वाला है। याचिका के अनुसार, गनेडीवाला को 26 अक्टूबर, 2007 को जिला न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। 2019 में उन्हें बॉम्बे उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। गनेडीवाला ने अपनी याचिका में कहा है कि जनवरी 2021 में शीर्ष अदालत ने स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए उनके आवेदन को मंजूरी दे दी थी। हालांकि, बाद में सिफारिश वापस ले ली गई। याचिका में दावा किया गया है कि उन्होंने करीब तीन साल तक उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में काम किया था। इसमें कहा गया है कि उन्होंने उच्च न्यायालय रजिस्ट्री में पेंशन के लिए आवेदन किया था, लेकिन निर्णय लिया गया कि चूंकि वह उच्च न्यायालय न्यायाधीश के रूप में सेवानिवृत्त नहीं हुई थी, इसलिए वह समान रैंक पेंशन की हकदार नहीं हैं।

इस फैसले के बाद हुआ था हंगामा

गनेडीवाला को कई फैसलों के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। उन्होंने फैसला सुनाया था कि पॉक्सो अधिनियम के तहत यौन उत्पीड़न के अपराध के रूप में विचार करने के लिए 'यौन इरादे से त्वचा से त्वचा का संपर्क' होना चाहिए तभी पॉक्सो अधिनियम के तहत यौन उत्पीड़न का अपराध माना जाएगा। एक नाबालिग लड़की का हाथ पकड़ना और उसकी पैंट की जिप खोलना पॉस्को अधिनियम के तहत यौन उत्पीड़न की परिभाषा में नहीं आता है। इस फैसले के बाद खूब हंगामा हुआ था।

'एमपीएससी परीक्षाएं मराठी में आयोजित की जाएंगी

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की बड़ी घोषणा

मुंबई,13 मार्च (एजेंसियां)। क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की है कि राज्य सरकार महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सभी प्रतियोगी परीक्षाएं मराठी में आयोजित की जाएंगी। उन्होंने राज्य विधान परिषद में शिवसेना (यूबीटी) विधायक मिलिंद नार्वेकर द्वारा उठाए गए एक सवाल का जवाब देते हुए यह घोषणा की। नार्वेकर ने कहा कि कृषि और इंजीनियरिंग से जुड़ी कुछ परीक्षाएं केवल अंग्रेजी भाषा में ही ली जाती हैं। उन्होंने पूछा कि इंजीनियरिंग से जुड़ी परीक्षाएं मराठी भाषा में क्यों नहीं ली जा रही हैं। इस सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, ये परीक्षाएं पहले से ही मराठी और अंग्रेजी दोनों में आयोजित की जाती हैं। हालांकि, अदालत ने कुछ मामलों में फैसला दिया था कि कुछ परीक्षाएं, विशेष रूप से कृषि इंजीनियरिंग से संबंधित परीक्षाएं, केवल अंग्रेजी में ही आयोजित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, जब मामला अदालत में ले जाया गया तो सरकारी स्तर पर चर्चा हुई और पाया गया कि इन विषयों की पाठ्यपुस्तकें मराठी में उपलब्ध नहीं हैं। यह बात अदालत के संज्ञान में लाई गई और उसने इस दलील को स्वीकार कर लिया।

'मराठी पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने की कोशिश की जा रही'

सीएम ने कहा कि टेक्निकल विषयों के लिए मराठी पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार ने अब फैसला लिया है कि भले ही वर्तमान में पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध न हों, लेकिन नई शिक्षा नीति हमें मराठी में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति देती है। इसलिए, अध्ययन सामग्री की कमी के कारण मराठी में आयोजित नहीं होने वाली एमपीएससी परीक्षाएं नई पाठ्यपुस्तकों के साथ होंगी। फडणवीस ने कहा कि इस फैसले से मराठी भाषी उन विद्यार्थियों को लाभ मिलने की उम्मीद है, जो एमपीएससी परीक्षा देना चाहते हैं लेकिन भाषा के कारण कठिनाइयों का सामना करते हैं।

सेना अधिकारी पर जूनियर अफसर की पत्नी के यौन उत्पीड़न का आरोप

मणिपुर में म्यांमार का नागरिक गिरफ्तार

शिलांग/इंफाल,13 मार्च (एजेंसियां)। मेघालय में सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी पर जूनियर सहकर्मी की पत्नी के यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पूर्वी खासी हिल्स के एसपी विवेक सिम ने कहा कि एक ब्रिगेडियर रैंक के अधिकारी पर एक कर्नल की पत्नी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा है। यह घटना रविवार शाम को ऑफिसर्स मेस में हुई। पुलिस ने शिलांग के मदनर्टिंग पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज किया गया है। एसपी ने बताया कि मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। मामले की जांच के लिए पुलिस अफसर को नियुक्त किया गया है। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने टेंग्नौपाल जिले से एक म्यांमार नागरिक को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 4.4 किलोग्राम याबा टैबलेट जब्त किए। म्यांमार के तामू निवासी 32 वर्षीय हेरी को उस समय गिरफ्तार किया जब वह हाओलेनफाई से न्यू शिजांग गांव की ओर बाइक चला रहा था। सुरक्षा बलों ने उसके कब्जे से याबा टैबलेट के चार पैकेट (वजन लगभग 4.4 किलोग्राम) जब्त किए। एक अन्य ऑपरेशन में केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक कैडर को बुधवार को थौबल जिले के हेरोक पार्ट- III से सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक .303 एलएमजी दो मैगजीन, एक एसएलआर मैगजीन, 46 ।303 लाइव राउंड, बीस एसएलआर लाइव राउंड और दो हैंड ग्रेनेड जब्त किए गए। इसके अलावा इंफाल घाटी में पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले के लांगोल गेम गांव जोन III से प्री पाक (प्रो) संगठन की एक सक्रिय सदस्य को जबरन वसूली में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले के लामसांग बाजार से प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (सिटी मीतेई) के दो सक्रिय सदस्यों को भी गिरफ्तार किया।

बीड सरपंच हत्या मामले में बीजेपी विधायक ने पंकजा मुंडे पर लगाया बड़ा आरोप

मुंबई,13 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीड में बीजेपी विधायक सुरेश धस और पार्टी एमएलसी पंकजा मुंडे ने सरपंच संतोष देशमुख की हत्या से संबंधित घटनाक्रम को लेकर एक-दूसरे पर आरोप लगाया है। साथ ही घोषणा की कि वे पार्टी नेतृत्व के समक्ष शिकायतें करेंगे। देशमुख की हत्या का जिक्र करते हुए बीड जिले के अष्टि निर्वाचन क्षेत्र से बीजेपी विधायक सुरेश धस ने कहा कि पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे शोकाकुल परिवार से मिलने नहीं गईं। पंकजा के चचेरे भाई धनंजय मुंडे ने हाल में राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था क्योंकि उनके एक करीबी सहयोगी को सरपंच की हत्या का मुख्य आरोपी बताया गया है। बीड जिले से ताल्लुक रखने वालीं बीजेपी एमएलसी पंकजा मुंडे ने कहा कि उन्होंने ही सबसे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से हत्याकांड की जांच करने के लिए एसआईटी गठित करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा, ''मैं देशमुख के परिजनों को सांत्वना देने के लिए निकली थी, लेकिन रास्ते में मेरे कार्यकर्ताओं द्वारा सूचित किया गया कि परिवार ने अनुरोध किया है कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए मैं वहां का दौरा नहीं करूं।''धस ने पंकजा मुंडे पर नवंबर में विधानसभा चुनाव के दौरान अपने निर्वाचन क्षेत्र में बीजेपी के लिए काम नहीं करने का भी आरोप लगाया। इस पर पलटवार करते हुए पंकजा ने कहा, ''अगर मैंने उनके (धस) लिए काम नहीं किया होता तो वह इतने बड़े अंतर के साथ चुनाव नहीं जीतते।''उन्होंने पंकजा मुंडे पर देशमुख के परिवार का समर्थन नहीं करने और धनंजय मुंडे के इस महीने की शुरुआत में अपना इस्तीफा दिए जाने तक चुप्पी साधने का भी आरोप लगाया। धस ने कहा, ''वह (पंकजा) देशमुख के परिवार के पास नहीं गईं और न ही धनंजय मुंडे के मंत्री पद छोड़ने तक इस मुद्दे पर कुछ बोलीं। देशमुख बीजेपी के एक बूथ प्रभारी थे। मैंने मामले को लगातार उठाया और तब तक ऐसा करना जारी रखूंगा जब तक कि हत्यारों को दंडित नहीं किया जाता।'' सुरेश धस ने कहा कि वह अष्टि सीट पर बीजेपी के उम्मीदवार के बजाय एक अन्य उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार करने के लिए पार्टी राष्ट्रीय नेतृत्व के समक्ष पंकजा मुंडे के खिलाफ एक लिखित शिकायत दर्ज करेंगे। पंकजा मुंडे ने कहा कि उन्होंने पार्टी के नेतृत्व से धस को 'फटकार' लगाने का अनुरोध किया है क्योंकि वह असंबंधित मामलों में बार-बार उनका उल्लेख कर रहे हैं।

घर से महिला और उसकी 2 बेटियों के मिले शव, मुंह से निकल रहा था सफेद झाग

नई दिल्ली,13 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के मोलड़बंद में 42 वर्षीय एक महिला और उसकी दो बेटियां अपने घर में मृत पाई गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या किये जाने के संकेत मिले हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पड़ोसियों ने उस मकान से दुर्गंध आने की सूचना दी थी जिसके बाद तीनों के शव बरामद किए गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घर से अभी तक कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि पुलिस को बुधवार दोपहर मोलड़बंद से एक पीसीआर कॉल मिली, जिसमें फोन करने वाले ने बताया कि गली नंबर 16 में दूसरी मंजिल पर स्थित मकान नंबर 43 से तेज दुर्गंध आ रही है। इसी घर में मां और बेटियां रह रही थीं। पुलिस के एक सीनियर अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया, "सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) और बदरपुर के थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और पूजा (42), उसकी 18 वर्षीय बेटी और उसकी छोटी बेटी (लगभग 8-9 वर्ष) के शव बरामद किए। तीनों के मुंह से सफेद झाग निकल रहा था, जिससे लगता है कि उन्होंने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया था। अपराध जांच दल को घटनास्थल पर बुलाया गया और फोरेंसिक एक्सपर्ट ने साक्ष्य के लिए घटनास्थल की जांच की। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिससे मौत के सही कारण की पुष्टि होगी। अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि पूजा अपनी बेटियों के साथ अकेली रहती थी और उसका पति पिछले कुछ सालों से नहीं देखा गया है।

सुवेंदु अधिकारी ने सीएम ममता को दी इस सीट से चुनाव लड़ने की चुनौती, बोले- 'आप यहां भी हार जाएंगी'

कोलकाता,13 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में अगले साल 2026 में विधानसभा चुनाव का आयोजन होगा। इस चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अभी से ही तैयारियों और बयानबाजी में जुट गए हैं। इस बीच भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बड़ी चुनौती दे दी है। अधिकारी ने ममता बनर्जी को 2026 के विधानसभा चुनाव में भवानीपुर सीट से लड़ने की चुनौती दी है। सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया है कि सीएम ममता को अपने गृह क्षेत्र में करारी हार का सामना करना पड़ेगा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने बुधवार को सदन के बाहर कहा- आप भवानीपुर में भी हार जाएंगी।

आपको नंदीग्राम की तरह ही पांच और साल तक एक और हार का दर्द सहना होगा। बता दें कि इससे पहले ममता बनर्जी ने सदन में भारतीय जनता पार्टी की तीखी आलोचना की थी। सीएम ममता बनर्जी ने नाम लिए बिना सुवेंदु अधिकारी पर कटाक्ष किया था। ममता ने उनपर लाभ के लिए पार्टी बदलने का आरोप लगाया था और सुझाव दिया था कि वह अब फिर से पक्ष बदलने की सोच रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने सीएम ममता पर राजीव गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं को धोखा देने का आरोप लगाया है। सुवेंदु ने कहा- अगर नंदीग्राम आंदोलन नहीं हुआ होता, तो आप कभी मुख्यमंत्री नहीं बनतीं। आपका एकमात्र श्रेय टाटा जैसे निवेशकों को भगाना और बंगाल को औद्योगिक कब्रिस्तान में बदलना है।

भवानीपुर की निवासी हैं सीएम ममता

भवानीपुर ममता बनर्जी की गृह सीट है। वह साल 2011 और 2016 में इस सीट से चुनाव जीती थीं। हालांकि, 2021 में ममता ने नंदीग्राम से चुनाव लड़ा लेकिन सुवेंदु अधिकारी ने उन्हें चुनाव हरा दिया। इसके बावजूद ममता सीएम बनीं। कुछ दिनों बाद ममता बनर्जी ने भवानीपुर सीट से उपचुनाव लड़ा और यहां भाजपा की प्रियंका टिबरेवाल को हराकर जीत हासिल की। सीएम ममता को दी गई चुनौती पर टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा- सुवेंदु को इस सीट से लड़ने दीजिए। हम ये सुनिश्चित करेंगे कि वह रिकॉर्ड अंतर से हारें।

ब्रिटिश युवती से रेप, अन्य युवक ने छेड़छाड़ भी की, दोनों आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली,13 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर से रेप की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। कथित रेप की ये घटना एक ब्रिटिश युवती के साथ हुई है। ब्रिटिश युवती ने आरोप लगाया है कि वह सोशल मीडिया पर एक दोस्त से मिलने भारत आई थी। इस दौरान युवक ने होटल में उसके साथ दुष्कर्म किया। ब्रिटिश युवती ने एक अन्य युवक पर छेड़छाड़ का भी आरोप लगाया है। इस घटना से जुड़े दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, पीड़ित महिला ने दिल्ली पुलिस को बताया कि युवक से उसकी सोशल मीडिया के जरिये बातचीत शुरू हुई। इसके बाद युवती उससे मिलने के लिए इंडिया आई। युवती ने ही दिल्ली के महिपालपुर में होटल में रूम भी बुक करवाया था। मंगलवार को युवक और युवती दोनों होटल में पहुंचे। हालांकि, थोड़ी देर बाद ही युवती को लगा कि युवक उसके साथ गलत करने की कोशिश कर रहा है। इस दौरान दोनों में झगड़ा भी हुआ। इसके बाद आरोपी युवक ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। दिल्ली में ब्रिटिश युवती ने रेप के साथ ही एक अन्य युवक पर छेड़छाड़ की भी आरोप लगाया है। युवती ने पुलिस को दी गई जानकारी में बताया है कि घटना के दौरान युवती ने चिल्लाया और होटल के रिसेप्शन तक पहुंच गई। तभी एक और युवक उसे लिफ्ट से रूम तक ले जा रहा था तो उसने युवती के साथ छेड़छाड़ की। दिल्ली में ब्रिटिश युवती से रेप के मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। दिल्ली पुलिस ने रेप और छेड़छाड़ मामले में दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

सु वि चा र
सेवा में ईमानदारी का गुण सफलतामूर्त बना देता है

एससीआर और एनडीआरएफ ने संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन किया

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एससीआर और एनडीआरएफ ने संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन किया। बोलारम रेलवे स्टेशन पर ट्रेन दुर्घटना पर बोलारम रेलवे स्टेशन पर असामान्य घटना के कारण बंद ट्रेन के डिब्बों में लगभग पंद्रह यात्री फंस गए। सूचना मिलने पर, दुर्घटना राहत ट्रेन (एआरटी) टीम ने प्रतिक्रिया दी और तुरंत आगे बढ़ गई। साथ ही, रेलवे आपातकालीन नियंत्रण कक्ष ने सहायता के लिए एनडीआरएफ टीम को सूचित किया। एनडीआरएफ टीम भी घटना स्थल पर पहुंची और कार्रवाई में जुट गई। रेलवे और एनडीआरएफ दोनों टीमों ने बचाव अभियान चलाया और अपने विशेष उपकरणों के साथ फंसे यात्रियों को बचाया। आपदा का उपर्युक्त दृश्य वास्तविक नहीं था, बल्कि बोलारम रेलवे स्टेशन पर एससीआर और एनडीआरएफ कर्मियों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक पूर्ण पैमाने पर तकनीकी मॉक ड्रिल था। आपातकालीन घटनाओं के दौरान उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए कर्मचारियों की दक्षता और सतर्कता का आकलन करने और उसे बढ़ाने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन ने क्षेत्रीय प्रतिक्रिया केंद्र (आरआरसी) हैदराबाद के 22 कर्मियों की एक टीम के साथ, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 10वीं बटालियन बी. गौतम कुमार, निरीक्षक/एनडीआरएफ की कमान में रेलवे एआरटी (दुर्घटना राहत ट्रेन), एसपीएआरएमवी (स्वचालित दुर्घटना राहत चिकित्सा वैन) टीमों के साथ 12 मार्च, 2025 को बोलारम रेलवे स्टेशन पर ट्रेन दुर्घटना पर एक संयुक्त मॉक ड्रिल अभ्यास किया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदाओं के दौरान उपयोग के लिए खरीदे गए विभिन्न उपकरणों के उपयोग का परीक्षण करना और कोल्ड कटिंग उपकरण जैसे कि सेबर आरी, खिड़की की छड़ और कोच बॉडी को काटने के लिए अपघर्षक कटर जैसे उपकरणों के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना था, जिससे घायल यात्रियों को आसानी से उठाया जा सके और उन्हें प्रभावित कोचों से बाहर निकाला जा सके। लोकेश विश्नोई, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल, एम.ए.रहमान, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद, धर्मेंद्र कुमार, सीएमपीई/डीजल/एससीआर, कुंदन कुमार, उप सीएमई (आर एंड एल)/एससीआर, स्वराज कुमार, उप सीएसओ/मैकेनिकल/एससीआर, डॉ.चौ.पद्मा, सीएमएस/एचवाईबी, बी.गौतम कुमार, निरीक्षक/एनडीआरएफ 10वीं बटालियन, के.विजय कुमार, वरिष्ठ डीएसओ/एचवाईबी और हैदराबाद मंडल के सभी शाखा अधिकारी उपस्थित थे और उन्होंने अपनी टीमों के साथ मॉक अभ्यास देखा।

आरोपों के बीच बीआरएस विधायकों ने जगदीश रेड्डी का किया बचाव

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तलसानी श्रीनिवास यादव और वी प्रशांत रेड्डी सहित भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों ने अपना मजबूत बचाव करते हुए कहा कि विधायक और पूर्व मंत्री जी जगदीश रेड्डी को सत्ता पक्ष द्वारा जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है और उनके खिलाफ उठाए जा रहे शोर का कोई वैध कारण नहीं है।

मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रेड्डी ने विधानसभा में किसी भी असंसदीय भाषा का इस्तेमाल नहीं किया और न ही विधानसभा अध्यक्ष जी प्रसाद कुमार का अपमान किया। बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस विधायकों पर जगदीश रेड्डी को बिना वजह निशाना बनाने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस के सदस्य छोटी-छोटी बातों को मुद्दा बना रहे हैं। उन्होंने जी प्रसाद कुमार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने में अपनी पार्टी के सहयोग पर जोर दिया और अध्यक्ष की कुर्सी को दिए गए सम्मान और महत्व पर प्रकाश डाला। कांग्रेस विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा कांग्रेस सदस्यों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया जाना, इन प्रतिक्रियाओं का संभावित कारण बताया गया, जो कि अनावश्यक हैं। बीआरएस ने विधायी ढांचे के भीतर शिष्टाचार बनाए रखने और मुद्दों को रचनात्मक तरीके से संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सीएम ने 'तेलंगाना राइजिंग' को बढ़ावा देने के लिए विदेश मंत्रालय से सहयोग मांगा

- हैदराबाद 2025 में बड़े अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा
- जयशंकर ने तेलंगाना सरकार को हर तरह के सहयोग का आश्वासन दिया

नई दिल्ली, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से अपील की कि वे तेलंगाना सरकार को अगले 25 वर्षों में शीर्ष पर लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कार्यक्रमों और कई अन्य पहलों के आयोजन में हर तरह का सहयोग दें। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को दिल्ली में विदेश मंत्री से मुलाकात की। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने जयशंकर को प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों- मिस वर्ल्ड, ग्लोबल डीप टेक समिट, भारत समिट, एनिमेशन गेमिंग, वीएफएक्स, साथ ही इंडिया जॉय के बारे में जानकारी दी, जो तेलंगाना को मनोरंजन उद्योग के केंद्र के रूप में प्रदर्शित करता है। ये कार्यक्रम 2025 में हैदराबाद में आयोजित किए जा रहे हैं। सीएम रेवंत रेड्डी ने विदेश मंत्री से राज्य सरकार का समर्थन करने और राज्य में अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन करके "तेलंगाना राइजिंग" को बढ़ावा देने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने जयशंकर से विदेशों में भारत के कार्यक्रमों में तेलंगाना राइजिंग को बढ़ावा देने और हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रमों की सफलता के लिए राजनयिक संबंधों और रसद सहायता में सहयोग बढ़ाने का भी अनुरोध किया। विदेश मंत्री ने सीएम रेवंत रेड्डी की प्रशंसा करते हुए कहा कि तेलंगाना तेजी से विकास करने वाले राज्यों में से एक है और तेजी से बढ़ते हैदराबाद शहर में इस तरह के बड़े अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के आयोजन में उनके सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, नागर कर्नूल और भुवनागिरी के लोकसभा सदस्य डॉ. मल्लू रवि और सीएच किरण कुमार रेड्डी और राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव भी मौजूद हैं।

मुख्यमंत्री ने तेलंगानावासियों को होली की शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने होली त्योहार के अवसर पर सभी तेलंगानावासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कामना की कि सभी लोग 'रंगों का त्योहार' हर्ष और उल्लास के साथ मनायें। यह त्योहार जाति और धर्म से परे सभी समुदायों द्वारा मनाया जाता है जो विविधता में एकता को दर्शाता है, सीएम ने कहा कि पीपुल्स सरकार सभी समुदायों के कल्याण और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम ने उम्मीद जताई कि होली का त्योहार राज्य के हर परिवार में खुशियां लाएगा।

विश्वविद्यालय की जमीन नीलामी के सरकार के फैसले का छात्रों ने किया विरोध

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र गुरुवार को बड़ी संख्या में एकत्रित हुए और विश्वविद्यालय की जमीन के एक हिस्से को नीलाम करने के कांग्रेस सरकार के फैसले का विरोध किया। तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) के माध्यम से कांचा गाचीबोवली में 400 एकड़ वन भूमि, जिसमें लोकप्रिय मशरूम रॉक संरचना भी शामिल है, की नीलामी करने के राज्य सरकार के कदम से नाराज छात्रों ने परिसर में समृद्ध वनस्पतियों और जीवों पर इसके प्रभाव पर चिंता जताई। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे छात्र संघ ने सरकार से प्रस्तावित नीलामी को तुरंत रद्द करने की मांग की, क्योंकि इससे जैव विविधता को नुकसान पहुंचेगा और संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ेगा।

यूओएच के छात्रों के अनुसार, टीएसआईआईसी ने कांचा गाच्चीबोवली में 400 एकड़ जमीन की नीलामी की घोषणा की है, जिसका अनुमानित मूल्य 10,000 करोड़ रुपये है। हालांकि सरकार का दावा है कि नीलामी राजस्व सृजन और बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में एक कदम है, लेकिन भूमि के पारिस्थितिक महत्व को नजरअंदाज कर दिया गया, जिसका यूओएच से लंबा इतिहास जुड़ा हुआ है।

आईएमजी अकादमी भारत और राज्य सरकार के बीच एक लम्बी कानूनी लड़ाई के बाद, जिसने विश्वविद्यालय की 400 एकड़ भूमि आईएमजी अकादमी भारत को आवंटित की थी, तथा जो विकास दायित्व को पूरा करने में विफल रही, उच्च न्यायालय ने हाल ही में सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया तथा नीलामी की अनुमति दे दी। छात्र संघ ने कहा कि यह फैसला भूमि के मूल उद्देश्य और उसके व्यावसायीकरण से होने वाली पर्यावरणीय लागत की अनदेखी करता है।

अभिनेता मोहन बाबू पर अभिनेत्री सौंदर्या की हत्या का आरोप

खम्मम, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक बेहद अपमानजनक दावे में, खम्मम के एक व्यक्ति ने प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता मोहन बाबू पर अभिनेत्री सौंदर्या और उनके भाई अमरनाथ की हत्या का आरोप लगाया है। खम्मम ग्रामीण मंडल के सत्यनारायणपुरम के निवासी, एड्डुरुगटला चित्तिमल्लू ने 10 मार्च को खम्मम ग्रामीण पुलिस को दी शिकायत में कहा कि मोहन बाबू ने अप्रैल 2004 में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में अभिनेत्री की हत्या कर दी।

उन्होंने आगे कहा कि मोहन बाबू ने सौंदर्या से हैदराबाद के शमशाबाद के जलपल्ली में उसके स्वामित्व वाला छह एकड़ का फार्म हाउस उसे देने की मांग की थी, लेकिन उसने और उसके भाई ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद मोहन बाबू ने सौंदर्या से रंजिश रखी और उसकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को जलपल्ली के छह एकड़ फार्म हाउस को अपने कब्जे में ले लेना चाहिए, जिसका मोहन बाबू अवैध रूप से उपयोग कर रहे हैं, इसे किसी अनाथालय, सेना के जवानों, पुलिस या मीडिया कर्मियों को दे देना चाहिए।

चिट्टीमल्लू ने यह भी मांग की कि मोहन बाबू के छोटे बेटे मांचू मनोज को न्याय मिले और मोहन बाबू के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि वे पिछले 400 दिनों से अपने घर पर सिर्फ हरी पत्तियां खाकर दीक्षा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने सभी चुनावी वादों को पूरा करे। महिलाओं को महालक्ष्मी योजना के तहत 2500 रुपये दिए जाएं। पता चला है कि पुलिस ने अभी तक शिकायत के संबंध में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की है। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए सौंदर्या के पति रघु ने चिट्टीमल्लू द्वारा मोहन बाबू के खिलाफ लगाए गए आरोपों का खंडन किया और कहा कि अभिनेता ने अपनी पत्नी की किसी भी संपत्ति पर अतिक्रमण नहीं किया है।

एक रुपए में भोजन, करुणा किचन भरता है पेट

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जब हम सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन रोड पर पुरानी मनोहर टॉकीज गली में चलते हैं, तो लोगों की लंबी कतार को अनदेखा करना आसान नहीं होता है, जिनमें से ज्यादातर ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना के जिलों से आए प्रवासी होते हैं, जो करुणा किचन के पोस्टर वाली एक साधारण सी दुकान के सामने कतार में खड़े होते हैं। अस्थायी रसोई के अंदर, जॉर्ज राकेश बाबू जल्दी-जल्दी प्लेटें तैयार कर रहे हैं, और कुशलता से उनमें 'खट्टी खिचड़ी' और खीरे का एक छोटा टुकड़ा भर रहे हैं। बाहर, गुरुवार की दोपहर बेचैन भीड़ भोजन का इंतज़ार कर रही है। वे 1 रुपये में करुणा किचन भोजन वितरित करना शुरू करने से पहले कहते हैं कि हमें तुरंत सेवा शुरू करनी होगी क्योंकि यह दोपहर का भोजन का समय है और लोग भूखे हैं। मेरे लिए, भूख और गरीबी दो बुनियादी मानवीय ज़रूरतें हैं जिन्हें पहले संबोधित किया जाना चाहिए। जी हां, सिर्फ़ 1 रुपये में आप दिल खोलकर गरमागरम 'खट्टी खिचड़ी' खा सकते हैं, यह हैदराबादी खाने की पहचान है। अगर आप और खाना चाहते हैं, तो आप 1 रुपये का टोकन और खरीद सकते हैं और एक और प्लेट चावल के लिए वापस आ सकते हैं।

माँ की बेटे ने डंडे और एलपीजी सिलेंडर से की हत्या

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात शहर के उपनगर राल्लागुडा में एक 55 वर्षीय महिला की उसके बेटे ने कथित तौर पर उसके घर में पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, महिला चंद्रकला अपने बेटे प्रकाश (35) जो एक खेतिहर मजदूर है और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रह रही थी। प्रकाश शराब पीने का आदी था और अक्सर छोटी-छोटी बातों पर अपनी माँ से झगड़ा करता था।

बुधवार देर रात को उसने उससे बहस की, जिसके बाद संदेह है कि उसने सोते समय डंडे से हमला कर और एलपीजी गैस सिलेंडर से वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि जब वह गहरी नींद में सो रही थी, तब उसने घर में डंडे और गैस सिलेंडर से उस पर हमला किया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

केटीआर ने विधायक जगदीश रेड्डी के निलंबन की निंदा की

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने तेलंगाना विधानसभा से बीआरएस विधायक जगदीश्वर रेड्डी के निलंबन की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक अपमानजनक कृत्य बताया, जो बेबुनियाद आरोपों के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करता है। केटीआर ने कांग्रेस सरकार पर मनगढ़ंत आधारों पर जगदीश्वर रेड्डी को निलंबित करने का आरोप लगाया, दावा किया कि उन्होंने जो शब्द कभी नहीं कहे, वे उनके द्वारा कहे गए है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस बीआरएस की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है, क्योंकि उसे डर है कि बजट सत्र में पार्टी की मौजूदगी से अनुबंधों, कमीशन और दिल्ली को धन हस्तांतरित करने के मुद्दे सामने आ सकते हैं। निलंबन के विरोध में केटीआर ने बीआरएस विधायकों और एमएलसी के साथ अंबेडकर प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया और 14 मार्च, 2025 को सभी निर्वाचन क्षेत्रों में राज्यव्यापी विरोध कार्यक्रमों की घोषणा की। केटीआर ने कहा कि जगदीश्वर रेड्डी को जानबूझकर निशाना बनाया गया और साजिश के तहत निलंबित कर दिया गया, जबकि वह दोनों सदनों में राज्यपाल के अभिभाषण में झूठ और अर्धसत्य को उजागर कर रहे थे। केटीआर ने कहा कि कांग्रेस के मंत्रियों और विधायकों द्वारा चल रही टिप्पणियों के माध्यम से व्यवधान डालने के बावजूद जगदीश्वर रेड्डी ने धैर्य बनाए रखा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि रेड्डी मुरझाती फसलों, कृषि की गिरावट, किसानों की कठिनाइयों, रुकी हुई ऋण माफी, रायथु बंधु भुगतान में देरी, छह गारंटियों को लागू नहीं करने और 420 वादों के साथ विश्वासघात जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे थे। इन आलोचनाओं का मुकाबला करने में असमर्थ, सरकार ने उन्हें निलंबित करके अनैतिक और बेशर्म रणनीति का सहारा लिया केटीआर ने आगे बताया कि रेड्डी ने स्पीकर से विपक्षी नेताओं के अधिकारों की रक्षा करने की अपील करते हुए अपनी पीड़ा व्यक्त की, उन्हें पिता समान माना और किसी भी तरह से उनका अनादर नहीं किया। फिर भी, कांग्रेस सरकार ने अपनी आदतन सत्तावादी प्रवृत्ति का पालन करते हुए सदन को पांच घंटे के लिए स्थगित कर दिया और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के आदेश पर काम किया, जो वर्तमान में दिल्ली में हैं, केटीआर ने आरोप लगाया। केटीआर ने खुलासा किया कि बीआरएस प्रमुख केसीआर की सलाह पर, उन्होंने स्पीकर और विधायी मामलों के मंत्री से सभी दलों से परामर्श करके सदन के मूड का आकलन करने का आग्रह किया था, अगर स्पीकर को ठेस पहुंची हो तो खेद व्यक्त किया। हालांकि, उन्होंने अफसोस जताया कि सरकार ने इस सुझाव को नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने कांग्रेस की आलोचना की कि उसने बिना स्पष्टीकरण मांगे या उनकी कथित गलती बताए जगदीश्वर रेड्डी को निलंबित कर दिया, इसे सरकार के अहंकार का एक ज्वलंत उदाहरण कहा। केटीआर ने कांग्रेस सरकार पर 125 फुट ऊंची डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा को जंजीरों से बांधने के लिए भी हमला किया। केसीआर सरकार द्वारा स्थापित यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। उन्होंने इसे घृणित कृत्य बताया। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस को डर है कि बीआरएस बजट सत्र के दौरान दिल्ली भेजे जाने वाले ठेकों, कमीशन और फंड के मुद्दे उठा सकती है, यही वजह है कि वे पार्टी की आवाज दबाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार दिल्ली को फंड भेजने पर ध्यान केंद्रित करती है, लेकिन उसे गरीबों के कल्याण की कोई चिंता नहीं है, यह एक ऐसा तथ्य है जिसे जनता स्पष्ट रूप से समझ चुकी है।

चप्पल चोरों ने 4 अपार्टमेंट को बनाया निशाना

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात व्यक्तियों ने बुधवार रात मूसारामबाग के पूर्वी प्रशांत नगर स्थित अपार्टमेंट से कई जोड़ी जूते चुरा लिए। जानकारी के अनुसार, चोरों ने चार अपार्टमेंट परिसरों को निशाना बनाया और पुरुषों और महिलाओं दोनों के कई जोड़ी जूते और सैंडल लेकर भाग गए। चोरों ने एक अपार्टमेंट में रहने वाले पुलिस इंस्पेक्टर और एक महिला सब-इंस्पेक्टर के जूते और सैंडल भी चुरा लिए। अपार्टमेंट के निवासी सुबह जब अपने घरों से बाहर निकले तो उनके जूते और चप्पल गायब मिले, जिससे वे हैरान रह गए। सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर पता चला कि यह काम छोटे चोरों का है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीआरएस नेताओं से डीएमके का प्रतिनिधिमंडल मिला

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तमिलनाडु के मंत्री केएन नेहरू और राज्यसभा सांसद एनआर एलंगो बीआरएस पार्टी के साथ परिसीमन और दक्षिण भारतीय राज्यों के प्रतिनिधित्व के संभावित नुकसान के बारे में चर्चा करने के लिए तेलंगाना भवन पहुंचे। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर, तेलंगाना भवन के प्रभारी रावुला चंद्रशेखर रेड्डी और अन्य बीआरएस पार्टी नेताओं ने डीएमके पार्टी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

प्रजावाणी सत्र 18 मार्च तक स्थगित

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को होने वाला प्रजावाणी सत्र होली के त्यौहार के कारण मंगलवार, 18 मार्च, 2025 तक स्थगित कर दिया गया है। सभी याचिकार्ताओं से अनुरोध किया गया है कि वे इस बदलाव पर ध्यान दें और 14 मार्च, 2025 के बजाय 18 मार्च, 2025 को प्रजावाणी कार्यक्रम में भाग लें।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I , Turpu Srinivas R/O. 1-53/3, Aziz nagar (V), Moinabad (M),R.R.Dist, T.G-500075. Changed My Name as Turpu Srinivas Reddy S/O Turpu Ranga Reddy.

I , Pottagari Ramesh R/O. 23-72/2/5, Street No.13, SHAMSHABAD, R.R.Dist, T.G-501218. Changed My Name as Pottigari Ramesh S/O Pottigari Machendhar.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व तट रेलवे

सांकेतिक सूचना

वाल्टियर मण्डल, पूर्व तट रेलवे में सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों की पुनर्नियुक्ति

विस्तृत अधिसूचना स. WPT/5/Rect/Re-engagement/Non-Gaz, दिनांक 07.03.2025, पूर्व तट रेलवे के वेबसाइट के निम्नलिखित पते पर उपलब्ध है: www.ecor.indianrailways.gov.in ➲ About us ➲ Division ➲ Waltair Division ➲ Recruitment.

PR-1084/P/24-25 मण्डल रेलवे प्रबंधक (कार्मिक) / वाल्टियर

पोस्ट मास्टर ने किया 2.67 करोड़ का घोटाला, सरकारी पैसे से खेला सट्टा

फिरोजाबाद, 13 मार्च (एजेंसियां)। फिरोजाबाद में सरकारी बचत योजनाओं में 2 करोड़ 67 लाख 40000 रुपए की रकम का गबन का मामला सामने आया है। जांच के बाद आरोपी उप डाकपाल के विरुद्ध डाक विभाग ने केस दर्ज कराया है। जिले के टूंडला कोतवाली क्षेत्र के रेलवे जंक्शन स्थित पोस्ट ऑफिस में 2023 में तैनात सब पोस्टमास्टर रवि प्रकाश राठौर ने अलग-अलग सरकारी बचत योजनाओं के दो करोड़ 67 लाख 40000 रुपए का गबन कर उस पैसे को सट्टेबाजी में लगा दिया। फिरोजाबाद डाकघर के सहायक अधीक्षक अजय दुबे के मुताबिक फिरोजाबाद के थाना उत्तर अंतर्गत कोटला रोड टापाखुर्द निवासी रवि प्रकाश राठौर टूंडला रेलवे स्टेशन स्थित उप डाकघर में कार्यवाहक सब पोस्ट मास्टर (उप डाकपाल) के पद पर तैनात था। उसने छह जनवरी 2023 से 26 अक्टूबर के बीच अलग-अलग तारीखों में सरकारी बचत योजनाओं के 2.67 करोड़ रुपये का गबन कर लिया। पूरे मामले की जानकारी इस वर्ष जनवरी में हुई। तब पूरे मामले की जांच की गई जांच के दौरान मामला सही पाया गया, इस मामले में सहायक डाक अधीक्षक द्वारा आरोपी के विरुद्ध थाना टूंडला में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

उन्होंने बताया कि आरोपी उप डाकपाल पिछले वर्ष मई माह से ड्यूटी पर नहीं आया है। पोस्टऑफिस में एक पोस्टमास्टर, छह लिपिक, छह पोस्टमैन सहित कुल 16 कर्मचारी तैनात हैं। वर्तमान पोस्टमास्टर अनूप शर्मा का कहना है कि पब्लिक द्वारा जमा कराया पैसा सुरक्षित है। सरकारी बचत योजनाओं की धनराशि का गबन हुआ है। वहीं थाना प्रभारी अंजीश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

लालू राज में बैल के लिए हुआ था अपहरण

मोदी के मंत्री ने सुनाई बिहार में आरजेडी शासनकाल की कहानी

पटना, 13 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए सीएम नीतीश कुमार का इस्तीफा मांग लिया था। उन्होंने कहा था कि सीएम साहब का स्वास्थ्य अब ठीक नहीं रहता उन्हें रिटायर हो जाना चाहिए। सीएम के लिए तेजस्वी की ऐसी बातें सुनकर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय भड़क गए। बुधवार को पटना पहुंचे केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा कि तेजस्वी यादव को उनकी सरकार के कार्यकाल के काले कारनामों की याद दिलाते हुए उन्हें खुली चुनौती दी।

लालू-राबड़ी राज में क्या होता था किसी से छिपा नहीं है : नित्यानंद राय

नित्यानंद राय ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव ने हाल ही में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इस्तीफा मांगने की बात कही और यह आरोप लगाया कि बिहार में कोई विकास नहीं हो रहा है। मैं उनसे पूछता हूं कि जब उनके माता-पिता मुख्यमंत्री थे, तब बिहार का क्या हाल था? तेजस्वी यादव को यह बताना चाहिए कि उस समय बिहार में क्या हो रहा था। क्या वह भूल गए हैं कि उनके शासनकाल में बिहार गुंडाराज, अपहरण, डकैती और महिलाओं के खिलाफ अपराधों का शिकार हुआ था?

एक जोड़ा बैल के लिए हुआ था किसान का अपहरण

नित्यानंद राय ने राजद के 15 वर्षों के शासन को 'जंगलराज' करार देते हुए कहा कि उनके शासन में अपराधियों को संरक्षण मिलता था। महिलाओं, व्यापारियों, किसानों, डॉक्टरों और छोटे दुकानदारों तक का अपहरण किया जाता था। इस दौरान एक किसान का अपहरण हुआ और उस किसान से एक जोड़ा बैल तक मांग लिया गया। क्या यह सब राजद के शासनकाल में नहीं हुआ? उन्होंने कहा, "मैं बगहा थाने की घटना से परिचित हूं, जहां एक किसान का अपहरण कर लिया गया था। अपहरणकर्ता को राजद से जुड़ा हुआ नेता संरक्षण दे रहा था। क्या आप यह नहीं मानते कि इस तरह के अपराधों ने बिहार के लोगों को भय के साये में जीने को मजबूर किया?"

जीएसटी डिप्टी कमिश्नर सुसाइड केस: 800 अफसरों ने छोड़ा स्टेट टैक्स व्हाट्सएप ग्रुप

यहीं से मिलती थी सारी कमांड

गाजियाबाद, 13 मार्च (एजेंसियां)। इन दिनों गाजियाबाद का जीएसटी डिप्टी कमिश्नर संजय सिंह सुसाइड केस खूब चर्चा में है। सोमवार को संजय ने हाईराइज सोसायटी की 15वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी थी। परिवार का आरोप है कि विभाग द्वारा अतिरिक्त काम का प्रेशर और प्रताड़ना के चलते संजय ने सुसाइड किया है। उनकी मौत के बाद अब बड़ी खबर सामने आई है। राज्य कर विभाग के 800 अधिकारियों ने अनुचित दबाव और तनावपूर्ण हालात का हवाला देते हुए स्टेट टैक्स व्हाट्सएप ग्रुप छोड़ दिया है। इस ग्रुप में 900 अधिकारी जुड़े थे। इस ग्रुप के जरिए अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए जाते थे। राज्य कर के अधिकारियों के तीन संघों ने तय किया है की मुख्य सचिव से मुलाकात कर उन्हें विभाग की समस्याओं को अवगत कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य कर अधिकारी सेवा संघ के अध्यक्ष दिव्येन्द शेखर गौतम महासचिव सुशील गौतम सहित पूरी कार्यकारिणी ने उपायुक्त संजय सिंह के निधन पर शोक जताया। कहा कि कई बार उच्च अधिकारियों से अनुरोध किया गया। लेकिन विभाग की समस्याएं जस की तस हैं। जीएसटी ऑफीसर सर्विस एसोसिएशन के अध्यक्ष ज्योति स्वरूप शुक्ला व महासचिव अरुण सिंह और उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर अधिकारी संघ में बैठक कर समस्याओं पर चर्चा की संगठनों ने फैसला किया कि कोई भी सदस्य स्टेट टैक्स ग्रुप का हिस्सा नहीं रहेगा। सभी लोग काला फीता बंधकर काम करेंगे। डिप्टी कमिश्नर संजय की मौत को लेकर तमाम बातें सामने आ रही हैं। संजय के बड़े भाई धनंजय सिंह ने बताया-एक साल बाद संजय की रिटायरमेंट थी। संजय को एक साल से डिप्रेशन जरूर था। लेकिन वो विभाग में उच्च स्तर पर जो काम का अतिरिक्त भार सौंपा जा रहा था, उस वजह से डिप्रेशन में थे।

बाल-बाल बचीं श्रेयसी सिंह

बीजेपी विधायक की गाड़ी में ट्रैक्टर ने मारी टक्कर, 2 अंगरक्षक घायल

नालंदा, 13 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा में रात जमुई से बीजेपी की विधायक श्रेयसी सिंह की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। उनकी गाड़ी को एक ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। हादसे में विधायक श्रेयसी सिंह बाल-बाल बच गईं। हालांकि उनके दो अंगरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों अंगरक्षकों को इलाज के लिए आनन-फानन में स्थानीय पीएचसी में भर्ती कराया गया। अंगरक्षकों की पहचान गोलू कुमार सिंह और रैपन कुमार के रूप में हुई है। दोनों अंगरक्षकों की देखभाल के लिए विधायक खुद डॉक्टरों से बातचीत करती दिखीं। हादसे में घायल विधायक के अंगरक्षकों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त बीजेपी विधायक श्रेयसी सिंह पटना से जमुई लौट रही थीं। इस दौरान रात साढ़े आठ बजे के करीब नालंदा में बिंद थाना क्षेत्र के अंतर्गत जहाना मोड़ के पास उनकी गाड़ी एक ट्रैक्टर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनकी गाड़ी का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया। इस मामले में थाना प्रभारी चंदन कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। ट्रैक्टर को जल्द ही जब्त कर लिया जाएगा।

कौन हैं बीजेपी विधायक श्रेयसी सिंह?

श्रेयसी सिंह जमुई विधानसभा सीट से बीजेपी की विधायक हैं। उनकी मां पुतुल कुमारी बांका से सांसद रह चुकी हैं। वहीं उनके पिता दिग्विजय सिंह केंद्रीय मंत्री रहे थे। 2010 में उनका निधन हो गया था। श्रेयसी सिंह निशानेबाजी की खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने 2014 में ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में निशानेबाजी की डबल ट्रैप स्पर्धा में रजक पदक भी जीता था।

तांत्रिक पति ने रुपये लेकर पत्नी के साथ कराया दुष्कर्म, फिर तीन तलाक कहकर घर से निकाला

हापुड़, 13 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है।यहां दहेज की मांग पूरी न होने पर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के तांत्रिक पति ने पत्नी पर तांत्रिक क्रिया की। इतना ही नहीं रुपये लेकर पति ने पत्नी को लोगों को सौंप दिया। जिन्होंने उसके साथ दुष्कर्म किया। पत्नी ने लोगों से शारीरिक संबंध बनाने से मना किया तो पति व उसके स्वजन ने पीड़िता को बेरहमी से पीटा। तीन तलाक कहकर उसे घर से निकाल दिया। मेरठ व हापुड़ के अधिकारियों से शिकायत के बाद भी पीड़िता आज तक न्याय के लिए भटक रही है। पीड़िता ने एसपी से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है

जिन्हें रंग से परहेज, वे देश छोड़कर चले जाएं

मंत्री संजय निषाद बोले- अगर रंग से धर्म नष्ट होता है तो रंग-बिरंगे कपड़े कैसे पहनेंगे

गोरखपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने कहा- जिन्हें रंगों से परहेज है, वे घर में भी क्यों रहें, वे देश छोड़कर चले जाएं। उन्होंने कहा- जो लोग कहते हैं कि रंगों से धर्म भ्रष्ट होता है तो वे रंग-बिरंगे कपड़े कैसे पहन सकते हैं। रंगों का कारोबार कैसे कर सकते हैं। रंगों का सबसे अधिक कारोबार वे ही करते हैं। डॉ. संजय निषाद ने गोरखपुर में बुधवार शाम पादरी बाजार स्थित आवास पर होली मिलन कार्यक्रम के दौरान ये बातें कहीं। उनका इशारा मुस्लिम समुदाय की तरफ था। उन्होंने कहा- जो जुमा पढ़ते हैं, वो भी गले मिलते हैं। होली मनाने वाले भी गले मिलते हैं। दोनों गले मिलने के त्योहार है, लेकिन कुछ नेता नहीं चाहते कि लोग गले मिलें। वे जहर घोलने का प्रयास करते हैं। यह उनके लिए संदेश है। संजय निषाद ने कहा- जिस विशेष वर्ग की बात कही जा रही है, उन्हें रंगों से कोई दिक्कत नहीं है। सबसे अधिक इस्तेमाल तो वही करते हैं। कपड़ा रंगते हैं, घर रंगते हैं और रंग-बिरंगे कपड़े पहनते हैं। वे रंगों से कभी परहेज करते ही नहीं। ये तो नेता हैं, जो जहर घोलते हैं। हम चाहते हैं कि वे भी खुशी-खुशी अपना त्योहार मनाएं। विपक्ष उनकी गरीबी बढ़ाता है। उनकी गरीबी में उन्हें मकान, अनाज और फ्री इलाज हम देते हैं। वे भी देश के नागरिक हैं।

अखिलेश यादव के घर मिठाई भेजी, लेकिन वह विदेश में

संजय निषाद ने कहा- मैं अखिलेश यादव को भी होली की बधाई देता हूं। उनके घर मिठाई भेजी है। अखिलेश विदेश में हैं तो वहीं होली मनाएं। विदेश में भी होली मनाई जाती है। विपक्ष हमारा मार्गदर्शन करता है। हम उन्हें मार्गदर्शक के रूप में मानते हैं। वे जो कमियां बताते हैं, हम उसका सुधार करते हैं। जितने पक्ष-विपक्ष के लोग हैं, सबके घर मिठाई भेजी है।

भाई के मर्डर में बहन के बॉयफ्रेंड को उम्रकैद

झांसी, 13 मार्च (एजेंसियां)। झांसी में भाई का मर्डर करने वाले बहन के बॉयफ्रेंड को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। घटना से 16 दिन पहले भाई अंगद पाल (22) की शादी हुई थी। प्रेमी गर्लफ्रेंड को भगाकर ले जाना चाहता था। विरोध करने पर उसने भाई अंगद के सीने में गोली मार दी थी। एक साल पहले हुए इस मामले में झांसी कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुना दिया। हत्यारे पर 55 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया है। नहीं देने पर 6 माह की जेल अतिरिक्त काटनी होगी। यह फैसला एडिशनल सेशन जज पवन कुमार शर्मा ने सुनाया है। अंगद पाल (22) रक्सा थाना क्षेत्र के खैरा गांव का रहने वाला था। उसकी बड़ी बहन की शादी करीब 10 साल पहले मध्य प्रदेश के डबरा में रहने वाले संतोष पाल से हुई थी। बहन की एक बेटी और एक बेटा है। ससुराल में उसका किराएदार जितेंद्र पाल से अफेयर हो गया। जो पिछोर के शंकरपुर का रहने वाला है। अफेयर का घरवालों को पता नहीं था। पिछले साल यानी 6 फरवरी 2024 को अंगद पाल की शादी थी। तब उसकी बहन परिवार के साथ आई थी। शादी में उसका प्रेमी जितेंद्र भी आया था। तब दोनों के अफेयर के बारे में पता चला। बहन को परिवार वालों ने समझाया। इसके बाद 11 फरवरी को वह बच्चों को लेकर अपने ससुराल डबरा चली गई थी।

कौशांबी में ट्रेन से कटा युवक, 190 किमी दूर मुगलसराय में मिला सिर; लोग स्तब्ध

कौशांबी, 13 मार्च (एजेंसियां)। कौशाम्बी में सिराथू के करीब स्थित शुजातपुर रेलवे स्टेशन के पास हैरान कर देने वाली घटना हुई। यहां ट्रेन की चपेट में आने से मृत हुए युवक का धड़ तो पड़ा रहा लेकिन इंजन में फंसकर उसका सिर लगभग 190 किलोमीटर दूर दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन मुगलसराय पहुंच गया। सुबह ट्रेन पहुंचने पर इसकी जानकारी हुई तो प्रयागराज से जीआरपी के जवान मुगलसराय पहुंचे। फिर शाम को दूसरी ट्रेन से सिर वापस लेकर प्रयागराज आए। मृतक रीवा के ग्राम पताही, कोलहा तहसील सिरमौर का रहने वाला मोहित खरे (40) था। युवक कानपुर से घर लौटते वक्त ट्रेन हादसे का शिकार हो गया। पुलिस के मुताबिक, वह कानपुर में रहकर प्राइवेट काम करता था। होली पर घर आने के लिए वह मंगलवार को अजमेर सियालदह एक्सप्रेस से चला। रात 1:30 के करीब ट्रेन शुजातपुर रेलवे स्टेशन के पास पहुंची थी जहां वह ट्रेन से नीचे उतरा था। इसी दौरान दूसरी ट्रेन आ गई और चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जीआरपी के जवान पहुंचे तो उसका धड़ मिला लेकिन सिर का पता नहीं चला। सुबह 11:30 के करीब ट्रेन दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन मुगलसराय पहुंची तो वहां इंजन में सिर फंसा देख लोग स्तब्ध रह गए।

यौन शोषण के आरोपों में घिरे एसीपी मोहसिन खान के खिलाफ बड़ी कार्रवाई विभाग ने किया निलंबित

कानपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। आईआईटी की शोधार्थी ने एसीपी मोहसिन खान को निलंबित करने की मांग को लेकर डीजीपी को भेजे ई-मेल के बाद शासन ने मोहसिन खान को निलंबित कर दिया है। वहीं, मोहसिन के खिलाफ कमिश्नरेट पुलिस ने भी अपनी रिपोर्ट शासन को भेजी थी। पूरे प्रकरण की जांच एसआइटी कर रही है। आइआइटी की शोधार्थी ने तत्कालीन एसीपी कलक्टरगंज मोहसिन खान पर यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा कल्याणपुर थाने में 12 दिसंबर को यौन उत्पीड़न समेत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। उसी दिन ही मोहसिन को उसी शाम हेड क्वार्टर संबद्ध कर दिया गया था। एक सप्ताह पहले पीड़िता ने डीजीपी को दिए पत्र में कहा था कि उन्होंने एसीपी मोहसिन के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस व एसआइटी की जांच शुरू हुई। उसके डीजीपी कार्यालय से संबद्ध भी किया गया, लेकिन पुलिस की कार्रवाई से पूर्व आरोपित ने 19 दिसंबर को चार्जशीट के खिलाफ हाईकोर्ट से स्टे आर्डर ले लिया। एसआइटी की जांच में उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत मिले हैं। कार्रवाई न होने से आरोपित मुकदमे व जांच को प्रभावित कर सकता है। वहीं, मुकदमे की सुनवाई 20 मार्च को होनी है। अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था हरीश चंदर ने बताया कि एसीपी मोहसिन के खिलाफ एक रिपोर्ट मुख्यालय को भेजी गई थी, जिस पर बुधवार को शासन ने मोहसिन खान को निलंबित कर दिया है।

संसद भवन में गूंजा रेल परियोजना का मुद्दा, सांसद किशोरी लाल शर्मा ने सरकार के सामने दागे सवाल

अमेठी, 13 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के अमेठी संसदीय क्षेत्र में रेल लाइन का मुद्दा एक बार फिर संसद में गूंजा। सांसद किशोरी लाल शर्मा ने अमेठी संसदीय क्षेत्र और रायबरेली संसदीय क्षेत्र की रेलवे लाइन और रेल परियोजना के मुद्दे को संसद भवन में उठाया। उन्होंने सरकार से इस पर स्पष्ट जवाब देने की मांग की। सांसद ने संसद सत्र के दौरान अपने भाषण में ऊंचाहार-अमेठी रेलवे लाइन के साथ रायबरेली-महाराजगंज रेलवे लाइन का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार के काम करने की नीयत पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि मैं सरकार से मांग करता हूं कि इन दोनों रेलवे लाइन पर क्या काम हो रहा है? कब तक पूरा होगा? सरकार इसका समुचित जवाब दे। इस मुद्दे पर प्रवक्ता अनिल सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार सिर्फ जुमलेबाजी करती है। सरकार की तरफ से कोई भी विकास का कार्य अमेठी के लिए नहीं किया गया। कहा कि यह मुद्दा भी सरकार के लिए जुमला साबित हो रहा है। अमेठी सांसद विकास के मुद्दे पर अपनी आवाज हमेशा उठाते रहेंगे।

तुम्हारा माल ऑनलाइन बिकवाएंगे कहकर 2.10 लाख ठगे

कानपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर के जाजमऊ में एक चमड़ा कारोबारी से ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी में उनका माल बिकवाने का झांसा देकर आरोपितों ने 2.10 लाख की ठगी को अंजाम दिया। इसके बाद माल शॉपिंग कंपनियों में न बिकने पर उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपित टाल मटोली करने लगे। जिस पर पीड़ित ने जाजमऊ थाने में शिकायत की है। जाजमऊ नई चुंगी निवासी अनस ईराकी चमड़ा कारोबारी हैं। अनस के अनुसार उनकी फर्म में लेदर बेल्ट बनती है। उन्होंने बताया कि जनवरी 2024 में उनके पास तीन युवक समेत एक युवती कारखाने में आये। आरोपियों ने अपने को एक निजी कंपनी के बारे में बताया जो कि ऑनलाइन शॉपिंग के जरिए प्रोडक्ट बिकवाने का काम करती है। आरोपियों ने अनस को भी उनकी फर्म की बेल्ट ऑनलाइन बिकवाने का झांसा दिया और उनके 2.10 लाख रुपये ठग लिये। करीब तीन से चार माह बीत जाने पर जब उनकी फर्म का माल नहीं बिका तो उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी। आरोप है कि आरोपित लगातार उन्हें झांसा देते रहे। साथ ही रकम वापस मांगने पर टाल मटोली करते रहे। जिससे तंग आकर उन्होंने जाजमऊ थाने में शिकायत की। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जायेगी।

मुजफ्फरपुर में शराब माफिया के घर छापेमारी

तहखाने से मिली लाखों की शराब

मुजफ्फरपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। जिले के रामपुरहरि थाना क्षेत्र के मोथहर्रा फकीराना गांव में अहले सुबह शराब माफिया के ठिकाने पर पुलिस ने छापेमारी की। इस छापेमारी की अगुवाई ग्रामीण एसपी विद्यासागर ने की, जिसमें पुलिस टीम ने शराब माफिया मनोज राय और इंद्रजीत राय के घर से भारी मात्रा में शराब, 3 लग्जरी कार और शराब तस्करी में प्रयोग की जाने वाली एक फ्रिज बरामद की। इस दौरान एक महिला और एक युवक को हिरासत में लिया गया है, जिनसे पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शराब माफिया मनोज राय और इंद्रजीत राय का घर शराब तस्करी के लिए एक महत्वपूर्ण ठिकाना बन चुका है। जिसके बाद ग्रामीण एसपी विद्यासागर के नेतृत्व में पुलिस की एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने आज सुबह तीन बजे छापेमारी की, जब सभी शराब माफिया अपनी कारों में शराब की खेप लोड कर रहे थे। पुलिस को देख सभी फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने घर की सघन तलाशी ली और घर के अंदर बने विशेष तहखाने से लाखों की विदेशी शराब बरामद की। बताया जा रहा है कि बरामद की गई शराब की कीमत करीब 30 लाख रुपए है। इसके अलावा पुलिस ने 3 लग्जरी कार और एक फ्रिज भी बरामद किया है, जिसका इस्तेमाल शराब तस्करी में किया जा रहा था। ग्रामीण एसपी विद्यासागर ने बताया कि मनोज राय, इंद्रजीत राय और उनके एक भाई के बारे में गुप्त सूचना मिली थी कि वे लंबे समय से शराब का कारोबार कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने सुबह तीन बजे छापेमारी की और तहखाने से बड़ी मात्रा में शराब बरामद की। इस मामले में फरार शराब माफिया की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम छापेमारी कर रही है।

अपराधी को पकड़ने गई थी पुलिस की टीम, गांववालों ने एएसआई की ले ली जान

अररिया, 13 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के अररिया में एक अपराधी को पकड़ने गए एएसआई राजीव रंजन की गांववालों से झड़प में मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मृतक पुलिसकर्मी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस की टीम के साथ एएसआई राजीव रंजन अपराधी को गिरफ्तार करने के अररिया के लक्ष्मीपुर गांव पहुंचे थे, जहां गांवालालों से भिड़त के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई। टीम ने अपराधी को गिरफ्तार कर लिया और वह उसे लेकर आ रही थी। इसी

दौरान गांववालों ने उन पर हमला कर दिया था। अररिया के लक्ष्मीपुर गांव में बुधवार रात एक शादी कार्यक्रम था। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी अनमोल यादव भी इस शादी में पहुंचेगा। पुलिस को अनमोल की काफी दिनों से तलाश थी। अनमोल को गिरफ्तार करने के लिए अररिया के फुलकाहा थाने में तैनात एएसआई राजीव अपनी टीम के साथ पहुंचे थे। पुलिस की टीम आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए लक्ष्मीपुर गांव पहुंच गई और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की टीम उसे पकड़कर ला ही रही थी कि उन्हें गांववालों ने घेर लिया और फिर उन लोगों ने पुलिस पर हमला कर दिया। इस दौरान एएसआई राजीव जमीन पर गिर गए थे, जहां उनकी गांववालों ने बुरी तरह से पिटाई कर दी। साथ ही आरोपी को मौके से फरार करवा दिया। घायल एएसआई राजीव आनन-फानन में सहयोगी पुलिसकर्मी नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डीएसपी फारबिसगंज मुकेश कुमार साहा ने बताया कि पुलिस की एक टीम अनमोल यादव नाम के अपराधी को गिरफ्तार करने गई थी, जिसमें एक थाना प्रभारी और एक एएसआई और कुछ अन्य अधिकारी शामिल थे। पुलिस की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया

3621 करोड़ का बकाया, इलाहाबाद एचसी ने रद्द की जेपी एसोसिएट्स को आवंटित जमीन

प्रयागराज, 13 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जेपी एसोसिएट्स लिमिटेड को आवंटित जमीन रद्द करने के यीडा (यीडा) के फैसले पर मुहर लगा दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने यमुना प्राधिकरण (यीडा) को समिति गठन करने और समय पर सभी परियोजनाओं को पूरा करने का आदेश दिया। कोर्ट के इस फैसले से करीब 2500 खरीदारों को राहत मिलेगी। कोर्ट ने रिफंड लेने वाले खरीदारों के लिए औपचारिक निकास नीति बनाने का भी आदेश दिया। यीडा ने बकाया भुगतान नहीं करने के कारण फरवरी 2020 में भूमि आवंटन रद्द कर दिया था। 1000 हेक्टेयर जमीन आवंटित हुई थी। 2020 से अब तक के समय को शून्य काल घोषित किया गया है। इस दौरान खरीदारों पर कोई जुर्माना या अतिरिक्त शुल्क नहीं लगाया जाएगा। दरअसल, हाई कोर्ट ने घर खरीदने वालों के हितों की रक्षा के लिए ये कदम उठाएं हैं। हाई कोर्ट के आदेश के बाद रुकी परियोजनाओं को यीडा अपने हाथ में लेगा और तय समय के भीतर उन्हें पूरा करना। कोर्ट ने चार हफ्ते में समिति बनाने का आदेश दिया है। इस समिति में आवास एवं औद्योगिक विकास के प्रमुख सचिव, यूपी रेरा के अध्यक्ष, यीडा के सीईओ, खरीदारों के अधिकृत प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह समिति परियोजना के पूरा होने की निगरानी करेगी। यमुना प्राधिकरण (यीडा) ने साल 2009-10 में जेपी एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) की सहायक कंपनी जेपी इंटरनेशनल स्पोर्ट्स को स्पोर्ट्स सिटी के विकास के लिए विशेष विकास क्षेत्र योजना के तहत 1000 हेक्टेयर जमीन आवंटित की थी। इस मामले को लेकर अलग अलग दावे हैं। यीडा 3621 करोड़ रुपये का बकाया बता रहा है जबकि जेपी एसोसिएट्स लिमिटेड का कहना है कि केवल 1483 करोड़ रुपये का बकाया है।

दिल्ली में पंजाब कांग्रेस की बड़ी बैठक

नहीं पहुंचे नवजोत सिंह सिद्धू, क्या हैं मायने?

चंडीगढ,13 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस के नए प्रभारी भूपेश बघेल ने गुरुवार को पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की पॉलिटिकल अफेयर्स कमिटी की दिल्ली में बैठक बुलाई। इस बैठक में संगठन के कामकाज को लेकर चर्चा हुई। बैठक में पंजाब प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजा बराड़, पंजाब में नेता विपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी समेत सभी वरिष्ठ नेता मौजूद हैं, लेकिन नवजोत सिंह सिद्धू इस कमिटी के सदस्य होने के बावजूद नदारद हैं। हालांकि सिद्धू ने लंबे समय से ही पार्टी के कार्यक्रमों से दूरी बनाई हुई है। सवाल है कि क्या नवजोत सिंह सिद्धू ने कांग्रेस की अपनी कहानी पर विराम लगा दिया है? वहीं, भूपेश बघेल के सामने चुनौती है कि पंजाब कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर चल रही आपसी खींचतान और गुटबाजी को कैसे रोकें? पार्टी जल्द ही पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है। नवजोत सिंह सिद्धू करीब एक साल तक पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष रहे, इस दौरान जमकर गुटबाजी हुई। विधानसभा चुनाव में उन्हें अमृतसर ईस्ट से हार मिली थी। हालांकि समय-समय पर नवजोत सिंह सिद्धू कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी से मिलते रहे हैं। उन्होंने जनवरी में मुलाकात की तस्वीर शेयर की थी। सिद्धू के एक्स प्रोफाइल को देखें तो यहां भी उन्होंने कवर इमेज में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ तस्वीर लगाई हुई है। नवजोत सिंह सिद्धू ने साल 2016 में बीजेपी से इस्तीफा दे दिया था और अगले साल 2017 में कांग्रेस में शामिल हुए थे। इसी साल वो अमृतसर ईस्ट से विधायक चुने गए। हालांकि अगले चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

दुर्लभ स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम से युवती की मौत

इंदौर, 13 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के बॉम्बे अस्पताल में दुर्लभ और गंभीर स्किन डिसीज स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम से एक युवती (22) की बुधवार को मौत हो गई। यह सिंड्रोम 10 लाख में से एकाध व्यक्ति को प्रभावित करता है। शुजालपुर निवासी रितिका मीणा पिछले एक महीने से अधिक समय से इलाज करा रही थी। 26 फरवरी को दूसरी बार अस्पताल में एडमिट हुई थी। रितिका बॉम्बे हॉस्पिटल में डॉ. मनीष जैन की देखरेख में इलाज किया जा रहा था। साथ में डर्मेटोलॉजिस्ट, हेमेटोलॉजिस्ट, प्लास्टिक सर्जन और इन्फेक्शियस डिजीज एक्सपर्ट्स भी शामिल थे। मृतिका अपने माता-पिता की इकलौती बेटी थी। परिवार ने आरोप लगाया कि बीमारी की शुरुआती स्थिति में उन्हें शुजालपुर में उचित उपचार नहीं मिला। उन्होंने बताया रितिका को पहले स्किन पर जलन हुई, जो बाद में फफोले में बदल गई।

अब आसमान से ड्रग्स भेज रहा पाकिस्तान

एनआईए की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, मान सरकार ने भी बनाया खास प्लान

चंडीगढ़,13 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब का बॉर्डर एरिया अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करों के लिए सुरक्षित सेफ जोन बन चुका है। बॉर्डर एरिया में बीते साल 380 से ज्यादा ड्रोन ड्रग्स और अवैध हथियारों की सप्लाई करते हुए दबोचे गए। ब पंजाब में इंटरनेशनल ड्रग्स रैकेट के आकाओं के छिपे होने के इनपुट सामने आए हैं। तरनतारन पुलिस ने बीते रोज राज्य के सरहदी इलाके में एफबीआई और यूएसए की एजेंसियों के मोस्ट वॉन्टेड शहनाज सिंह उर्फ शॉन भिंडर को दबोचा है। उस पर पंजाब डीजीपी गौरव यादव का कहना है कि वह उन इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडीकेट के मेन हैंडलरों को अब दबोचने की प्लानिंग में जुटे हैं, जो पाकिस्तान या अन्य किसी देश के हिस्से में बैठकर इंटरनेशनल ड्रग्स रैकेट को ऑपरेट कर रहे हैं। पंजाब डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि जिस कदर शहनाज सिंह की गिरफ्तारी में यह खुलासा हुआ है कि आरोपी कोलंबिया से न केवल भारत में बल्कि यूएसए और कनाडा में भी बड़े स्तर पर ड्रग्स सप्लाई करता था, उसके इस नेटवर्क को पंजाब में भी खंगाला जा रहा है। शहनाज सिंह उर्फ शॉन भिंडर की गिरफ्तारी से पहले यूएसए की एजेंसी ने वहां पर पांच लोगों को दबोचा है, जोकि शॉन भिंडर के कहने पर कोलंबिया से यूएसए और कनाडा में ड्रग्स के रैकेट को ऑपरेट कर रहे थे। पंजाब डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पाकिस्तान से लगातार ड्रग्स की बड़ी खेप पंजाब भेजी जाती रही है। कई मामलों में पुलिस को यह इनपुट मिले हैं कि पाकिस्तानी की खुफिया एजेंसी न केवल पंजाब में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने में जुटी है, बल्कि पंजाब में कई बड़े ड्रग्स मॉड्यूल को भी ऑपरेट कर रही है। इसके लिए पाकिस्तान, यूएसए, कनाडा, ग्रीस, जर्मनी और कोलंबिया में बैठे आतंकी संगठनों और गैंगस्टरों के सरगनाओं के जरिए इस पूरे मॉड्यूल को ऑपरेट किया जा रहा है। बता दें नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने भी गृह मंत्रालय और पंजाब पुलिस को हाल ही में दी अपनी रिपोर्ट में ये इनपुट साझा किए हैं, इनमें एनआईए ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि आईएसआई और आतंकी संगठन पंजाब में ड्रग्स सिंडिकेट के जरिये कमाए जाने वाले पैसों से ही अपनी आतंकी मंसूबों और नार्को टेररिज्म मॉड्यूल के लिए फंडिंग कर रहे हैं। कोलंबिया के जरिये यूएसए और कनाडा में फैले कोकीन के जाल का पर्दाफाश करते हुए यूएसए एजेंसी की पकड़ में आए पांच आरोपियों से पूछताछ में कई अहम इनपुट सामने आए हैं। भारतीय एजेंसियों के साथ एफबीआई द्वारा 7 मार्च को साझा की एक रिपोर्ट में शॉन भिंडर के अलावा 3 अन्य इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडीकेट के सरगनाओं के इनपुट भेजे गए हैं।

परिवहन घोटाले को लेकर कांग्रेस का विरोध

सिंघार ने सरकार को घेरा, कहा- जांच होनी चाहिए

भोपाल,13 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश विधानसभा सत्र के चौथे दिन नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने परिवहन घोटाले की जांच को लेकर विधानसभा परिसर में मौजूद गांधी प्रतिमा के सामने अनोखा प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत कांग्रेस के विधायक अपने हाथों में प्रतीकात्मक सोने की ईंट व कंकाल बने कपड़े पहनकर विधानसभा पहुंचे और परिवहन घोटाले में शामिल सभी किरदारों को बेनकाब करते हुए जांच की मांग की मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोप लगाते हुए कहा कि परिवहन घोटाला नर्सिंग के बाद प्रदेश का सबसे बड़ा घोटाला है। सरकार इसमें लीपापोती कर रही है।

उन्होंने कहा- इसी घोटाले के चलते मंत्री गोविंद राजपूत, पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह, इनके सहयोगी संजय श्रीवास्तव, संजय डांडे, वीरेश तुमराम जैसों ने हजारों करोड़ की संपत्ति बना ली है। सरकार इनकी जांच क्यों नहीं कराना चाहती है। उमंग सिंघार ने कहा कि सौरभ शर्मा सिर्फ छोटी मछली है, बड़ी मछलियों पर सरकार हाथ क्यों नहीं डालना चाहती? उन्होंने सवाल पूछा कि क्या मुख्यमंत्री इसलिए इस आग में हाथ नहीं डालना चाहते कि उनके भी हाथ जल जाएंगे? नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा कि खेतों में सोने की ईंटें निकल रही है।

पूरा प्रदेश कर्ज के बोझ से कंगाल हो गया है। जनता कंकाल की तरह होती जा रही है और घोटाले में लिप्त मंत्री और अधिकारी करोड़पति होते जा रहे हैं। इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए, जिससे घोटाले के सभी किरदार बेनकाब होंगे।

होली और नमाज पर अबू आजमी का बड़ा बयान

'किसी ने रंग फेंक दिया तो, रमजान में नमाज पढ़ते हैं'

मुंबई,13 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और विधायक अबू आजमी ने होली और रमजान में जुमे की नमाज को लेकर लोगों से बड़ी अपील की है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम भाइयों से गुजारिश है अगर कहीं कोई आप पर रंग डालता है तो सब्र कीजिए। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा, "नमाज इस्लाम में जरूरी और अहम है। आप नमाज मस्जिद में पढ़ते हैं और नमाज मजबूरी में ये घरों में भी पढ़ी जा सकती है, लेकिन जुमे की नमाज को मस्जिद में ही पढ़ना होता है, घरों में नहीं।"

जानबूझकर किसी पर रंग नहीं डालिए- अबू आजमी

मानखुर्द शिवाजी नगर से विधायक आजमी ने कहा, "कल 14 मार्च को रमजान भी है और होली भी। जो लोग सालभर नमाज नहीं पढ़ते हैं, वो रमजान में नमाज पढ़ते हैं। क्योंकि इसकी अहमियत है। मैं हिंदू भाइयों से अपील करता हूं कि आप जानबूझकर किसी पर रंग नहीं डालिए, छेड़ने के लिए रंग नहीं डालिए। मुसलमान भाइयों से कहना चाहता हूं कि अगर आप पर किसी ने रंग डाल भी दिया तो, रमजान का महीना है सब्र कीजिए।" उन्होंने कहा, "झगड़ा नहीं कीजिए, नमाज पढ़कर घर चले जाइए। मैं चाहता हूं कि देश में आपसी भाईचारा बढ़े, लड़ाई झगड़ा नहीं हो।"

औरंगजेब पर बयान देकर घिरे अबू आजमी

अबू आजमी हाल ही में औरंगजेब की तारीफ करने को लेकर विवादों में घिर गए थे। इसके बाद महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने इसपर कड़ी आपत्ति जताई। उनके बयान के बाद मुंबई पुलिस ने अबू आजमी के खिलाफ केस दर्ज किया। हालांकि सपा नेता को मुंबई की एक अदालत से अग्रिम जमानत मिल गई। उन्हें विधानसभा से भी मौजूदा सत्र से निलंबित कर दिया गया। विवादों के बाद अबू आजमी ने बयान वापस ले लिया।

'किसी ने रोजा रखा है और उसपर रंग के एकाध छींटे पड़ गए तो उसका रोजा खराब नहीं हो जाता'

होली से पहले संजय निरुपम का बड़ा बयान, मुस्लिमों से की ये अपील

मुंबई,13 मार्च (एजेंसियां)। होली का त्योहार शुक्रवार को होने के कारण इस पर खूब राजनीति हो रही है। राजनीतिक दल ऐसे बयान दे रहे हैं जो सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ाने की जगह उसे बिगाड़ने की कोशिश करते दिख रहे हैं। यूपी से शुरू हुई बयानबाजी अब महाराष्ट्र तक पहुंच गई है। एकनाथ शिंदे गुट के एक नेता ने भी 'साल में 52 जुमे' वाला तर्क दिया है। वहीं, संजय निरुपम ने मुस्लिम समुदाय से अपील की है कि वे कूपमंडूक मौलवियों से सावधान रहें। शिवसेना नेता संजय निरुपम ने एक्स पर लिखा, "जुमे के दिन होली मनाने के प्रश्न पर विवाद बेवकूफी है। अगर किसी ने रोजा रखा है और उस पर रंग के एकाध छींटे पड़ गए तो उसका रोजा खराब नहीं हो जाता। हम भी तो टोपी पहन लेते हैं और सेवइयां भी खा लेते हैं। इससे धर्म नष्ट तो नहीं होता। सारी खुराफ़ात चंद कूपमंडूक मौलवियों की है। मुस्लिम जनमानस उनसे सावधान रहे।" उनसे पहले शिवसेना के एक और नेता ने बयान दिया था। संजय गायकवाड ने कहा था, "साल में 52 जुमे आते हैं और होली एक बार। नमाज घर पर पढ़ें। होली मनाने वाले को कोई तकलीफ नहीं होनी चाहिए।"

हुड़दंगियों पर सख्ती बरतेगी मुंबई पुलिस

उधर, मुंबई पुलिस ने होली को लेकर दिशानिर्देश जारी किए हैं। संवेदनशील इलाकों में फोर्स की तैनाती भी की गई है। दरअसल मुसलमानों का पवित्र महीना रमजान चल रहा है और जुमे के दिन होली है और उस दिन सामाजिक सौहार्द ना बिगड़े इसके लिए पुलिस ने कहा है कि गड़बड़ी करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। जबरन रंग लगाने वालों को कड़ी हिदायत दी गई है। इस दिशानिर्देश का पालन 18 मार्च तक करना होगा। साथ ही होली पर जबरन चंदा इकट्ठा करते पाए जाने पर भी कार्रवाई होगी। अश्लील गाने बजाने और आपत्तिजनक नारे लगाने वालों पर भी सख्ती होगी।

फेसबुक वाली गर्लफ्रेंड के प्यार में अंधा हुआ शख्स

मिलने के लिए पहुंच गया होटल, जैसे मारी कमरे में एंट्री बीवी ने किया ऐसा स्वागत

ग्वालियर,13 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां आशिक मिजाज पति को रंगेहाथों पकड़ने के लिए एक पत्नी ने ऐसा जाल बुना कि उसकी सिट्टी-पिट्टी गुल हो गई। पति को नई-नई महिलाओं से फ्लर्ट करने और अफेयर चलाने का शौक था। ये बात पत्नी को पता थी। उसने कई दफे पति को ऐसा करने से मना किया। लेकिन पति मानता ही नहीं था। वो हमेशा मुकर जाता था। एक दिन पत्नी ने तय किया कि पति को जब तक वो रंगेहाथों पकड़ेगी नहीं, तब तक वो सुधरेगा नहीं। बस फिर क्या था। पत्नी ने ऐसा मास्टर प्लान बनाया कि पति रंगेहाथों पकड़ा भी गया और उसने आगे से किसी भी महिला की तरफ देखने से भी हाथ तौबा कर ली। यही नहीं, पत्नी ने उसे तबब माफ किया जब पति ने पुलिस और उससे माफी मांगी। कसम खाई कि किसी दूसरी महिला से संपर्क नहीं रखेगा। ग्वालियर निवासी नवविवाहिता को शक था पति उसे धोखा दे रहा है। उससे छिपकर दूसरी महिलाओं से बातें करता है मेलजोल रखता है। इसलिए उसने पति पर नजर रखी। शक होने पर रोका टोका तो पति उसके आरोप को झूठा बताकर डांट फटकार करता था। दंपती के बीच मसला विवाद की वजह साबित होने लगा तो महिला ने पति को रंगे हाथ पकड़ने का प्लान बनाया। उसने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर पायल के नाम से फर्जी एकाउंट बनाया और इसके जरिए पति को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। अनजान महिला की तरफ से दोस्ती का न्यौता देखकर पति ने उसे तुरंत स्वीकार कर लिया। पति की हरकतों के तमाम सबूत इकट्ठा कर महिला ने उसे रंगे हाथ पकड़ने का दांव खेला। पायल के नाम से पति को फोन कर होटल में मिलने बुलाया। प्रेमिका का न्यौता मिलने पर आशिक मिजाज पति भी तुरंत होटल पहुंचा तो उसके होश उड़ गए। प्रेमिका की जगह यहां पत्नी उसका इंतजार कर रही थी। रंगेहाथों पकड़े जाने पर महिला ने उसे खरी खोटी सुनाई फिर महिला थाने जाकर शिकायत की। मामला सुनकर पुलिस ने महिला के पति को बुलाया तो उसने पत्नी के आरोप झूठे बता दिए, लेकिन बच नहीं पाया। महिला ने उसकी आशिकी के तमाम सबूत पुलिस को थमा दिए तो पति जवाब नहीं दे पाया। पुलिस ने उसकी क्लास लगाकर हवालात में बैठाने की तैयारी की तो भांप गया कि आशिकी जेल पहुंचा देगी। तब पत्नी से माफी मांगी और कसम खाई कि दोबारा ऐसी हरकत नहीं करेगा।

बच्ची की कस्टडी पर हाईकोर्ट का फैसला

व्यक्तित्व विकास के लिए मां के पास रहना जरूरी, पिता की दलील खारिज

चंडीगढ़,13 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में 10 साल की बच्ची की कस्टडी उसकी मां को सौंपे जाने के निचली अदालत के आदेश को बरकरार रखा। कोर्ट ने मोहाली निवासी पिता की उस दलील को खारिज कर दिया गया कि वह अपनी बेटी के भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं, इसलिए वे उसकी कस्टडी के हकदार हैं। जस्टिस अर्चना पुरी ने इस मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि पिता द्वारा अपनी बेटी के लिए आर्थिक सुरक्षा बनाना सराहनीय है, लेकिन यह एक पिता का कर्तव्य है। इस उम्र में बच्चे की परवरिश के अन्य पहलू कहीं अधिक महत्वपूर्ण होते हैं, जो उसके व्यक्तित्व के निर्माण में योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय सुरक्षा भविष्य में शांति प्रदान कर सकती है, लेकिन इस उम्र में बच्चा इससे अधिक जुड़ाव महसूस नहीं करता। कोर्ट ने यह भी माना कि बच्ची अपनी मां के साथ खुशहाल जीवन व्यतीत कर रही है और पिता को दिए गए मुलाकात के अधिकार बरकरार रहेंगे। कोर्ट ने माता-पिता के साथ बिताए जाने वाले समय की भावनात्मक जरूरतों को भी ध्यान में रखा और इस बात पर जोर दिया कि दोनों मिलकर हर छह महीने में एक पारिवारिक यात्रा की योजना बनाएं, जिसकी पूर्व सूचना गार्जियन कोर्ट को दी जाए। यह मामला उस याचिका से संबंधित था, जिसमें पिता ने गार्जियन कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें केवल मुलाकात के अधिकार दिए गए थे। मामले के अनुसार, मां और बच्ची वर्ष 2019 से पिता से अलग रह रहे थे। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि बच्चों की कस्टडी से जुड़े मामलों के लिए कोई तयशुदा नियम नहीं हो सकते, क्योंकि हर मामला अपने आप में अनूठा होता है। इसलिए कोर्ट को परिस्थितियों के अनुरूप लचीलापन बनाए रखना चाहिए और प्रत्येक स्थिति को ध्यान में रखते हुए आदेश पारित करने चाहिए, ताकि बच्चे का सर्वोत्तम हित सुरक्षित रहे। कोर्ट ने उस निर्देश को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि मुलाकात के दौरान पति-पत्नी को एक-दूसरे से संपर्क नहीं करना चाहिए। हाई कोर्ट ने इसे कठोर करार देते हुए कहा कि यह आदेश बच्चे के हितों के विपरीत जाता है। अदालत ने सोशल पीडियाट्रिक्स की रिपोर्ट का हवाला देकर माता-पिता को अधिक समय साथ बिताने की सलाह दी।

कम उम्र में बच्चों की शादी करने के सबसे ज्यादा मामले कर्नाटक में

बेंगलूरु,13 मार्च (एजेंसियां)। चाइल्ड मैरिज यानी बाल विवाह, आज के भारत में ज्यादातर लोग समझने लगे हैं कि यह एक ऐसी प्रथा है जो अब इतिहास बन गई है। अब भारत में बाल विवाह के मामले सामने नहीं आते हैं, अब लोग इस चीज को लेकर जागरूक हो गए हैं, लेकिन हाल ही में सामने आई रिपोर्ट हैरान कर देने वाले आंकड़े सामने रखती है। देश में शादी की कानूनी उम्र 18 साल है और अगर इस उम्र से कम उम्र में शादी की जाती है तो उसे बाल विवाह कहा जाता है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (महिला एवं बाल विकास मंत्रालय) की 12 मार्च 2025 को सामने आई रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2022 में पूरे देश भर में 999 बाल विवाह के केस दर्ज किए गए हैं। इस 5 साल की रिपोर्ट में सबसे ज्यादा बाल विवाह के केस कर्नाटक में दर्ज किए गए हैं। भारत में पिछले कई सालों से बाल विवाह को रोकने के लिए पहल की जा रही है। इस दिशा में कई तरह के जागरूकता प्रोग्राम चलाए जा रहे हैं। साथ ही सख्त से सख्त कानून बनाए गए हैं। बाल विवाह निषेध अधिनियम (पीसीएमए) 'क्राइम इन इंडिया' की रिपोर्ट पेश की गई है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2018 से लेकर 2022 तक देश में कितने बाल विवाह दर्ज किए गए हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक, कर्नाटक की साल 2011 में आबादी, 6 करोड़ 11 लाख से ज्यादा थी। जिसमें से 50 प्रतिशत आबादी पुरुषों की थी तो 49 प्रतिशत आबादी महिलाओं की थी। 1000 पुरुषों पर 973 महिलाएं थीं। वहीं, साक्षरता दर को देखें तो 82.47 प्रतिशत पुरुष साक्षर थे और 68.08 प्रतिशत महिलाएं साक्षर थीं। लेकिन इसी बीच बाल विवाह को लेकर आए आंकड़े हैरान कर देते हैं।

हाईकोर्ट बोला- नगर निगम सख्ती से लागू करे निर्देश

इंदौर, 13 मार्च (एजेंसियां)। शहर में आवारा कुत्तों के हमलों के बढ़ते मामलों को लेकर हाई कोर्ट ने इंदौर नगर निगम को 2023 के पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियमों को सख्ती से लागू करने का आदेश दिया है। इस मामले में पशु कल्याण कार्यकर्ता वंदना जैन और पूर्व नगर निगम पार्षद महेश गर्ग द्वारा दो जनहित याचिकाएं दायर की गई थीं। इन पर बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान बताया गया कि पिछले एक साल में 50 हजार से ज्यादा डॉग बाइट के मामले सामने आए हैं। याचिकाकर्ता वंदना जैन ने कहा कि नगर निगम के पास आवारा कुत्तों के प्रबंधन और इस समस्या के प्रति जागरूकता बढ़ाने की कोई ठोस योजना नहीं है। वहीं, महेश गर्ग ने डॉग बाइट के मामलों को खतरनाक बताते हुए इसे बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया। कोर्ट ने कहा कि नगर निगम ने कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन इस मुद्दे पर और अधिक ध्यान देने की जरूरत है।

लाइसेंस स्कैम में शामिल कई आईएएस अधिकारी

शस्त्र लाइसेंस घोटाला मामला में अगली सुनवाई 20 मार्च को होगी

जम्मू,13 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर का आर्म्स लाइसेंस स्कैम चर्चा में है। इसमें कई आईएएस अधिकारियों के शामिल होने की बात है। मामला 9 साल पुराना है। इसी मामले में गृह मंत्रालय ने बुधवार को तीन आईएएस अधिकारियों पर मुकदमा चलाने से संबंधित प्रस्ताव को लौटा दिया। मंत्रालय ने कागजातों में कमी का हवाला देते हुए जम्मू कश्मीर के मुख्य सचिव से एक हफ्ते में फिर से प्रस्ताव को जमा करने के लिए कहा है। आईएएस अधिकारियों का नाम यशा मुद्गल, शाहिद इकबाल चौधरी और नीरज कुमार है। यशा 2007 बैच की अधिकारी हैं। शाहिद 2009 और नीरज कुमार 2010 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। तीनों मामले में गृह मंत्रालय ने कहा है कि, गृह मंत्रालय के निर्देश के मुताबिक, मुख्य सचिव को अब जो कागजात जमा करने हैं उनमें एफआईआर की कॉपियां, गवाहों का बयान, जांच रिपोर्ट, रिकवरी मेमोस और कानून विभाग के ओपनियन होने चाहिए। इससे पहले 12 फरवरी को कम्युनिकेशन में गृह मंत्रालय ने जम्मू कश्मीर के मुख्य सचिव को सीबीआई की अभियोजन स्वीकृति प्रस्ताव लद्दाख के उपराज्यपाल की सहमति के बाद भेजने को कहा था। शस्त्र लाइसेंस घोटाला मामला में अगली सुनवाई 20 मार्च को होगी। डिविजन बेंच मामले को सुनेगी। पिछले साल 31 दिसंबर को सीबीआई ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया था कि 2012 से 2016 के बीच जम्मू संभाग के 10 जिलों में लगभग 1.53 लाख और तत्कालीन कश्मीर संभाग के 12 जिलों में लगभग 1.21 लाख शस्त्र लाइसेंस जारी किए गए थे। कथित तौर पर इनका इस्तेमाल जिलाधिकारियों द्वारा आर्थिक लाभ के लिए किया गया था। सीबीआई ने शस्त्र लाइसेंस घोटाले में आठ आईएएस अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी मांगी थी। इसमें जम्मू कश्मीर के राजस्व सचिव कुमार राजीव रंजन का नाम भी था। वह उस समय जम्मू के डिप्टी कमिश्नर थे। इन अधिकारियों पर जम्मू-कश्मीर में गैर-योग्य व्यक्तियों से पैसे लेकर हथियार लाइसेंस जारी करने का आरोप लगाया गया था। सीबीआई ने इस मामले में 21 मार्च, 2024 को 15 आरोपियों के खिलाफ दो चार्जशीट दायर की थी। स्पेशल जज के सामने ये चार्जशीट दायर की गई थी। एक अधिकारी ने कहा कि पहली चार्जशीट में 10 आरोपियों का नाम था। जिसमें कुपवाड़ा के जिलाधिकारी हुसैन रफिकी का नाम भी था। पिछले साल 25 नवंबर को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने घोटाले में नौकरशाहों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति देने में पिक एंड चूज पॉलिसी पर चिंता व्यक्त की थी। कोर्ट ने इस मामले में किसी न किसी बहाने से हो रही देरी पर भी अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। इसके बाद इसी साल जनवरी में उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ताशी राबस्तान और न्यायमूर्ति एमए चौधरी की खंडपीठ ने सरकार को घोटाले में पांच आईएएस अधिकारियों और अन्य की संलिप्तता पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। जांच कई आईएएस और जेकेएएस अधिकारियों पर केंद्रित है, जिनमें शाहिद इकबाल चौधरी, नीरज कुमार, यशा मुद्गल, प्रसन्ना रामास्वामी जी., एम. राजू, फिदा हुसैन, जितेंद्र कुमार सिंह, फकीर चंद भगत, हेमंत कुमार शर्मा और शब्बीर अहमद बट शामिल हैं।

कितने बाहरी लोगों को मिला निवास प्रमाण पत्र? उमर अब्दुल्ला सरकार ने बताया

जम्मू,13 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर सरकार ने पुष्टि की है कि मध्य कश्मीर के बडगाम जिले की बीरवाह तहसील में 58 गैर-स्थानीय लोगों को निवास प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। यह जानकारी गुरुवार (13 मार्च) को विधानसभा सत्र के दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के विधायकों डॉ. शफी वानी और सकीना इटू द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब में दी गई। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने स्पष्ट किया कि इन 58 व्यक्तियों ने बीरवाह क्षेत्र में विवाह के माध्यम से निवास अधिकार प्राप्त किया है। उन्होंने आगे बताया कि नरबल और मगाम की पड़ोसी तहसीलों में किसी भी गैर-स्थानीय व्यक्ति को निवास प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है।

यह आंकड़ा सिर्फ बडगाम जिले से संबंधित- मंत्री

मंत्री ने विधानसभा में जानकारी देते हुए बताया कि यह आंकड़ा सिर्फ बडगाम जिले से संबंधित है, जहां एनसी विधायक डॉ. शफी वानी ने तीन तहसीलों के बारे में जानकारी मांगी थी। क्षेत्र में जारी किए गए निवास प्रमाण पत्रों की कुल संख्या इस प्रकार है: नरबल तहसील में 18,921, मगाम तहसील में 26,277 और बीरवाह तहसील में सबसे अधिक 62,343 निवास प्रमाण पत्र जारी किए गए।

विपक्षी विधायकों के सवाल पर सरकार का जवाब

इस विषय पर विधानसभा में चर्चा के दौरान विपक्षी विधायकों ने चिंता व्यक्त की और सरकार से पारदर्शिता बनाए रखने की मांग की। विपक्ष का कहना था कि इस तरह के मामलों में पूर्ण पारदर्शिता और कड़े दिशानिर्देशों की आवश्यकता है ताकि निवास प्रमाण पत्रों के दुरुपयोग को रोका जा सके। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया पूरी तरह कानूनी और नियमानुसार है। जम्मू-कश्मीर में निवास प्रमाण पत्र के जारी होने की प्रक्रिया को लेकर लंबे समय से बहस चल रही है। सरकार का कहना है कि यह व्यवस्था नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और सरकारी योजनाओं का लाभ सही पात्रों तक पहुंचाने के लिए बनाई गई है। इस प्रक्रिया में किसी भी तरह की अनियमितता नहीं बरती गई है और यह पूरी तरह पारदर्शी और कानून के तहत संचालित की जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 14 मार्च - 2025

फायदे से ज्यादा घाटा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक और धमाका करते हुए स्टील और अल्युमिनियम पर 25% टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। उनके इस कदम पर अमेरिका के मित्र देशों कनाडा और यूरोप ने जवाबी कदम उठाने की चेतावनी दी है। माना जा रहा है कि इस फैसले से अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री को कुछ फायदा हो सकता है, लेकिन अन्य सेक्टरों को नुकसान भी होगा। ऐसे में भारत इस निर्णय पर किसी तरह की जल्दबाजी में नहीं है। ट्रंप का टैरिफ उन सभी देशों पर लागू होगा, जो अमेरिका को स्टील और अल्युमिनियम निर्यात करते हैं। खास बात यह कि इस फैसले का सबसे ज्यादा नुकसान उन्हीं देशों को होने वाला है, जो अमेरिका का मित्र देश होने का दावा करते नहीं अघाते। ट्रंप चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार कहते रहे हैं कि वह अमेरिका को फिर से महान बनाना चाहते है और उनकी नजरें सिर्फ अमेरिका और वहां के नागरिकों के हितों पर ही केंद्रित है। इसके बावजूद उनके फैसले सवालों के घेरे में हैं। दोबारा चुन कर आने के बाद संबद्ध पक्षों से बातचीत और विचार-विमर्श के जरिए राह बनाने के बजाय ट्रंप का फैसला इकतरफा ही दिखाई दे रहा है। उनकी इस शैली से जाहिर है अमेरिकियों का ही नुकसान होगा। स्टील और अल्युमिनियम पर 25% टैरिफ के ताजा फैसले से सीधे तौर पर प्रभावित होने वाले कनाडा जैसे देशों ने तो जवाबी कार्रवाई की बात कही ही है, लेकिन यूरोप ने तो तत्काल 28 बिलियन डॉलर मूल्य के अमेरिकी सामानों पर टैरिफ का ऐलान कर दिया। संकेत साफ है कि तत्काल लिए गए फैसलों के अलावा ये देश उन संभावित फैसलों पर भी विचार कर रहे हैं, जिनसे अमेरिका को इतना भारी नुकसान हो जाए कि वह बातचीत की मेज पर आ जाए। ताजा फैसले को देखे तो अमेरिका में स्टील और अल्युमिनियम सेक्टर की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री को कुछ हद तक फायदा हो सकता है, लेकिन स्टील और अल्युनिनियम महंगा होने से कार, टिन कैन, सोलर पैनल बनाने वालों को इसका नुकसान भी झेलना पड़ सकता है। पिछले कार्यकाल के दौरान 2018 में लिए गए ट्रंप के ऐसे ही फैसले की बदौलत वहां 2021 तक स्टील उत्पादन 2% बढ़ा, लेकिन इसी अवधि में अन्य सेक्टरों में उत्पादन में 3.48 बिलियन डॉलर मूल्य के बराबर कमी भी दर्ज की गई। ऐसे में भारत ट्रंप के टैरिफ को लेकर किसी निर्णय की जल्दबाजी में नहीं दिखाई दे रहा है। दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते की बातचीत चल रही है, जिसे पूरा होने में समय लग सकता है। वहीं, ट्रंप के टैरिफ संबंधी फैसलों से अमेरिका के मंदी का दौर शुरू हो जाने की आशंका पैदा हो रही है। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है, इसलिए यदि वही मंदी के दौर में पहुंच जाएगा तो ग्लोबल इकॉनमिक ग्रोथ का सुस्त पड़ना लाजमी है। मंदी का दौर न आए इसके लिए प्रभावित राष्ट्राध्यक्षों के साथ बातचीत कर कोई सुदृढ़ पहल करनी होगी।

पाकिस्तान के गले की फांस बन रहा आतंकवाद !

सुनील कुमार महला

भारत के पड़ौसी पाकिस्तान के हालात बहुत ही बुरे हैं। हाल ही में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान में क्वेटा से पेशावर जा रही ज़फ़र एक्सप्रेस ट्रेन को भारी गोलीबारी कर अपने कब्जे में ले लिया। बीएलए ने ट्रेन पर हमले और उसके बाद सेना के साथ मुठभेड़ में 30 पाकिस्तानी सैनिकों को मार डालने का दावा किया है। 214 लोगों के कब्जे में होने का दावा करते हुए बीएलए ने यह चेतावनी दी कि यदि सेना ने बंधकों को छुड़ाने की कोशिश की तो सभी को मार दिया जाएगा। इन बंधकों में सेना के जवान, अर्धसैनिक बल, पुलिस और खुफिया एजेंसियों के अधिकारी भी शामिल हैं। हालांकि, पुलिस ने सिर्फ 35 लोगों के बंधक होने की बात मानी है।इसी बीच, पाकिस्तानी सेना ने 13 बलोच लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। वास्तव में,बीएलए ने पाकिस्तान की जेल में बंद बलूच कैदियों की रिहाई के लिए शहबाज शरीफ सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा से करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित बोलन स्टेशन पर बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के अलगाववादियों द्वारा जफर एक्सप्रेस ट्रेन को अगवा करने और लगभग 180-190 यात्रियों को बंधक बनाने की खबर दहलाने वाली है।यह आलेख लिखे जाने तक यह भी खबरें आ रहीं हैं कि बलूचों ने पाक के सौ सुरक्षा कर्मियों को मार गिराया है। यह भी खबरें आ रहीं हैं कि जाफर एक्सप्रेस को हाइजैक करने वाले हथियारबंद तीस बलूचों को सुरक्षा बलों ने ढ़ेर कर दिया है। इधर, सरकारी मीडिया रेडियो पाकिस्तान के हवाले से यह खबरें भी आईं हैं कि आपरेशन खत्म हो चुका है और सारे विद्रोही मारे जा चुके हैं। वहीं बलूचों ने यह अल्टीमेटम दिया बताते हैं कि बीस घंटे ही बचे हैं और सैन्य कार्रवाई पर वे सभी बंधकों को मौत के घाट उतार देंगे।सैन्य सूत्रों ने दावा किया है कि 190 यात्रियों को मुक्त कराया जा चुका है और तीस घायलों को अस्पताल में भरती कराया गया है। अब वास्तव में क्या सच है और क्या झूठ है,यह तो समय आने पर ही पता चल पाएगा लेकिन यह एक कटु सत्य है कि पाकिस्तान में जो भी हो रहा है, वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए ठीक नहीं कहा जा सकता है।संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने ट्रेन हाईजैक की निंदा करते हुए कहा कि बंधकों को तत्काल मुक्त करना चाहिए। वहीं चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि हम आतंकवाद से लोगों की रक्षा करने में पाकिस्तान का पूरी तरह से समर्थन जारी रखेंगे। हाल फिलहाल जो घटना हुई है,यह आर्थिक रूप से खस्ताहाल पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्थाओं और उसकी स्थिरता पर अनेक प्रकार के सवालिया निशान पैदा करती है। यह घटना दर्शाती है कि पाकिस्तान आतंकवाद का गढ़ तो है ही, साथ ही साथ पाकिस्तान दिन-ब-दिन अराजकता और असंतोष की तरफ बढ़ता चला जा रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि बलूचिस्तान से गुजरने वाली जफर एक्सप्रेस पर यह कोई पहला हमला नहीं है। वास्तव में यह वह ट्रेन है, जिसमें अक्सर सरकारी कर्मचारी, सैनिक और अधिकारी वगैरह यात्रा करते हैं और बीएलए की इस पर हमेशा नजर रहती है।सच तो यह है कि बीएलए पिछले कई सालों से पाकिस्तान पर ऐसे हमले करता रहा है। उसने कभी चीन के इंजीनियर को निशाना बनाया तो वह कभी पाकिस्तान के राजनयिकों को निशाना बनाता है। उल्लेखनीय है कि बीएलए अफगानिस्तान के दक्षिणी हिस्से में सक्रिय एक बलूच राष्ट्रवादी चरमपंथी संगठन है जिसका उद्देश्य बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग कर स्वतंत्र राष्ट्र बनाना है। कहना ग़लत नहीं होगा कि ब्लूचिस्तान में अलगाववाद अपने चरम पर है। दरअसल, पाकिस्तानी शासन के दमन और राजनीतिक रूप से हाशिए पर धकेले जाने का नतीजा ही है कि बलूचिस्तान में लोग अलगाववाद में लिप्त हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान और ईरान की सीमा से लगे हुए खनिज संपदा से समृद्ध क्षेत्र बलूचिस्तान में बीजिंग ने ग्वादर बंदरगाह और अन्य परियोजनाओं में निवेश किया है।कहना ग़लत नहीं होगा कि पिछले कुछ वर्षों में कई बलूच अलगाववादी समूह उभरकर आए हैं, जो लगातार पाकिस्तानी सेना के खिलाफ राजनीतिक हिंसा को अंजाम दे रहे हैं।बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) सहित इन समूहों का टारगेट बलूचिस्तान के लिए पूर्ण स्वतंत्रता हासिल करना है। गौरतलब है कि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) सबसे बड़ा बलूच अलगाववादी समूह है और यह बलूचिस्तान की स्वतंत्रता की मांग करते हुए दशकों से पाकिस्तान सरकार के खिलाफ विद्रोह कर रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) या बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी खुद को बलूचिस्तान की आजादी की मांग करने वाला सशस्त्र समूह है। यह बलूचिस्तान में सक्रिय सबसे पुराना अलगाववादी समूह भी है। यह संगठन पहली बार 1970 के दशक में सामने आया था। बलूचिस्तान के महत्व की यदि हम बात करें तो बलूचिस्तान चीन के 60 अरब डालर के निवेश (सीपीईसी) का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां रेको डिक जैसे खनन प्रोजेक्ट शामिल हैं जिन्हें दुनिया की सबसे बड़ी स्वर्ण और तांबा खदान माना जाता है। यह प्रांत अस्थिरता और सुरक्षा चिंताओं से जूझ रहा है। बलूचों ने जुल्फिकार अली भुट्टो की सरकार के समय बलूचिस्तान सूबे में सशस्त्र विद्रोह शुरू किया, लेकिन सैन्य तानशाह जियाउल हक की सत्ता पर कब्जे के बाद बलूच नेताओं के साथ हुई वार्ता के बाद उन्होंने पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम कर लिया था, लेकिन बीएलए एक बार फिर से जिंदा हो गया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पाकिस्तान में कारगिल युद्ध के बाद तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया। इसके बाद मुशर्रफ के इशारे पर वर्ष 2000 में बलूचिस्तान हाईकोर्ट के जस्टिस नवाब मिरी की हत्या कर दी गई। पाकिस्तानी सेना ने मुशर्रफ के कहने पर इस केस में बलूच नेता खैर बक्श मिरी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद से बलूच लिबरेशन आर्मी एक बार फिर सक्रिय हो गई। आज की बलूच लिबरेशन आर्मी की आधिकारिक स्थापना 2020 में हुई थी। इसके बाद से बलूच लिबरेशन आर्मी ने बलूचिस्तान के विभिन्न इलाकों में सरकारी प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों पर हमला करना शुरू कर दिया। इस समूह में शामिल ज्यादातर लगाके मैरी और बुगती जनजाति से थे। ये जनजातियां क्षेत्रीय स्वायत्तता पाने के लिए अब भी पाकिस्तान सरकार से लड़ रही हैं। संक्षेप में कहें तो, भारत और पाकिस्तान के अलगाव के बाद वर्ष 1948 से ही बलूचों के लिए एक अलग देश की मांग के साथ विद्रोह की शुरुआत हो गई थी। यह संघर्ष 1950 से 1970 के दशकों तक कई चरणों में चला। वर्ष 2003 में परवेज मुशर्रफ के कार्यकाल के दौरान विद्रोही गतिविधियां काफी बढ़ गईं और उन्होंने बलूची विद्रोहियों के विरुद्ध कई अभियान चलाए। बलूचों द्वारा उनके शोषण और मानवाधिकारों के हनन की शिकायत की जाती रही है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि बीएलए को पाकिस्तान, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश 'आतंकवादी संगठन' मानते हैं। बीएलए सुरक्षा बलों, विभिन्न सरकारी इमारतों, चीनी सेना और उसके वर्कर्स को टारगेट करके हमले करता रहा है। चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच बीएलए ने सुसाइड अटैक, बड़े हमलों को अंजाम दिया है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि मजीद ब्रिगेड को बीएलए का सुसाइड स्क्वाड माना जाता है जो कई हाई-प्रोफाइल हमलों जैसे कि वर्ष 2018 में कराची में चीनी दूतावास पर हमले और वर्ष 2019 में ग्वादर में एक लग्ज़री होटल पर हमले में शामिल रहा है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि बलूचिस्तान प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से एक बहुत ही समृद्ध प्रांत है और उसकी लड़ाई इस बात को लेकर है कि पाकिस्तान उसके संसाधनों का लगातार दोहन करता है।

होली पर टूटता है अहंकार

सुरेश गांधी

प्रह्लाद को गोद में बिठा कर आग के बीच दहकती हिरणकश्यप की बहन होलिका का भस्म होना और भक्त प्रह्लाद का सुरक्षित बच निकलना बुराई पर अच्छाई की जीत है। इस जीत को ही अबीर-गुलाल उड़ा कर, ढोल-नगारे की थापों के बीच नाच-गाकर मनाया जाता है। हजारों वर्ष बाद भी भारत में उल्लास के साथ यह परंपरा जीवित है तो इसका अर्थ है कि हम आधुनिकता के इस भौतिक दौर में भी जीवन के सत्य को याद रखे हुए हैं। जीवन का यह सत्य ही मनुष्यता है, धर्म है, आनंद है। होली की ठिठोली के बीच मस्ती और हुड़दंग में इसे न भूलें यही होली का संदेश है। होली में सभी का उत्साह बराबर होता है। पर होली का उत्साह बच्चों में कुछ खास ही होता है। होली का त्यौहार हो और पिया का प्यार हो फिर इस त्यौहार का मजा ही दुगुना हो जाता है। इस मौके पर जो आप जो रंग बिखेरते है, वही आपका हो जाता है। ठीक इसी तरह जीवन में जो कुछ भी आप देते है, वहीं आपका गुण हो जाता है। रंगों का महत्व इस मामले में भी है कि जिस रंग को आप परावर्तित करते है, वह अपने आप ही आपके आभामंडल से जुड़ जाता है। जो लोग आत्म संयम या साधना के पथ पर है, वे खुद से किसी भी नई चीज को नहीं जोड़ना चाहते। उनके पास जो है, वह उसके साथ ही काम करना चाहते हैं। यानी आप अभी जो है, उस पर ही काम करना बहुत ही मायने रखता है। एक-एक करके चीजो को जोड़ने से जटिलता पैदा होती है। इसलिए उन्हें कुछ नहीं चाहिए। मतलब साफ है वे जो कुछ भी है, उससे ज्यादा वे कुछ भी नहीं लेना चाहते। होली के रंगों में भीगे कृष्ण और राधा सहित गोपियां के आख्यान हों या ईसुरी के फाग, सब मन को विभोर कर जाते हैं। ये सारे प्रसंग पुराने होकर भी हर साल नित्य नवीन जैसे लगते हैं। आदमी होली की मस्ती में डूब कर सब कुछ भूल जाता है और फिजाओं में गूंज उठते हैं ये स्वर- 'होली आई रे कन्हाई रंग बरौ सुना दे जरा बांसुरी'। पिता हिरण्यकश्यपु की लाख प्रताड़नाओं यहां तक कि कई बार मार डालने की कोशिशों के बावजूद बालक प्रह्लाद की विष्णु के प्रति भक्ति अडिग रहती है। राक्षस कुल में जन्मे प्रह्लाद की भगवद-भक्ति हिरण्यकश्यपु के 'मैं ही विष्णु हूं' जैसे अहंकार को चूर-चूर कर देती है।

वह जितना जोर देकर अपने पुत्र को डराता है कि 'विष्णु का नहीं मेरा नाम जपो', प्रह्लाद की भक्ति उतनी ही दृढ़ होती जाती है। वह न डरता है और न विचलित होता है। पिता के आदेश दर पर प्रह्लाद को पहाड़ की ऊंचाइयों से फेंका गया, उबलते तेल के कड़ाह में डाला गया, किंतु ये यातनाएं भी उसकी भक्ति को कमजोर नहीं कर सकी। प्रह्लाद की कथा से जुड़े ये सारे आख्यान और उसकी अविचल भक्ति आज भी बुराइयों से लड़ने की प्रेरणा देती है। कहा जा सकता है कोई भी डर, कोई भी प्रताड़ना या कोई भी प्रलोभन हमें अपने ईमान से, मनुष्यता के भाव से डिगा न सके तो यह धरती ही स्वर्ग बन जाये। शक्ति के मन में कुल बुलाती बुराइयां, उसके अंतस में मचलता स्वार्थ-लोभ-लालच कब उसे इतना नीचे गिरा देता है कि वह इनसान से हैवान बन जाता है, यह वह समझ ही नहीं पाता। इन दुष्वृत्तियों के कारण मानो सारे रिश्ते बेमानी हो जाते हैं। आदमी इन रिश्तों का, इनसानियत का खून करने से भी नहीं हिचकता। यानी इंसान किसी न किसी रंग में रंगा और अपने राग में मस्त है। दुनिया के रंगमंच पर विभिन्न भूमिकाएं अदा कर रहे इंसान अलग-अलग रंगों की शरण लेते हैं। साधु-संयासी गेरुआ पहनते है, तो समाजसेवी सफेद, वहीं सिनेमा के पर्दे पर अभिनय करने वाले कलाकर दर्शकों का दिल जीतने व बहलाने के लिए रंग-बिरंगे कपड़े धारण करते हैं। जबकि सच तो यही है कि ब्रह्मांड के किसी भी चीज में रंग नहीं हैं। पानी, हवा, अंतरिक्ष और पूरा जगत ही रंगहीन हैं। यहां तक की जीन चीजों को आप देखते है, वे भी रंगहीन हैं। रंग केवल प्रकाश में होता है। रंग वह नहीं है जो दिखता है, बल्कि वह है जो त्यागता है। आप जो रंग बिखेरते है, वही आपका रंग हो जाएगा। ठीक इसी तरह जीवन में जो कुछ भी आप देते है, वही आपका गुण हो जाता है। अगर आनंद देंगे तो लोग कहेंगे आप एक आनंदित इंसान है। आपके व्यवहार व आचरण ही बताएंगा कि आप किस रंग की छाप हैं। भक्त प्रह्लाद भी बुराइयों से लड़कर मनुष्यता को बचाने का प्रयास करते है। यानी जब व्यक्ति का अहंकार उसे भगवान से भी ऊंचा मानने लगता है तो उसका पतन निश्चित है। इसीलिए ज्ञान व विद्या का पहला लक्षण विनम्रता ही है। विद्या ददाति विनयं, विनयात याति सुपरत्रता' इस विनय से ही व्यक्ति सुपात्र बनता है।

विनय साधुता और अहंकार दुष्टता का लक्षण है। प्रह्लाद ने अपने पिता की दुष्टता व हिंसा का विरोध नहीं किया, बल्कि अपनी सारी शक्ति अपनी भक्ति को अडिग रखने में लगायी। यह दृढ़ विश्वास ही उनकी विजय का मूल बना। प्रह्लाद की भक्ति और विश्वास के सामने हिरण्यकश्यपु के सभी अत्याचारी उपक्रम निष्फल और असहाय साबित हो रहे थे। उसका राक्षसी अहंकार यह मानने को कतई तैयार नहीं था कि एक छोटा सा बालक, वह भी उसका पुत्र राजाज्ञा का उल्लंघन कर विष्णु-विष्णु जपता रहे। प्रहलाद के इस अडिगता को परास्त करने के लिए ही उनकी बहन होलिका को सामने लाया गया, जिसे वरदान था कि अग्नि उसे जला नहीं सकती। होलिका बालक प्रह्लाद को गोद में लेकर बैठी, अग्नि प्रज्जवलित की गयी, लेकिन होलिका जल मरी, प्रहलाद सही सलामत बाहर निकल आए। उनकी भक्ति के आगे पिता की शक्ति हार गयी। कहा जा सकता है जीवन में भक्ति और शक्ति का समन्वय है। भक्ति सुमति देती और शक्ति जगत का कल्याण करती है। इसे दुष्टता से नहीं, सुमति से ही समझा जा सकता है। यही आदर्श जाति-मजहब और रंगभेद से ऊपर शांति-सदभाव-बंधुता और परस्पर सौहार्द से युक्त वैश्विक जीवन का विश्वास जगाते हैं।

यही वजह है कि जीवन में रंग महती भूमिका निभाते हैं। रंगों के माध्यम से ही हम प्रकृति की हरियाली से लेकर सुरज की सुनहरी रोशनी, आसमान का नीलापन और चंद्रमी की उजास देख पाते हैं। बादलों के बीच दिखती सात रंगों की इंद्रधनुषी रेखाएं प्रत्येक रंग की सुंदर कहानियां बयां करती है, जिन्हें देखकर मन रंग-बिरंगी दुनिया का हिस्सा बन जाता है। सही मायनों में जीवन को रंग-बिरंगा या रंगहीन बनाना सबकुछ स्वयं के आचरण च सोच पर निर्भर करता है। आप जैसा सोचेंगे, जीवन में वैसा ही होता चला जायेगा। कोई पूर्वाग्रह होता ही नहीं। आप जहां भी होते है, उसी का हिस्सा हो जाते हैं। वह रंग एक पल के लिए आप से चिपकता नहीं। आप केवल उसके ही नहीं होते, आप सबके होते हैं।

होली, रमजान, राम और जान

डॉ घनश्याम बादल

भारत में सभी धर्मानुयायी अपने-अपने तीज त्यौहार हमेशा से साथ-साथ मनाते आए हैं और इसमें कभी भी किसी तरह का वैमनस्य या प्रतिस्पर्धा अथवा एक दूसरे के प्रति कटुता का भाव देखने को नहीं मिला लेकिन इस वर्ष जब होली 13 एवं 14 मार्च को मनाई जा रही है और रमजान भी शुरू हो चुका है तो ऐसे में रमजान और होली जो कभी सह अस्तित्व एवं सद्भाव के तौर पर देखे जाते थे इस बार कुछ स्थानों पर, कुछ विशेष कारणों एवं व्यक्तियों की वजह से टकराव की स्थिति में दिखाई देते हैं । वैसे ऐसा पहली बार नहीं हुआ कि रमजान और होली का त्यौहार लगभग लगभग एक साथ पड़ा हो । यदि हिजरी संवत और चंद्रमा आधारित पंचांग को उठाकर देखें तो लगभग हर 33 वर्ष बाद इस तरह का संयोग बनता रहा है 1930, 1962, 1994 एवं 2016 में भी रमजान एवं होली का पर्व काफी पास-पास पड़े थे और बहुत प्रेम एवं सौहार्द के साथ यें पर्व मनाए गए किंतु इस बार एक खास किस्म का टकराव सा देखने में आ रहा है । जहां देश इस समय एक हिंदुत्व ओज एवं उभार के साथ आगे बढ़ रहा है, वहीं, मुस्लिम पक्ष भी अपने अस्तित्व एवं वर्चस्व के लिए जूझ रहा है । होली ही नहीं, कई मौकों पर पिछले वर्षों से दोनों पक्षों में विभिन्न टकराव सामने आया है जो एक अच्छा संकेत नहीं है। यदि संविधान की दृष्टि से देखें तो भारत बेशक एक धर्मनिरपेक्ष समाजवादी गणराज्य है एवं यहां हर धर्म के अनुयायियों को अपने धर्म को मानने का पूर्ण अधिकार है और इसका उपयोग वे लगातार 1947 और उससे पहले भी करते आए हैं लेकिन दूसरा सच यह भी है कि आज़ादी के बाद एक लंबे कालखंड तक राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए एक धर्म विशेष के लोगों का उपयोग किया गया एवं उनके तुष्टि करण हेतु बहुत कुछ किया गया । इसका मुख्य कारण यह था उनका एक बड़े वोट पैकेज के रूप में सामने आना । 1970 के आस पास मुस्लिम धार्मिक नेताओं एवं संस्थाओं ने उनके लिए एक तरह से ऐसी बाध्यकारी अपील जारी करने की परंपरा सी डाल दी कि वे एक दल या विचारधारा विशेष के पक्ष में लामबंद होकर वोट करने लगे और बदले में उनके हितों की पैरोकारी राजनीतिक दृष्टि से होती गई । जहां इस राजनीतिक पक्षधरता से मुस्लिम समाज को काफी सुविधाएं एवं आरक्षण तथा सुरक्षा मिली, वहीं हिंदू समाज के कट्टरपंथी लोगों को यह बात अखरने लगी । परिणाम स्वरूप मनों में दूरी बढ़ती गई जिसका चरम एक तरह से हमने 1992 में बाबरी मस्जिद के विध्वंस के रूप में देखा । फिर केंद्र में हिंदुत्व विचारधारा की सरकारें आईं और हिंदू वोटो को लामबंद करने के लिए इन सरकारों ने मुस्लिम समाज का 'तुष्टिकरण' लगभग बंद करते हुए हिंदुत्ववाद का 'संतुष्टिकरण' शुरू कर दिया। इस क्रिया की भी प्रतिक्रिया आना स्वाभाविक था और इसके चलते राजनीतिक क्षेत्र में कट्टरतावादी लोग आगे बढ़े और यह काम दोनों खेमों में हुआ। हिंदू वर्चस्व की राजनीति के पैरोकारों में भी और मुस्लिम वर्चस्व के राजनीतिक पैरोकारों में भी । धीरे - धीरे सत्ता में आने के लिए अपने-अपने समर्थकों के लिए अड़ने और लड़ने की ज़िद बढ़ती गई । आज इसी ज़िद का परिणाम सामने है होली में रमजान के अवसर पर टकराव के रूप में। भले ही कभी भी और किसी का भी वर्चस्व क्यों न रहा हो पर सच यह भी है कि भारत में मात्र किसी एक धर्म विशेष के साथ ही चलकर तरक्की संभव नहीं है. दूसरा सच यह भी है कि कम या ज़्यादा हर वर्ग, धर्म और क्षेत्र तथा भाषा भाषियों ने अपने ख़ून पसीने से हिंदुस्तान बनाया है। बात यह भी गलत नहीं है कि एक पक्ष अपने धर्म के प्रति बहुत अधिक कट्टर रहा है तो दूसरा काफी लचीला। हालांकि एक पक्ष के सभी लोग कट्टर हों, ऐसा नहीं है और प्रतिपक्षी गुट के भी सभी लोग बहुत उदार हों, यह भी सच नहीं है मगर उग्रता के दृष्टिकोण से मुस्लिम पक्ष हमेशा भारी रहा है पर 1992 के बाद से ही हिंदुत्ववादी भी कम नहीं रहे। 1992 से 2023 - 24 के आते-आते भव्य राममंदिर अस्तित्व में आया और इसके साथ ही हिंदुत्ववादी नेताओं में यह बात गहरे से घर कर गई कि मंदिरों के सहारे सत्ता में आया और लौटा जा सकता है । धर्म, मजहब अपनी जगह ठीक हैं और ये आस्था का सबब हैं जहां तर्क काम नहीं करता लेकिन दूसरा सच यह भी है कि तर्क के बिना राष्ट्र का जीवन नहीं चल सकता ।

किसी भी राष्ट्र का गौरव उसकी तरक्की में होता है. जब तक कोई राष्ट्र तरक्की पसंद नीतियां अपनाता है तो वह आगे बढ़ता चला जाता है और जब वह पोंगापंथी के जाल में फंस जाता है तब सारी तरक्की न केवल नष्ट हो जाती है अपितु भविष्य भी अंधकारमय हो जाता है । इसके उदाहरण एक नहीं, अनेक राष्ट्र बने हैं।

बुरा न मानों होली है ! आखिर कब से ?

डॉ. जय महलवाल

भारतवर्ष एक बहुभाषी और विशाल देश है। यहां पर विभिन्न धर्मो और समुदायों के लोग रहते हैं। इस कारण यहां त्योहार भी अलग-अलग तरीके से मनाए जाते हैं। सब धर्म के लोग अपने-अपने त्योहारों को बहुत उत्साहपूर्वक और पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। हर महीने हमारे भारतवर्ष में कोई ना कोई त्यौहार किसी न किसी धर्म का चला ही रहता है। हिंदू धर्म में होली का त्यौहार भी एक विशेष महत्व रखता है। बुरा ना मानो होली है इसी डायलॉग के साथ लोग एक दूसरे को रंग लगाने से नहीं हिचकते हैं। सबको पता है की होली का त्यौहार है तो रंग तो लगेंगे ही, इसलिए सब लोग इस त्यौहार को बहुत ही आनंदपूर्वक मनाते हैं। होली के दिन छोटे से छोटे बच्चों से लेकर नौजवान और बूढ़ों तक में उत्साह देखा जा सकता है। जहां एक और छोटे-छोटे बच्चे पिचकारिया लेकर और गुब्बारे में पानी भरकर एक दूसरे के ऊपर रंग फेंकते हैं वहीं दूसरी ओर व्यस्क एक दूसरे के चेहरों को रंग और गुलाल से लाल पीला कर देते हैं। होली के बारे में बहुत सी कथाएं प्रचलित हैं। सबसे अधिक प्रचलित कथा हिरण्यकश्यप और प्रहलाद की है। हिरण्यकश्यप एक बहुत ही शक्तिशाली राजा था। क्योंकि प्रहलाद विष्णु भक्त था और वह विष्णु की बहुत अधिक भक्ति करता था इसी कारण हिरण्यकश्यप ने नाराज होकर उसको कठोरतम दंड दिए थे। फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी वाले दिन सबसे पहले प्रहलाद को ऊंचे पहाड़ की छोटी से नीचे फिंकवा दिया गया था लेकिन प्रहलाद का बाल भी बांका नहीं हुआ था। लगातार आठ दिनों तक प्रहलाद को कठोर से कठोर दंड दिए गए। उसको गर्म तेल के बहुत बड़े कढ़ाहे में डाल दिया गया तो कभी उसको हाथी के पैरों से कुचलवाया गया। जब हिरण्यकश्यप ने देखा कि प्रहलाद को इतनी यातनाएं देने पर भी कोई फर्क नहीं पड़ रहा है तो उसने थक हार कर नौवे दिन अपनी बहन होलिका की गोद में प्रहलाद को बिठाकर जिंदा जलाने की कोशिश की। उसने सोचा कि इसके साथ जलकर प्रहलाद भस्म हो जाएगा। होलिका को वरदान प्राप्त था कि उसे आग जला नहीं सकती है, परंतु वह अग्नि में जलकर खुद तो भस्म हो गई और प्रहलाद को कोई आंच नहीं आने दी। होली के त्यौहार को चंद्रमा की पूर्णिमा के आखिरी दिन मनाया जाता है। अगर होली के इतिहास की बात करें तो हम पाते हैं कि पुरातन काल से इस त्यौहार को मनाया जाता आ रहा है। इतिहास की कई साहित्यिक कृतियों और ग्रंथों में होली का उल्लेख मिलता है। जहां ऋग्वेद(1500 ईसा पूर्व) में होलिका शब्द का उल्लेख मिलता है वहीं महाभारत (400 ईसा पूर्व) में हिरण्यकश्यप और प्रहलाद का महत्वपूर्ण वर्णन मिलता है।300 ईसा पूर्व में पुराणों में भी होलिका दहन का उल्लेख हमको मिलता है। 400 ईस्वी में कालिदास की रचनाओं में मशहूर रचना मेघदूत में भी होली का उल्लेख मिलता है । हेमचंद्र 1100 ईस्वी की रचनाओं में से एक रचना त्रिशतिकल्पलता में होली का प्रमुख वर्णन है। 1500–1800 ईस्वी मुगल बादशाहों के दरबार में भी होली का उल्लेख मिलता है, जैसे कि बाबर की तुज़क-ए-बाबरी में। 1800–1947 ईस्वी ब्रिटिश शासन काल में जेम्स थॉमसन की कृति इंडिया एंड इट्स पीपल में भी होली का वर्णन खूब किया गया है। अगर बात स्वतंत्र भारत की की जाए तो सन 1947 से वर्तमान तक होली का उल्लेख मिलता है, जिनमें कि हिंदी कवियों और साहित्यकारों में होली पर लिखी गई कविताएं और कहानियां काफी उल्लेख डालती हैं। प्रसिद्ध चित्रकार राजा रवि वर्मन की होली की चित्रकला भी बहुत मशहूर है। हिमाचल प्रदेश में हमीरपुर जिले के सुजानपुर की होली और ऊना जिले के मैड़ी का होला मोहल्ला मेला बहुत ही प्रसिद्ध है।

धूल भरी सड़कें और टूटे हुए सपने

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

शिवपुर के छोटे से गाँव में जीवन हमेशा सादगी और संघर्ष की एक मधुर धुन रहा है। यहाँ, सूरज गेहूं के सुनहरे खेतों को चूमता है, और हल्की हवा गाँव के कुएं के पास खेलते बच्चों की हंसी को लेकर आती है। लेकिन इस अद्भुत दृश्य के बीच खड़े हैं मास्टर विनय, एक समर्पित शिक्षक, जिनका जीवन सरल नहीं था। सालों से, उन्होंने अपने छात्रों में ज्ञान की रौशनी बिखेरी, उनके सपनों को संजोया। लेकिन जैसे-जैसे मौसम बदला, शिक्षा विभाग की मनमानी और नौकरशाही ने उनके समर्पण पर भारी पड़ना शुरू कर दिया। हर बार जब उन्होंने ट्रांसफर की अर्जी लिखी, वह फाइलों के गर्त में खो जाती, जैसे व्यस्त बाजार में एक भूला हुआ बच्चा। यह विडंबना भरी बात थी; वह सिस्टम, जो शिक्षा को ऊपर उठाने का वादा करता था, वह असल में शिक्कों के कल्याण से ज्यादा कागजी कार्यवाही में उलझा था। एक भाग्यशाली सुबह, एक पत्र आया जिसने विनय के जीवन के संतुलन को चूर-चूर कर दिया। उस लिफाफे पर शिक्षा विभाग का निशान था, जो झूठी आशा की एक चमक की तरह था। उनका दिल तेजी से धड़कने लगा जब उन्होंने उसे खोला, और उसमें शहर में ट्रांसफर की घोषणा थी—एक ऐसा स्थान, जो धूल, कंक्रीट, और तेज गति से भरा हुआ था, जो उनके शांत गाँव के साथ कड़ा विरोधाभास था। विनय का दिल टूट गया जब उन्होंने शहर की सड़कों की कल्पना की, जहाँ उनके छात्रों की हंसी की जगह कारों की हार्नेस और फाइलों की खड़खड़ाहट ले लेगी। उनकी पत्नी, सुषमा देवी, हमेशा उनके लिए ताकत का स्तंभ रही थी, लेकिन इस खबर ने उसे विश्वास और निराशा के बीच झूलने पर मजबूर कर दिया। उसकी आँखों में भरी आँसू हजारों अनकही डर की पीड़ा को दर्शाते थे: क्या वह सच में चले जाएंगे? उनके बच्चों के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने के सपनों का क्या होगा? जब उन्होंने सुषमा के आँसू भरे चेहरे की ओर देखा, तो उन्हें एहसास हुआ कि इस ट्रांसफर की असली कीमत उनकी नौकरी की हानि से कहीं अधिक थी; यह एक परिवार, एक समुदाय, और एक शिक्षक की अटूट प्रतिबद्धता का टूटना था। उनके जाने का दिन भारी दिल के साथ आया। विनय अपनी पुरानी साइकिल पर चढ़े, जिसका जंग लगा ढांचा उनके अनकहे दुख के बोझ की तरह कराह रहा था। नए स्कूल का रास्ता असहनीय लंबा लग रहा था, हर पैडल उन्हें याद दिला रहा था कि वे क्या छोड़ने जा रहे हैं। बच्चे उनका इंतजार कर रहे थे, उनकी मासूम आँखें उम्मीद और अनिश्चितता से चमक रही थीं। उनके छोटे हाथों में रंगीन चित्र थे, जो उन्होंने अपने प्रिय शिक्षक के लिए बनाए थे, एक ऐसे भविष्य की चित्रण जो उन्हें शामिल करता था। लेकिन खुशी की बजाय, विनय के दिल में एक दर्द महसूस हुआ। वह कैसे बता सकते थे कि वह उनके सपनों को छोड़ रहे हैं, कि शिक्षा प्रणाली ने युवा मनों की परवरिश के बजाय नौकरशाही के ट्रांसफर की सुविधा को चुन लिया है? उन्होंने कक्षा में प्रवेश किया, उनका दिल दुःख से भरा हुआ था, और ब्लैकबोर्ड पर लिखा, शिक्षा केवल ज्ञान देने के बारे में नहीं है, बल्कि दिलों को जोड़ने के बारे में भी है।

आज सूर्य का मीन राशि में प्रवेश

खरमास 13 अप्रैल तक, इस महीने में सूर्य पूजा और दान-पुण्य करने की है परंपरा

आज (14 मार्च) सूर्य मीन राशि में प्रवेश करेगा। मीन राशि का स्वामी ग्रह देव गुरु बृहस्पति है। बृहस्पति सूर्यदेव के भी गुरु हैं। अपने गुरु की मीन राशि में सूर्य प्रवेश करेगा। इस संबंध में ज्योतिष की मान्यता है कि सूर्य देव अब एक माह तक अपने गुरु बृहस्पति की सेवा में रहेंगे। इस माह को खरमास कहा जाता है।

सूर्य के मीन राशि में आने से सूर्य और गुरु, दोनों ग्रह कमजोर हो जाते हैं। इस वजह से खरमास में विवाह जैसे मांगलिक कर्मों के लिए शुभ मुहूर्त नहीं रहते हैं। खरमास में सूर्य पूजा, मंत्र जप, दान-पुण्य और नदी में स्नान करने की परंपरा है।

मांगलिक कार्यों में देवी-देवताओं के साथ ही ग्रहों की भी विशेष पूजा की जाती है। किसी भी मांगलिक कार्य में सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति की शुभ स्थिति देखी जाती है। जब ये ग्रह शुभ स्थिति में होते है, तब ही मांगलिक कार्यों के लिए मुहूर्त मिल पाते हैं।

खरमास में सूर्य और गुरु, ये दोनों ग्रह कमजोर हो जाते हैं। साल में दो बार खरमास आता है। पहला सूर्य जब धनु राशि में रहता है और दूसरा जब सूर्य मीन राशि में रहता है। सूर्य 13 अप्रैल को मेष राशि मे प्रवेश करेगा, तब खरमास खत्म होगा। इसके बाद ही मांगलिक कार्यों के लिए फिर से मुहूर्त मिलेंगे।

खरमास में कौन-कौन से शुभ कर्म करना चाहिए

सूर्य जब तक मीन राशि में रहता है, तब तक रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए और स्नान के बाद सूर्य पूजा करनी चाहिए। तांबे के लोटे में जल भरें, फूल और चावल डालकर सूर्य को चढ़ाएं। अर्घ्य देते समय ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जाप करें।

किसी जरूरतमंद व्यक्ति को छाता, जूते-चप्पल, सफेद सूती कपड़े दान करें। दूध, दही, घी का दान करें। किसी गौशाला में धन और हरी घास का दान करें। खरमास में अपने इष्टदेव के मंत्रों का जप करना चाहिए। जप कम से कम 108 बार करें। शिवलिंग पर जल चढ़ाकर, हार-फूल अर्पित करें। भोग लगाएं। दीपक जलाकर ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। हनुमान जी की पूजा में सरसों के तेल का दीपक जलाएं और हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ करें। गणपति जी को दूर्वा चढ़ाएं और धूप-दीप जलाकर श्री गणेशाय नमः मंत्र का जप करें। श्रीकृष्ण की भक्ति करना चाहते हैं, कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें। विष्णु जी के लिए ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें।खरमास में पवित्र नदियों में स्नान करने का भी विशेष महत्व है। अगर नदी में स्नान नहीं कर पा रहे हैं तो पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। स्नान करते समय पवित्र तीर्थों का और नदियों का ध्यान करना चाहिए। ऐसा करने से भी घर पर ही तीर्थ स्नान के समान पुण्य मिल सकता है।

होली पर राशि के अनुसार उपाय आपको बना देंगे मालामाल

होली के दिन मेष राशि वाले मसूर की दाल, तांबे की वस्तुओं का दान करें। इससे आपका मंगल मजबूत होगा। मंगल मजबूत होने से आपमें साहस, ऊर्जा बढ़ेगा। भगवान कृष्ण को देसी घी से बनी मिठाई का भोग लगाएं।

होली पर वृष राशि के जातक अपनी कुंडली में शुक्र और चंद्रमा को मजबूत करने का उपाय कर सकते हैं। इसके लिए आप चीनी, चावल और दही का दान करें। इससे आपको भौतिक संसाधनों सुख मिलता है। आर्थिक और स्त्री सुख मिलता है।

मिथुन राशि के जातक होली के दिन पीले रंग के गुलाल से रंगोत्सव मनाएं। साथ ही इस दिन राधा-कृष्ण को केसर का तिलक लगाकर खुद को भी लगाएं। इससे आपका गुरु ग्रह मजबूत होगा। इससे संतान प्राप्ति में बाधा दूर होती है।

कर्क राशि के जातक चांदी से जुड़े आभूषण को धारण करें। साथ ही भगवान कृष्ण को घर पर बने मक्खन का भोग लगाएं। इससे आपकी कुंडली में चंद्रमा मजबूत होगा। इससे आपको मानसिक विकार और भटकाव से राहत मिलेगी। माता को स्वास्थ्य लाभ होगा।

सिंह राशि के जातक होली के दिन अपनी क्षमता के अनुसार पीतल का सामान या गुड़ का दान करें। इसके बाद राधा-कृष्ण मंदिर में दर्शन करने जाएं। फिर होली खेलें। होली पर गुड़ और अनाज से बने व्यंजन का सेवन करें।

होली के दिन कन्या राशि के जातक कृष्ण भगवान को पीले फूल चढ़ाएं। अपने घर के मंदिर के पुराने सामान को बदल दें। भगवान गणेश की पूजा के बाद गुड़ और गन्ने का भोग लगाएं।

तुला राशि के जातक होली के दिन अपने घर की स्त्रियों को उपहार दें। इससे उन्हें भाग्य का साथ मिलेगा। इसके अलावा चांदी के टुकड़े, चावल के दाने, पुराना सिक्का और गोमती चक्र को लाल कपड़े में बांधकर सिर में सात बार घुमा लें। इसके बाद इसे पानी में बहा दें। इससे आपकी बाधाएं दूर होंगी।

वृश्चिक राशि, पीले रंग के वस्त्र पहनकर खेलें होली

वृश्चिक राशि, पीले रंग के वस्त्र पहनकर खेलें होली

वृश्चिक राशि वाले होली के दिन 11 माला ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नमः मंत्र का जप करें। साथ ही पीले रंग के वस्त्र पहनकर होली का त्योहार मनाएं। इससे आपको करियर में सफलता मिलेगी। मुसीबत में फंसने से बचेंगे।

धनु राशि के जातक होली के दिन भगवान को पीले रंग के वस्त्र अर्पित करें। इसके अलावा धूप, बत्ती और नारियल को मंदिर में ले जाकर अपने सिर पर 7 बार घुमाएं। इसके बाद जल में बहा दें। इससे व्यापार में आ रहीं समस्याएं दूर होंगी।

मकर राशि वाले होली के दिन शनि चालीसा का पाठ करें। साथ ही शनि देव का ध्यान करने के बाद होली खेलने की शुरुआत करें। इसके अलावा पीपल के पेड़ पर तिकोना सफेद रंग का झंडा लगाएं। इससे आपके कष्ट दूर होंगे।

कुंभ राशि वाले होली के दिन सिर पर कोयला घुमाकर चलते पानी या तालाब में प्रवाहित कर दें। इसके अलावा पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाएं। इससे आपके घर में सुख-समृद्धि का वास होगा।

होली के दिन मीन राशि के जातक गाय को चारा दें। इसके अलावा मंदिर में घी का दान करें। वहीं गरीब बच्चों को पुस्तक का दान भी कर सकते हैं। इससे आपको कारोबार में फायदा मिलेगा।

भगवान कृष्ण ने सुनाई थी होली की अनोखी कहानी युधिष्ठिर भी रह गए थे दंग!

होली को लेकर बहुत से किस्से और पौराणिक कथाएं हैं। होली की प्रमुख कथाएं राधा-कृष्ण के प्रेम, कामदेव और रति के पुनर्मिलन, भक्त प्रह्लाद और होलिका से संबंधित हैं। लेकिन होली से जुड़ी एक रोचक कथा और भी है जिसके बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे। माना जाता है कि, यह कथा भगवान श्रीकृष्ण ने द्वापर युग में युधिष्ठिर को सुनाई थी। कहा जाता है कि होली की इस कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सम्पूर्ण संसार के सार का ज्ञान करवाया था।

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार धर्मराज युधिष्ठिर ने भगवान श्रीकृष्ण से होली के आरंभ की कथा के विषय में प्रश्न पूछा। इस सवाल को सुनकर श्रीकृष्ण मुस्कुराए और उन्होंने धर्मराज युधिष्ठिर को होली की कथा कहानी आरंभ की। भगवान श्रीकृष्ण बोले, एक बार भगवान श्री राम के पूर्वज रघु के शासन में एक असुर स्त्री हुआ करती थी। वह असुर स्त्री गांव के लोगों को मारकर उन्हें खा जाया करती थी। धीरे-धीरे वह गांव के बच्चों का भी शिकार करने लगी। उस असुर स्त्री से गांव के सभी लोग बहुत परेशान हो गए थे। गांव वालों की इस परेशानी को दूर करने के लिए एक दिन गुरु वशिष्ठ ने उन्हें बताया कि उस असुर स्त्री को मारा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि गांव के सभी बच्चों को मिट्टी से उस असुर स्त्री की मूर्ति बनाकर एक चौराहे पर रखनी होगी। और उस मूर्ति के चारों तरफ उपले, लकड़ियां और घास-फूस जमा करके इस तरह रखनी है कि वो असुर स्त्री अपनी मूर्ति ना देख पाए। इसके बाद उस जगह की पूजा अर्चना करके घास-फूस ,उपले और लकड़ियों के साथ ही उसकी मूर्ति को जला दें, तो वो असुर स्त्री मर जाएगी और गांव वाले उससे मुक्त हो जायेंगे। गुरु वशिष्ठ जी की बात मानकर बच्चों और गांव वालों ने ऐसा ही किया। इसके बाद असुर स्त्री के मरने पर सभी गांव वालों ने खुशी में नृत्य किया और मिठाइयां बांटकर बुराई पर अच्छाई की जीत मनाई।

इस कथा में छुपा है संसार का राज

इस कथा को सुनकर धर्मराज युधिष्ठिर ने फिर से भगवान श्रीकृष्ण से प्रश्न किया कि, क्या होलिका दहन भक्त प्रह्लाद और होलिका से नहीं जुड़ा हुआ है? यह तो बिल्कुल ही अलग कथा है युधिष्ठिर का सवाल सुनकर श्रीकृष्ण ने मुस्कुराकर कहा, "हे युधिष्ठिर इस संसार में हर युग में वही घटनाएं बार-बार घटती हैं जो पहले भी घट चुकी हैं। जो कुछ भी हो रहा है, वो पहले भी हो चुका है और जो आज हो रहा है, वो कल भी होगा। हर घटना में इससे जुड़े चरित्र बदल जाते हैं लेकिन उस घटना की सीख वही रहती है। जैसे, होलिका दहन को बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में देखा जाता है। अगर होलिका आग में नहीं जली होती, तो उसी तरह की किसी और बुरी शक्ति का अंत भी इसी तरह से ही होता। जैसे, जिस तरह श्री राम ने रावण को मारने के बाद अयोध्या में वापसी करके राम राज्य स्थापित किया था। उसी तरह हर युग में बुराई का अंत होकर फिर से राम राज्य स्थापित होना ही है।

यह घटना बार-बार हर युग में खुद को दोहराती रहेगी। इस घटना से जुड़े पात्र बदल जायेंगे, लेकिन ये घटनाएं संसार का अर्थ और नियम समझाने के लिए निरंतर हर युग में घटती रहेंगी। यही संसार का नियम है। हर एक युग इसी तरह से चलता रहता है। इस कारण से हर मनुष्य को अपने कर्मों की प्रधानता को समझकर अपने कर्मों पर ध्यान देना चाहिए। कर्म सर्वोपरि हैं"

कैसे हुई थी रंगों के उत्सव की शुरुआत?

श्री कृष्ण और राधा रानी से जुड़ी है यह अनोखी कथा

आज देश के कई हिस्सों में होली की धूम देखी जाएगी। बता दें कि प्रत्येक वर्ष फाल्गुन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन होलिका दहन का आयोजन किया जाता है और अगले दिन रंगवाली होली खेली जाती है।

भगवान श्री कृष्ण की नगरी ब्रज में इस पर्व को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। यहां होली पर्व की शुरुआत 40 दिन पहले से हो जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रंग वाली होली की शुरुआत कब हुई थी? आइए आज हम जानेंगे इस पर्व से जुड़ी पौराणिक कथा और वैज्ञानिक कारण।

कैसे हुई थी रंग वाली होली की शुरुआत?

पौराणिक कथा एवं पुराणों के अनुसार रंग वाली होली खेलने का संबंध भगवान श्रीकृष्ण और ब्रज की किशोरी राधा रानी से है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्री कृष्ण ने ग्वालों के संग मिलकर होली खेलने की प्रथा शुरू की थी। यही कारण है कि आज भी ब्रज में धूमधाम से होली खेली जाती है। लड्डू होली, फूलों की होली, लट्ठमार होली, रंग और अबीर की खेली जैसे कई नामों से इस उत्सव को मनाया धूमधाम से जाता है।

पौराणिक कथा

प्राचीन किंवदंतियों के अनुसार भगवान श्री कृष्ण का रंग सांवला था और राधा रानी गोरी थीं। इस बात की शिकायत श्री कृष्ण ने मैया यशोदा से कई बार की और मैया उन्हें समझा-बुझाकर टालती रहीं। लेकिन जब वह नहीं माने तो मैया ने यह सुझाव दिया कि जो तुम्हारा रंग है, उसी रंग को राधा के चेहरे पर भी लगा दो। तब तुम्हारा और राधा का रंग एक जैसा हो जाएगा। नटखट कृष्ण को मैया का यह सुझाव बहुत पसंद आया और उन्होंने मित्र ग्वालों के संग मिलकर कुछ अनोखे रंग तैयार किए और ब्रज में राधा रानी को रंग लगाने पहुंच गए। श्री कृष्ण ने साथियों के साथ मिलकर राधा और उनकी सखियों को जमकर रंग लगाया। ब्रज वासियों को उनकी यह शरारत बहुत पसंद आई और तब से रंग वाली होली का चलन शुरू हो गया। जिसे आज भी उसी उत्साह के साथ खेला जाता है।

होली पर्व का वैज्ञानिक महत्व

जैसा कि हम जानते हैं कि रंग वाली होली से एक दिन पहले होलिका दहन किया जाता है। शास्त्रों में बताया गया है कि पवित्र अग्नि जलाने से वातावरण शुद्ध हो जाता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही इससे कई कीटाणु नष्ट हो जाते हैं और होलिका दहन की अग्नि से नई ऊर्जा का प्रभाव वातावरण में फैल जाता है, जिसे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना जाता है।

फाल्गुन पूर्णिमा के दिन स्नान-दान का शुभ मुहूर्त

फाल्गुन पूर्णिमा तिथि 13 मार्च गुरुवार के दिन सुबह 10 बजकर 38 मिनट से शुरू हो चुकी है और 14 मार्च को दोपहर 12 बजकर 27 मिनट तक रहेगी। उदयातिथि की मान्यता के अनुसार, फाल्गुन पूर्णिमा का व्रत और स्नान-दान 14 मार्च को ही किया जाएगा।

स्नान-दान के लिए शुभ मुहूर्त- हिंदू धर्म में स्नान दान के लिए सबसे अच्छा समय ब्रह्म मुहूर्त माना गया है। 14 मार्च को ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 55 मिनट से 5 बजकर 44 मिनट तक रहेगा। इस दौरान आप स्नान-दान करके पुण्य फलों की प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त में भी आप स्नान दान कर सकते हैं। अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 6 मिनट से दोपहर 12 बजकर 54 मिनट तक रहेगा।

फाल्गुन पूर्णिमा के दिन किए जाने वाले कार्य

इस दिन गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियों में स्नान करना बेहद शुभ होता है।

इसके साथ ही चंद्रमा की पूजा करना और चंद्रमा को अर्घ्य देने से भी उचित परिणाम आपको प्राप्त होते हैं।

दान के रूप में इस दिन आप अन्न, वस्त्र, धन आदि दे सकते हैं।

यह दिन आध्यात्मिक रूप से भी बेहद अहम माना गया है। इस दिन योग-ध्यान करने से आपको पारलौकिक अनुभव हो सकते हैं।

फाल्गुन पूर्णिमा का महत्व

फाल्गुन पूर्णिमा का दिन धार्मिक रूप से बेहद खास होता है। इस दिन होलाष्टक का भी खत्म हो जाते हैं। इसलिए स्नान-दान करने से इस दिन शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इस दिन चंद्रमा का पूजन करना भी शुभ माना जाता है, इससे कुंडली में मौजूद चंद्र दोष खत्म होता है। वहीं इस दिन व्रत रखने से पाप कर्मों से आपको मुक्ति मिलती है और जीवन में संतुलन लौटता है। इस दिन अपने इष्ट देव को अगर आप उनका प्रिय रंग अर्पित करते हैं तो कई कष्टों से आपको मुक्ति मिल सकती है।

आमिर खान के घर पहुंचे सलमान-शाहरुख

आमिर के 60वें बर्थडे से पहले किया सेलिब्रेट

आमिर खान 14 मार्च को अपना 60वां जन्मदिन सेलिब्रेट करेंगे। इससे पहले बुधवार को एक्टर के घर पर कड़ी सिक्योरिटी नजर आई। आमिर के बर्थडे से पहले सलमान और शाहरुख उनके घर पहुंचे। तीनों की इस मुलाकात के वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इन वीडियोज में शाहरुख पैपराजी से बचते नजर आ रहे हैं।

आमिर खान के घर के बाहर से कई झलकियां सामने आई हैं। सलमान खान को आमिर की बिल्डिंग से बाहर निकलते हुए देखा गया। इस दौरान दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया। तो वहीं शाहरुख खान पैपराजी से बचते नजर आए।

शाहरुख भारी सिक्योरिटी के बीच आमिर के घर पहुंचे। पैपराजी उन्हें रिकॉर्ड न कर पाएं इसलिए एक्टर ने ब्लैक कलर की हुडी पहनी हुई थी।

इससे पहले तीनों खान को पिछले साल अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में साथ देखा गया था। तीनों एक्टर जामनगर में अनंत-राधिका की शादी से पहले प्री वेडिंग समारोह में साथ दिखे थे। इस दौरान तीनों ने साथ में 'नाटू नाटू' सॉन्ग पर डांस परफॉर्मेंस दी थी। शाहरुख, सलमान और आमिर 'आरआरआर' के गाने के हुक स्टेप पर डांस करते हुए नजर आए थे। तीनों की वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थी।

वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान सुजॉय घोष की फिल्म किंग में नजर आएंगे। वहीं सलमान खान, एआर मुरुगदास की फिल्म सिकंदर ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आमिर खान की अगली फिल्म सितारे जमीन पर है।

बता दें, आमिर खान को उनके 60वें जन्मदिन के मौके पर बॉलीवुड इंडस्ट्री में उनके योगदान के लिए एक स्पेशल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया जाएगा। हाल ही में एक इवेंट के में 'आमिर खानः सिनेमा का जादूगर' का ट्रेलर लॉन्च किया गया। इसमें एक्टर की कई फिल्में दिखाई जाएंगी।

टीवी एक्ट्रेस हेली शाह का करारा जवाब

करियर में कई बार सुना 'ज्यादा मत उड़', लेकिन कभी हार नहीं मानी

टीवी एक्ट्रेस हेली शाह इन दिनों अपने नए शो ज्यादा मत उड़ को लेकर चर्चा में हैं। इसके अलावा, वह अपनी गुजराती फिल्म 'डैडा' को लेकर भी उत्साहित हैं। वहीं, करण सिंह ग्रोवर संग काम करने की खबरों पर उन्होंने साफ किया कि फिलहाल ऐसा कोई प्रोजेक्ट नहीं है।

बिल्कुल। हम सबकी जिंदगी में ऐसे लोग होते हैं, जो खुलकर नहीं कहते, लेकिन उनके हाव-भाव और बातों से समझ आ जाता है कि वो यही सोच रहे हैं। कई बार तो अपने ही घर में, रिश्तेदारों या करीबी दोस्तों में ऐसे लोग मिल जाते हैं, जो आपको नीचे खींचना चाहते हैं। लेकिन कभी हार नहीं मानी। मेरा मानना है कि अगर आपकी मेहनत सच्ची है, नीयत साफ है और आप ईमानदारी से अपने सपनों के लिए काम कर रहे हैं, तो कोई भी आपको उड़ने से नहीं रोक सकता।

जब सेट पर पहली बार पहुंचीं, तो कैसा लगा? जब सेट पर पहली बार पहुंचीं, तो कैसा लगा? एक इंडोर स्टूडियो में पूरा एयरपोर्ट बना दिया गया है। जब मैंने पहली बार सेट देखा, तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि यह कोई स्टूडियो सेटअप है। मेरा पहला रिएक्शन था - 'अरे, ये तो पूरा एयरपोर्ट ही बना दिया।'

यहां असली एयरपोर्ट जैसा माहौल है, रियल शॉप्स, कैफे, हैंगिंग गार्डन और यहां तक कि 'मां की दुकान' नाम की एक छोटी-सी दुकान भी है, जो मेरी मां के कैरेक्टर से जुड़ी हुई है। हर छोटी-छोटी डिटेल पर ध्यान दिया गया है। सबसे दिलचस्प चीज यह है कि हमारे पास एक मिनी फ्लाइट भी है, जिसमें 65 सीटें हैं। शूटिंग के दौरान ऐसा लगता है जैसे हम सच में फ्लाइट में हैं। यही सब चीजें इस शो को बाकी शोज से अलग बनाती हैं।

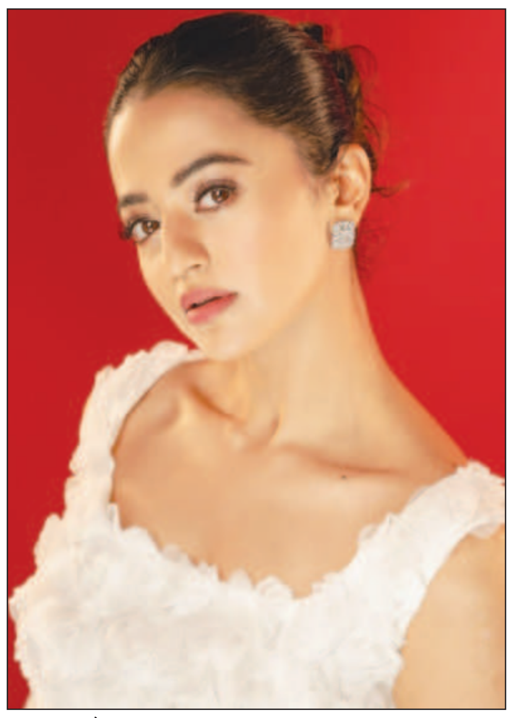

मुझे लगता है कि यह शो हल्के-फुल्के अंदाज में कहानियां दिखाने की कोशिश कर रहा है, जो आजकल कम देखने को मिलता है। इसकी कहानी छह कैबिन क्रू मेंबर्स के इर्द-गिर्द घूमती है, जो रोजमर्रा की चुनौतियों से जूझते हैं। टेलीविजन पर ज्यादातर ड्रामा बेस्ड शोज देखने को मिलते हैं, इसलिए इस तरह का हल्का-फुल्का कंटेंट एक अलग अनुभव देगा। 'डैडा' मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक इमोशनल जर्नी रही है।

इसकी कहानी दिल से जुड़ती है, और मुझे यकीन है कि यह ऑडियंस को भी उतनी ही गहराई से छुएगी।

गुजराती होने के नाते अपनी भाषा में काम करना हमेशा मेरे लिए गर्व की बात होती है।

मैं घर पर भी गुजराती में ही बात करती हूं, तो यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। मुझे खुशी है कि मुझे इतने बेहतरीन प्रोजेक्ट्स और किरदार मिल रहे हैं।

अथिया शेट्टी ने नई फोटोज में बेबी बंप फ्लॉन्ट किया

अथिया शेट्टी और टीम इंडिया के बल्लेबाज केएल राहुल साथ-साथ

जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने बेबी बंप फ्लॉन्ट किया। एक्ट्रेस अपने प्रेग्नेंसी फेज को एन्जॉय कर रही हैं। उन्होंने अपने पति केएल राहुल के साथ सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं।

अथिया और केएल राहुल ने बुधवार शाम को एक इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर की। जिसमें एक्ट्रेस ने अपना बेबी बंप दिखाया। इन फोटोज में अथिया ने हल्के पीले रंग का आउटफिट पहना था, जबकि केएल राहुल ने सफेद टी-शर्ट और जींस पहने हुए थे। फोटो में अथिया, राहुल को माथे पर किस करती नजर आईं। एक दूसरी फोटो में एक्ट्रेस पार्क में दिखाई दे रही हैं। दोनों की इस पोस्ट पर फैंस के अलावा बॉलीवुड इंडस्ट्री के कलाकारों के रिएक्शन भी सामने आ रहे हैं। कियारा आडवाणी ने पोस्ट पर रेड हार्ट इमोटिकॉन्स कमेंट किए हैं। सोभिता धुलिपाला ने लिखा, मेरी आंखें मेरा दिल। रणवीर सिंह ने रेड हार्ट इमोजी के साथ लिखा, प्यार और आशीर्वाद। वहीं, अथिया के पिता सुनील शेट्टी ने कमेंट सेक्शन में हार्ट इमोजी शेयर की। बता दें, पिछले साल नवंबर में अथिया और केएल राहुल ने सोशल मीडिया पर एक जॉइंट पोस्ट शेयर कर अपनी प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा था- 'हमारा खूबसूरत वरदान जल्द आने वाला है, 2025'।

अथिया शेट्टी ने 23 जनवरी, 2023 को क्रिकेटर के.एल. राहुल से शादी की थी। शादी से पहले दोनों करीब 4 सालों तक रिलेशनशिप में रहे थे। शादी सुनील के खंडाला स्थित फार्महाउस में करीबी परिवार के सदस्यों और दोस्तों की मौजूदगी में हुई। सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी ने साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म हीरो से सूरज पंचोली के साथ बॉलीवुड डेब्यू किया था।

'काम से पहचान बनाना चाहती हूं'

जॉन अब्राहम की को-स्टार सादिया बोलीं- दमदार काम करना चाहती हूं, 'द डिप्लोमैट' में दिखेंगी

फिल्म 'द डिप्लोमैट' में जॉन अब्राहम के साथ नजर आने वाली एक्ट्रेस सादिया खतीब ने हाल ही में खास बातचीत की। अपने करियर को लेकर उन्होंने खुलकर बात की और बताया कि क्यों उन्होंने अब तक कम फिल्में की हैं।

सादिया का कहना है कि वह पब्लिसिटी और पीआर स्ट्रेटजी पर भरोसा नहीं करतीं, बल्कि चाहती हैं कि उनके काम की वजह से लोग उन्हें पहचानें। बता दें, फिल्म 'द डिप्लोमैट' में सादिया खतीब उज्मा अहमद का किरदार निभा रही हैं। यह सच्ची घटना पर आधारित फिल्म है, जिसमें एक भारतीय महिला शादी के धोखे में पाकिस्तान फंस जाती है। बातचीत के कुछ प्रमुख अंशः

'मुझे अब तक जो भी फिल्में मिली हैं, वो सिर्फ ऑडिशन के जरिए मिली हैं। अगर ऑडिशन अच्छा गया, तो काम मिला, नहीं तो नहीं। कई बार लोगों ने कहा कि 'तुम नजर नहीं आ रही हो' या 'सीन में नहीं हो'। लेकिन सीन से उनका मतलब क्या है? पैसे देकर खबरें छपवाना? पीआर एजेंसी को फोन करके कहना कि मुझे दिखाओ?

आजकल इतने सोशल मीडिया पेजेस और प्लेटफॉर्म्स हैं, जहां पैसा देकर खुद को लाइमलाइट में लाया जाता है। पर मेरी परिभाषा कुछ और है। मैं चाहती हूं कि मेरा काम इतना दमदार हो कि लोग खुद पूछें - ये लड़की कौन है? और उसी आधार पर मुझे अपनाएं। हां, शायद आगे चलकर मुझे भी पीआर करना पड़े, लेकिन मेरी पहचान मेरे टैलेंट से बने, यही मेरी पहली प्राथमिकता है।'

फिल्म 'द डिप्लोमैट' में जॉन अब्राहम के साथ काम करने के अनुभव पर सादिया हंसते हुए कहती हैं, 'जॉन बहुत डिसिप्लिन्ड हैं, लेकिन बहुत चिल और मजेदार इंसान भी हैं। कभी-कभी वो मेरे खाने की प्लेट देखते और कहते, 'इसमें बहुत कैलोरीज हैं।' लेकिन मैं खाने की दीवानी हूं और खाने से कभी समझौता नहीं कर सकती। कई बार तो मुझे लगता था कि काश जॉन भी वही खाते, जो मैं खाती।'

अपनी फिटनेस को लेकर सादिया बताती हैं, 'बीच में मेरा वजन थोड़ा बढ़ गया था, तो मैंने वर्कआउट शुरू किया। ट्रेनर हायर किया और वो बेचारा रोज मुझे फोन करके बुलाता था कि - 'बहन, तुम्हारी फिल्म रिलीज होने वाली है।

मैं बेसिक चीजों का ध्यान रखती हूं - चीनी नहीं खाती, नमक में रॉक सॉल्ट यूज करती हूं और घर का खाना कम तेल में बनता है। लेकिन खुद पर जुल्म नहीं करती, अगर बाहर अच्छा खाना मिले, तो मजे से खाती हूं।' सादिया के अब तक कम फिल्मों में नजर आने पर उन्होंने खुलासा किया, 'इसके पीछे दो वजहें हैं। मेरी पहली फिल्म 'शिकारा' 2020 में लॉकडाउन के दौरान रिलीज हुई, फिर 2022 में 'रक्षाबंधन' आई। इसके दो महीने बाद ही मैंने 'द डिप्लोमैट' की शूटिंग शुरू कर दी थी, जिसमें थोड़ा वक्त लगा।

मेरे लिए हर प्रोजेक्ट मायने रखता है, इसलिए जब कोई कहानी मुझे दिल से पसंद नहीं आई, तो मैंने उसे नहीं किया। दूसरी तरफ, जिन बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए मैंने ऑडिशन दिए, वहां शायद मैं फिट नहीं बैठी। वहां बड़े स्टार्स की जरूरत थी और मैं उस वक्त उतनी बड़ी स्टार नहीं थी। इसलिए 'शिकारा' के बाद लगभग एक साल तक इंतजार किया, जब तक 'रक्षाबंधन' जैसी दमदार कहानी नहीं मिली। अब 'द डिप्लोमैट' जैसा सैटिस्फाइंग रोल मिला है, तो मैं बहुत खुश हूं।'

सादिया बताती हैं कि उनकी पर्सनैलिटी हमेशा से मजबूत रही है और कहीं न कहीं वह अपनी फिल्म 'द डिप्लोमैट' के किरदार उज्मा अहमद से मिलती-जुलती हैं।

उन्होंने बचपन का एक मजेदार किस्सा शेयर किया, 'मैं सीढ़ियों पर बैठी थी और मम्मा नीचे किसी काम में बिजी थीं। मम्मी ने मुझे बुलाया कि खुद नीचे आ जाओ। लेकिन मैंने जिद पकड़ ली कि, नहीं, आप ऊपर आओ और मुझे लेकर जाओ।

कपिल शर्मा शो से खुश नहीं गोविंदा की भांजी रागिनी

बोलीं- कुछ एपिसोड्स कॉमप्लिमेंट्री में किए थे, अब हर दिन हॉट गर्ल नहीं बन सकती

गोविंदा की भांजी और टीवी एक्ट्रेस रागिनी खन्ना ने हाल ही में कपिल शर्मा के शो के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि जब वह शो में काम कर रही थीं, तो उनका एक्सपीरियंस ज्यादा खास नहीं रहा। उन्हें हर बार सिर्फ एक ही किरदार निभाने के लिए कहा जाता था, जिसे वह रोजाना नहीं कर सकतीं।

हिंदी रश से बातचीत में रागिनी खन्ना ने कहा, 'द कपिल शर्मा शो' के मेकर्स ने मुझे शो का हिस्सा बनने के लिए बुलाया था। लेकिन मेरे पास डेट्स की कमी थी, जिस वजह से मैंने एक-दो एपिसोड्स कॉमप्लिमेंट्री में किए थे। कपिल शर्मा शो के साथ मेरा अनुभव ज्यादा कुछ खास नहीं था। मुझे बहुत डिस्कम्फर्ट महसूस हुआ करता था। एक एक्टर के तौर पर मैं स्टैंडअप करने में इंजॉय नहीं करती। मुझे स्टैंडअप देखना पसंद है। मैं उन्हें बहुत पसंद करती हूं। लेकिन उसका हिस्सा बनना नहीं। मुझे ऐसा लगता है कि मेरा वो सेंस ऑफ ह्यूमर नहीं है।'

रागिनी ने कहा, 'सबसे बड़ी बात यह है कि वहां मेरे लिए एक ही कैरेक्टर लिखा जाता है, जो हॉट गर्ल का होता है। मैंने उनसे पूछा भी था कि हॉट गर्ल का मतलब क्या है? क्या वह लड़की जो ग्लैमरस कपड़े पहनती है और आंखों को सुकून देती है? प्रोडक्शन टीम में मेरी एक दोस्त थी, वह भी हमेशा मुझसे मजाक में कहती थी कि आजा यार एक हॉट गर्ल की परफॉर्मेंस दे दे।'

रागिनी खन्ना ने आगे कहा, 'जब भी मुझे फेमिनिज्म पर रियलिटी चेक चाहिए होता है, तो मैं उस शो में चली जाती हूं।

सोनम बाजवा की 'दीवानीयत' में एंट्री

हर्षवर्धन राणे के साथ करेंगी रोमांस फिल्म 2025 में होगी रिलीज

हर्षवर्धन राणे के बाद सोनम बाजवा का नाम भी मिलाप मिलन जावेरी की फिल्म 'दीवानीयत' से जुड़ गया है। यह एक इमोशनल प्रेम कहानी होगी, जिसमें प्यार, जुनून और जज्बातों के उतार-चढ़ाव दिखाए जाएंगे। पहली बार हर्षवर्धन और सोनम बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे।

फिल्म का निर्माण अमुल वी. मोहन और अंशुल मोहन कर रहे हैं, जिनकी प्रोडक्शन कंपनी विकिर मोशन पिक्चर्स इससे पहले 'द साबरमती रिपोर्ट' जैसी सराही गई फिल्म बना चुकी है। फिल्म का निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी कर रहे हैं, जो 'सत्यमेव जयते' और 'मरजावां' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। इसकी कहानी मुस्ताक शेख और मिलाप मिलन जावेरी ने लिखी है। फिल्म की शूटिंग अगले कुछ महीनों में शुरू होगी और इसे 2025 के अंत तक थिएटर्स में रिलीज करने की प्लानिंग है।

'दीवानीयत' एक प्रेम कहानी है, जिसमें म्यूजिक अहम भूमिका निभाएगा। इसके गाने कहानी की भावनाओं को और अच्छे से दिखाएंगे, जो इसे और असरदार बनाएंगे। मेलोडी और इमोशंस का अच्छा मेल फिल्म को खास बनाएगा।

सोनम बाजवा पंजाबी सिनेमा की एक मशहूर एक्ट्रेस हैं, जो अब बॉलीवुड में अपनी जगह बना रही हैं। इस साल उनकी 'हाउसफुल 5' और 'बागी 4' जैसी बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं। अब 'दीवानीयत' के जरिए वह रोमांटिक फिल्मों में खुद को साबित करने जा रही हैं। सोनम बॉलीवुड में अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर फिल्म 'हाउसफुल 5' से डेब्यू कर रही हैं, और इसके बाद वह टाइगर श्रॉफ के साथ 'बागी 4' में भी नजर आएंगी। यह 'दीवानीयत' उनकी तीसरी बॉलीवुड फिल्म होगी।

पंजाबी फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाने वाली सोनम मॉडलिंग से एक्टिंग में आईं और अब सोशल मीडिया पर उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग है।

अदा शर्मा 16 साल की थी, वो कहते थे अपने दायरे में रहो

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा ने अपनी फिल्म 'तुमको मेरी कसम' के ट्रेलर के साथ अपनी एक्टिंग की तारीफें बटोरी हैं। अदा ने नवभारत टाइम्स के इंटरव्यू में बताया कि विक्रम भट्ट के साथ काम करना उनके लिए कितना अच्छा रहा है। इंडस्ट्री में शॉर्ट कट पर भी उन्होंने बेबाकी से बात की है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा ने बीते सालों में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं। उन्होंने 'केरल स्टोरी' से लेकर 'बस्तर' तक में खुद को मजबूत एक्ट्रेस के तौर पर साबित किया है। अदा अपनी नई फिल्म 'तुमको मेरी कसम' लेकर आ रही हैं। इसमें अनुपम खेर से लेकर ईशा देओल जैसी कास्ट हैं। फिल्म के ट्रेलर रिलीज के बाद से ही अदा की तारीफ हो रही है। उन्होंने नवभारत टाइम्स के साथ इंटरव्यू में खुलकर बात की है और काफी कुछ शेयर किया है।

विक्रम भट्ट के साथ 1920 के बाद काम कर रही हूं। उन्होंने मुझे मेरी पहली फिल्म दी। उस वक्त मैंने कुछ काम नहीं किया था। उन्होंने मुझपर भरोसा दिखाया। एक्टिंग पर उंगली नहीं उठाई उन्होंने मेरी। ना मैं किसी की रिलेटेड हूं बॉलीवुड में। मामा, चाचा पापा मम्मी कोई नहीं है इंडस्ट्री में। तो उन्होंने मुझे एक्टिंग देखकर काम दिया। इस बार भी किरदार एकदम अलग है। इस बार भी कुछ ऐसा ही आने वाला है।

केरल स्टोरी में भी जो टॉपिक था, लोग कहते थे ऐसा हो ही नहीं रहा है। बस्तर के बारे में भी लोगों को पता ही नहीं था। जो भी फिल्म देखेगा उनको मर्दानगी का अलग मतलब देखने को मिलेगा। लड़कियों को बहुत ज्यादा पसंद आएगी फिल्म। लड़के और लड़की के लिए बराबर ही है फिल्म।

बॉक्स ऑफिस नंबर बहुत मुश्किल है बताना। केरल स्टोरी में छोटी स्टारकास्ट थी लेकिन चली फिल्म। बड़े स्टार्स की फिल्में भी पिट रही हैं। लोग तंग आ गए हैं फिल्मों से। आप अच्छा काम नहीं कर रहे हैं तो लोगों को देखना ही नहीं है। आप अच्छा देंगे तभी फायदा मिलेगा। केरल स्टोरी 350 करोड़ कमाई तब लोग बोले कि कितनी अच्छी फिल्म है। मुझे लोगों से बहुत प्यार मिलता है जो मैं करती हूं।

दोनों बहुत अच्छे स्टार हैं। अनुपम खेर सबकुछ करते हैं। हर तरह के किरदार निभाते हैं। मुझे भी उनके जैसे ही काम करना है।

उन्होंने केरल स्टोरी देखकर भी मेरी बहुत तारीफ की थी। मुझे भी ये करना अच्छा लगता है। जब कोई अच्छा काम करे तो उसकी तारीफ करनी चाहिए। ये खुलकर कहना अच्छा लगता है सबको। लोग दिल में बातें रखते हैं अपनी।

सैफ अली खान की सीरीज 'तांडव' को लेकर डिनो मोरिया ये क्या कह गए, क्यों नहीं बनेगा दूसरा पार्ट?

जल्द ही डिनो मोरिया फिल्म 'हाउसफुल 5' में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख के साथ कॉमेडी करते हुए नजर आएंगे। पिछले दिनों एक इंटरव्यू में अभिनेता ने अपने करियर को लेकर बातचीत की। इस दौरान डिनो मोरिया ने सैफ अली खान की वेब सीरीज 'तांडव' की भी चर्चा की। अभिनेता का कहना है कि इसका सीजन 2 बनना अब मुश्किल है। डिनो ने भी इस सीरीज में एक अहम किरदार निभाया था। साथ ही अपनी एक और सीरीज 'एंपायर' को लेकर भी अपडेट दिया है।

डिनो बोले नहीं बन पाएगी 'तांडव 2' सीरीज

हाल ही में हुई एक बातचीत के दौरान डिनो मोरिया ने वेब सीरीज 'तांडव' को कमाल की सीरीज बताया है। वह कहते हैं, ' जब यह सीरीज बनी तो बहुत समस्या हुई। 'तांडव' की कहानी राजनीति पर आधारित थी। लेकिन इसका सीजन 2 बनाने की परमिशन मेकर्स को नहीं मिली है। वैसे वेब सीरीज बड़ी कमाल की थी, सैफ के साथ काम करके बहुत मजा आया।'

वेब सीरीज 'तांडव' में डिनो मोरिया ने प्रोफेसर जिगर संपत का किरदार किया था। वहीं सैफ अली खान ने समर प्रताप सिंह नाम के राज नेता की भूमिका निभाई। इस सीरीज पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगा था। सीरीज जब रिलीज हुई तो काफी

कंट्रोवर्सी इसके साथ जुड़ गई थी।

डिनो मोरिया एक और वेब सीरीज 'एंपायर' में नजर आए थे, इसमें उन्होंने शायबानी खान का किरदार किया था। इस सीरीज के दूसरे सीजन के बारे में डिनो कहते हैं, 'मेरे किरदार को सीरीज में काफी पसंद किया गया। वैसे इस सीरीज के भी कई सीजन बनाने की प्लानिंग थी। फिलहाल तो प्लान कैंसिल हो गया है। पता नहीं ऐसा क्यों हुआ लेकिन अभी 'एंपायर 2' भी नहीं बन रहा है।'

'मैंने प्यार किया' की भाग्यश्री का हुआ एक्सीडेंट माथे पर चोट देख घबराए फैंस

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री भाग्यश्री के एक्सीडेंट की खबरें सामने आई हैं, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। होली के समय इस घटना ने उनके फैंस को दुखी कर दिया है। उनके माथे पर गहरी चोट नजर आ रही है और वह अस्पताल में भर्ती दिख रही हैं। आखिर कैसे लगी उन्हें चोट?

ऐसे हुआ अभिनेत्री का एक्सीडेंट

'मैंने प्यार किया' फेम अभिनेत्री की एक्सीडेंट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उन्हें 'पिकल बॉल' खेलने के दौरान माथे पर चोटें आईं। साथ ही कहा गया कि उनकी सर्जरी के दौरान उन्हें 13 टांके लगे हैं। वायरल हो रही तस्वीरों में अभिनेत्री की हॉस्पिटल से सर्जरी की तस्वीरें सामने आईं हैं। इसके साथ ही उनके माथे पर गहरी चोट भी दिख रही है।

यूजर्स ने दी प्रतिक्रियाएं

वायरल पोस्ट में नेटिजंस के कई तरह के कमेंट्स आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि जल्दी ठीक हो जाइए भाग्यश्री जी। दूसरे यूजर ने लिखा कि स्ट्रांग वूमेन, वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा कि आप जीवन में हमेशा मुस्कुराते रहें। इसके साथ ही कुछ यूजर ने उन्हें होली के दिन पिकल बॉल ना खेलने की हिदायत दी।

एक नजर भाग्यश्री की ओर

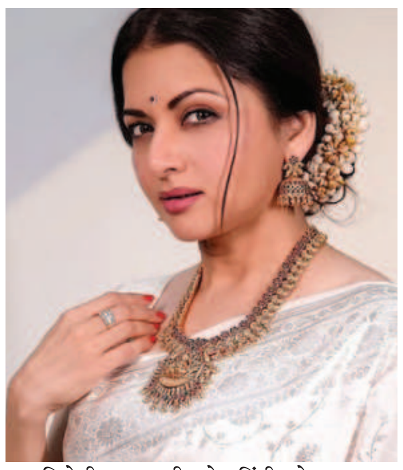

अभिनेत्री भाग्यश्री ने हिंदी के अलावा भोजपुरी, मराठी और तेलुगु फिल्मों में भी अभिनय किया है। साल 1989 में रिलीज हुई सलमान खान अभिनीत फिल्म 'मैंने प्यार किया' से एक्ट्रेस ने खूब नाम कमाया था। भाग्यश्री फिल्मों में भले ही कम दिखती हैं लेकिन वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं और अपने प्रशंसकों के लिए तस्वीरें साझा करती रहती हैं। स्टाइल के मामले में वे बॉलीवुड की टॉप अदाकाराओं को टक्कर देती हैं। बता दें कि भाग्यश्री के दो बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा और एक बेटी है।

शाहिद कपूर ने किसको कहा अपनी सहेली? सोशल मीडिया पर साझा की प्यारी तस्वीर

शाहिद कपूर पिछले दिनों आईफा अवॉर्ड फंक्शन में नजर आए। अब वह मुंबई लौट आए हैं। हाल में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ फोटो फैंस के साथ साझा किए। जिसमें वह अपने एक अजीज के साथ नजर आ रहे हैं। इस शख्स को देखकर शाहिद का चेहरा खिल उठा है।

सहेलियों जैसा व्यवहार करते दिखे

शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जो तस्वीरें साझा की हैं, उसमें उनके साथ भाई ईशान खट्टर नजर आ रहे हैं। दोनों इस तस्वीर में हंसते हुए दिख रहे हैं। शाहिद कपूर ने फोटो पर एक कैप्शन भी लिखा है- 'काम के दौरान भाई से मुलाकात, लेकिन सहेलियों जैसा कर रहे हैं हम बर्ताव।' इस तरह से शाहिद ने बताया है कि वो और ईशान, सहेलियों की तरह बातचीत करते हैं। इसका मतलब है कि दोनों एक-दूसरे के काफी करीब हैं।

मजेदार वीडियो भी करते हैं साझा

ईशान खट्टर और शाहिद कपूर अकसर ही सोशल मीडिया पर मजेदार वीडियो भी साथ में बनाकर साझा करते हैं। दोनों भाइयों के बीच काफी मजबूत रिश्ता है। जबकि ईशान शाहिद कपूर के सौतेले भाई है। लेकिन इनके बीच का प्यार देखकर इस बात का अंदाजा किसी को नहीं होता है।

शाहिद-ईशान का करियर फ्रंट

शाहिद कपूर की कुछ महीनों पहले ही फिल्म 'देवा' रिलीज हुई, इसमें वह एक पुलिस वाले के रोल में नजर आए। लेकिन शाहिद की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत कमाल नहीं कर सकी। वहीं दूसरी तरफ ईशान खट्टर एक गाने 'प्यार आता है' में तारा सुतारिया के साथ नजर आए। इस गाने को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया गया है।

अभिषेक से लेकर फरहान तक इन कलाकारों ने पर्दे पर निभाया अनोखे पिता का किरदार

अभिषेक बच्चन और नोरा फतेही की फिल्म 'बी हैप्पी' 14 मार्च को रिलीज होने वाली है। फिल्म में एक पिता और उसकी प्रतिभाशाली बेटी की कहानी दिखाई गई है। ऐसे में हम उन कलाकारों के बारे में बता रहे हैं जिन्होंने पर्दे पर अनोखे पिता का किरदार अदा किया है।

'पा' फिल्म में अभिषेक बच्चन

'पा' फिल्म साल 2009 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म का निर्देशन आर बाल्की ने किया था। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन एक ऐसे बच्चे के बाप बने थे जो 'प्रोजेरिया' बीमारी से पीड़ित था। खास बात यह थी कि इसमें बच्चे का किरदार अभिषेक बच्चन के पिता अमिताभ बच्चन ने अदा किया था।

'द स्काई इज ब्लू' में फरहान अख्तर

'द स्काई इज ब्लू' फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा, फरहान अख्तर और जायरा वसीम अहम किरदार में थे। इस फिल्म में फरहान अख्तर ने एक ऐसे पिता का किरदार निभाया था जिसकी बच्ची 'एससीआईडी' बीमारी से पीड़ित होती है। अपनी बच्ची के इलाज के लिए वह बहुत मेहनत करते हैं।

'बधाई हो' में गजराज राव

'बधाई हो' फिल्म साल 2018 में रिलीज हुई थी। फिल्म में गजराज राव, अयुष्मान खुराना और नीना गुप्ता अहम किरदार में हैं। फिल्म में गजराज राव ने ऐसे पिता का किरदार निभाया है जो बुढ़ापे में पता बनता है। इससे उनके बड़े बच्चों को काफी निराशा होती है।

'पीकू' में अमिताभ बच्चन

'पीकू' फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई थी। फिल्म में अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और इरफान खान अहम किरदार में हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन ने एक ऐसे पिता का किरदार अदा किया है जिसका हमेशा पेट खराब रहता है और अपनी बेटी पर बोझ बना रहता है।

'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में अमरीश पुरी

'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे' भारतीय सिनेमा में सबसे मशहूर फिल्मों में से एक है। यह फिल्म साल 1995 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में काजोल, शाहरुख खान और अमरीश पुरी हैं। फिल्म में अमरीश पुरी ने पिता का रोल निभाया था। फिल्म में वह अपनी बेटी की शादी शाहरुख खान के साथ नहीं करते हैं लेकिन आखिर में वह अपनी बेटी को यह कह कर छोड़ देते हैं 'जा सिमरन जी ले अपनी जिंदगी'

कैलाश को हाई कोर्ट से बड़ी राहत, गाने के जरिए धार्मिक भावनाओं को आहत करने का था इल्जाम

साल 2007 में गायक कैलाश खेर ने भगवान शिव का एक गाना गाया था। गाने को लेकर कैलाश खैर पर मकदमा दर्ज किया गया कि इस गाने से लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। इस पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने यह कहते हुए केस खारिज कर दिया था कि उनका ऐसा इरादा नहीं था। जज ने कहा कि खेर, जिन्होंने केवल 'बबम बम' गाना गाया था, उनकी तरफ से किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था।

कैलाश खेर के खिलाफ दर्ज हुआ था केस

लुधियाना की एक स्थानीय अदालत में नरिंदर मक्कड़ नाम के एक शख्स ने गायक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायक में इल्जाम था कि जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को आहत किया गया। शिकायतकर्ता ने खुद को शिव उपासक बताया और कहा कि भगवान शिव पर आधारित खेर के गाने 'बबम बम' में एक अश्लील वीडियो दिखाया गया है जिसमें कम कपड़े पहने महिलाएं हैं। वह एक दूसरे को चूम रहे हैं।

अदालत ने सुनाया फैसला

लुधियाना में इलाका न्यायिक मजिस्ट्रेट में दायर शिकायत को खारिज करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि खेर की तरफ से गाए गए गाने के बोल भगवान शिव की तारीफ के अलावा कुछ नहीं हैं। आदालत ने कहा हर काम जो किसी वर्ग विशेष को नापसंद हो, जरूरी नहीं कि उससे धार्मिक भावनाएं भड़कें।

याचिकाकर्ता ने की थी बड़ी मांग

याचिकाकर्ता ने अदालत से मांग की थी कि कैलाश के खिलाफ धारा 295ए के तहत मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए। इस पर पीठ ने कहा कि आईपीसी की धारा 295ए के तहत अपराध दर्ज करने के लिए व्यक्ति की तरफ से किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की जानबूझकर कोशिश की जानी चाहिए।

कैलाश खेर ने किया था हाईकोर्ट का रुख

खेर ने 2014 में पंजाब के लुधियाना कोर्ट में शिकायत दर्ज कराने के बाद हाईकोर्ट का रुख किया था। उस समय हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए कहा था कि गायक के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। अपनी याचिका में खेर ने कहा कि वह केवल गाने के गायक हैं और वीडियो को सोनी म्यूजिक एंटरटेनमेंट के माध्यम से एक अन्य कंपनी की तरफ से कोरियोग्राफ किया गया था। खैर ने तर्क दिया था कि गाने का वीडियो केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की तरफ से मंजूरी दिए जाने के बाद ही जारी किया गया था।

आलिया भट्ट ने मनाया अपना प्री-बर्थ डे सेलिब्रेशन, प्यार लुटाते दिखे पति रणबीर कपूर

आलिया भट्ट अकसर ही मीडिया, अपने फैंस के साथ अपनी जिंदगी के खास पलों, मौकों को साझा करती हैं। अपनी खुशियां उनके साथ बांटती हैं। अपने जन्मदिन से दो दिन पहले ही आलिया भट्ट ने जश्न मनाना शुरू कर दिया है। वह मीडिया के साथ अपना जन्मदिन मनाती हुई दिखीं। इस मौके पर रणबीर और आलिया के बीच कुछ प्यार भरे, खूबसूरत पल भी देखने को मिले, जिन्हें नेटिजन्स ने काफी पसंद किया।

रणबीर संग काटा केक

आलिया भट्ट ने सबसे पहले अपने जन्मदिन का केक काटा। केट काटते हुए रणबीर कपूर उनके साथ मौजूद थे। रणबीर कपूर ने आलिया का प्यार से माथा चुम लिया। रणबीर के ऐसा करने पर आलिया मुस्कुरा दी। वह इस मौके पर काफी खुश दिखीं।

मस्ती करते दिखे रणबीर

आलिया भट्ट के जन्मिदन मानने के जो फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, उन्हीं में रणबीर कपूर मस्ती करते हुए भी दिखे। वह आलिया की नाक पर केक लगा रहे हैं। आलिया उन्हें ऐसा करने से रोक रही हैं। दोनों की यह प्यार भरी नोक-झोंक मीडिया से लेकर सोशल मीडिया यूजर्स तक को खूब पसंद आई।

फैंस ने भी आलिया को शुभकामनाएं दी

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर प्यार, अभिनेत्री का जन्मदिन का जश्न देखकर सोशल मीडिया यूजर्स भी काफी खुश नजर आए। कई यूजर्स ने आलिया भट्ट को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। आलिया और रणबीर कपूर की जोड़ी को भी सबसे अच्छा बताया। इन्हें बॉलीवुड का आइडल कपल माना।

आलिया की आने वाली फिल्में

आलिया भट्ट के जन्मदिन से इतर उनकी आने वाली फिल्मों की बात की जाए तो वह फिल्म 'अल्फा' कर रही हैं। इस फिल्म में वह एक्शन करती दिखेंगी। फिल्म इस साल के आखिर में रिलीज होने की संभावना है। रणबीर कपूर भी फिल्म 'रामायण' की शूटिंग में व्यस्त हैं, इस फिल्म को नितेश तिवारी निर्देशित कर रहे हैं।

कॉन्स्टेबल का आरोप, रान्या राव के सौतेले पिता ने प्रोटोकॉल सहायता देने का दिया था आदेश

कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव को हाल ही में सोने की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अब इस मामले में एक नया मोड़ आ गया है। इस केस में एक प्रोटोकॉल अधिकारी ने हाल ही में चौंकाने वाला खुलासा किया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक प्रोटोकॉल अधिकारी का दावा है कि रान्या के सौतेले पिता और कर्नाटक के डीजीपी रामचंद्र राव ने उन्हें बेंगलुरु के कैम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रान्या की मदद करने का आदेश दिया था।

प्रोटोकॉल अधिकारी का बड़ा दावा

प्रोटोकॉल अधिकारी बसवराज एक कांस्टेबल हैं। उनकी तैनाती केम्पेगौड़ा हवाई अड्डे पुलिस स्टेशन पर थी। उन्होंने कहा कि वह डीजीपी रामचंद्र राव के सीधे आदेश पर काम कर रहे थे। उनकी जिम्मेदारी थी कि रान्या की हवाई अड्डे पर आने-जाने की प्रक्रिया आसान हो। बसवराज ने कहा कि जिस दिन रान्या को गिरफ्तार किया गया उस दिन शाम छह बजकर 20 मिनट पर उनके पास रान्या का फोन आया था। बसवराज के मुताबिक रान्या ने उनसे कहा था कि वह दुबई से बेंगलुरु पहुंच रही हैं और

उन्हें प्रोटोकॉल मदद चाहिए।

तस्करी में संबंध होने से किया इनकार

गौरतलब है कि बसवराज उस समय हवाई अड्डे पर मौजूद थे जब रान्या जा रही थीं। तभी डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) के अधिकारियों ने अभिनेत्री को पकड़ लिया। 4 मार्च को डीआरआई अधिकारियों ने बसवराज से पूछताछ की। रान्या की गिरफ्तारी के बाद उन्हें समन भेजा गया था। बसवराज का बयान कोर्ट में दी गई रिमांड अर्जी में शामिल किया गया है। पूछताछ में बसवराज ने सोने की तस्करी से किसी भी तरह का संबंध होने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ अपने सीनियर्स के आदेश पर रान्या की मदद कर रहे थे।

तीन-चार बार की रान्या की मदद

अपने बयान में बसवराज ने कहा है कि वह रान्या को पिछले कुछ वर्षों से जानते हैं, लेकिन उनका रिश्ता सिर्फ पेशेवर है। वह हवाई अड्डे पर अपनी ड्यूटी की वजह से उन्हें जानते थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने रान्या को तीन-चार बार प्रोटोकॉल मदद दी थी, लेकिन सही तारीखें उन्हें याद नहीं हैं। डीआरआई अधिकारियों ने बसवराज की मौजूदगी में हवाई अड्डे पर सोने के बिस्किट जब्त किए थे। फिर भी बसवराज ने साफ कहा कि उन्हें रान्या की तस्करी की गतिविधियों के बारे में कुछ नहीं पता था। बसवराज का कहना है कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है।

एसएस राजामौली की आने वाली फिल्म की कास्ट पर लगी पक्की मुहर

ओडिशा की डिप्टी सीएम प्रवति परिदा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर एक पोस्ट साझा की है। जिसमें वह एसएस राजामौली की फिल्म की शूटिंग के बारे में बता रही हैं, यह शूटिंग ओडिशा के कोरापुट के जंगलों में हो रही है। इस पोस्ट में वह फिल्म के तीनों कलाकारों के नाम भी लिख रही हैं। जिससे यह बात अब पक्की हो चुकी है कि फिल्म 'एसएसएमबी29' में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन भी एक अहम किरदार में हैं।

सोशल मीडिया पर साझा की पोस्ट

प्रवति परिदा अपनी पोस्ट में लिखती हैं, 'पहले मलकानगिरी में फिल्म 'पुष्पा 2' की शूटिंग हुई। अब मशहूर निर्देशक एसएस राजामौली अपनी आने वाली फिल्म 'एसएसएमबी29' की शूटिंग दक्षिण भारतीय कलाकार महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के अलावा प्रियंका चोपड़ा के साथ कोरापुट में कर रहे हैं। इस फिल्म में ओडिशा की सुंदरता दिखेगी। इससे ओडिशा के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।' इस पोस्ट के बाद ही राजामौली की फिल्मों के कलाकारों पर अब पूरी तरह से मोहर लग गई है।

पिछले दिनों लीक हुई फिल्म की तस्वीरें

निर्देशक एसएस राजामौली हमेशा ही अपनी फिल्मों की शूटिंग बहुत गुपचुप तरीके से करते हैं, उनके सेट पर फोन भी बैन होते हैं। साथ ही कलाकारों को भी फिल्म से जुड़ी जानकारी साझा करने की अनुमति नहीं होती है। लेकिन हाल ही में फिल्म 'एसएसएमबी29' के सेट से कुछ तस्वीरें लीक हो गईं। इसके बाद से ही कोरापुट के शूटिंग सेट पर सुरक्षा बढ़ा दी गई।

फिल्म की कहानी का भी हुआ अंदाजा

फिल्म 'एसएसएमबी29' की कहानी के बारे में भी कुछ जानकारी हासिल हुई है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फिल्म की कहानी में काशी (उत्तर प्रदेश) की भी अहम भूमिका है। ऐसा लगता है कि राजामौली अपनी फिल्म में कोई पौराणिक संदर्भ भी रखने वाले हैं।

लिप-बू टैन कौन हैं जिन्हें सौंपी गई इंटेल की कमान

ट्रंप की हसरतों को क्या लगा पाएंगे पंख?

नई दिल्ली,13 मार्च (एजेंसियां)। इंटेल ने अपने पूर्व बोर्ड सदस्य और चिप इंडस्ट्री के दिग्गज लिप-बू टैन को अपना नया सीईओ नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 18 मार्च से प्रभावी होगी। इसके साथ ही, कंपनी ने संकेत दिए हैं कि वो अपने चिप डिजाइन और निर्माण कार्यों को अलग नहीं करेगी। टैन की नियुक्ति पूर्व सीईओ पैट गेल्सिंगर को हटाए जाने के तीन महीने बाद हुई है। गेल्सिंगर की महंगी और महत्वाकांक्षी योजनाएं कंपनी को उबारने में नाकाम रहीं और निवेशकों का विश्वास डगमगा गया। टैन जो पहले इंटेल बोर्ड के सदस्य थे, को चिप इंडस्ट्री में उनके गहरे अनुभव और स्टार्टअप्स में निवेशक के रूप में उनकी भूमिका के कारण सीईओ पद के दावेदार के रूप में देखा जा रहा था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर में इंटेल बोर्ड ने उनसे इस पद के लिए अपनी रुचि के बारे में बात की थी। इस खबर के बाद इंटेल के शेयरों में 12% की तेजी देखी गई। विश्लेषकों ने इस कदम का स्वागत किया है। कहा है कि इससे कंपनी में स्थिरता आएगी। 2024 में कंपनी के शेयरों में 60% की गिरावट आई थी।

बदलाव के दौर से गुजर रही है इंटेल

इंटेल ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुजर रही है। कंपनी एडवांस्ड एआई चिप्स के बाजार में पिछड़ रही है, जबकि एनवीआईडीआईए जैसी कंपनियां इस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। इंटेल दूसरी कंपनियों के लिए चिप्स बनाने पर भी भारी खर्च कर रही है। इससे निवेशकों को अपने कैश फ्लो की चिंता सता रही है। पिछले दो महीनों में मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि ब्रॉडकॉम जैसी प्रतिद्वंदी कंपनियां इंटेल के चिप डिजाइन और मार्केटिंग बिजनेस का मूल्यांकन कर रही हैं। वहीं, टीएसएमसी इंटेल के चिप प्लांट्स पर नियंत्रण करने पर विचार कर रही है। मुमकिन है किसी निवेशक समूह या अन्य ढांचे के हिस्से के रूप में। रॉयटर्स ने मंगलवार को बताया कि टीएसएमसी ने इंटेल के कुछ बड़े संभावित मैन्युफैक्चरिंग ग्राहकों से इंटेल की फैक्ट्रियों को चलाने के लिए एक संयुक्त उद्यम बनाने के बारे में बात की थी। यह बातचीत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से टीएसएमसी से इंटेल को मदद करने का अनुरोध करने के बाद हुई।

चिप इंडस्ट्री के महारथी हैं टैन

चिप इंडस्ट्री के विश्लेषक जैक ई. गोल्ड ने टैन की नियुक्ति को स्वागत योग्य कदम बताया है। उन्होंने कहा कि टैन को सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री की गहरी समझ है। प्रोडक्ट डिजाइन और चिप मैन्युफैक्चरिंग दोनों के नजरिए से। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां इंटेल फाउंड्री को अपने उपकरणों को अधिक यूजर फ्रेंडली और संभावित ग्राहकों के लिए सुलभ बनाने में मदद की जरूरत है। गोल्ड और अन्य विश्लेषकों का मानना है कि टैन कंपनी को एक साथ रखना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी के किसी भी बदलाव में सालों लगेंगे और निवेशकों को धैर्य रखना होगा।

टैन ने अपने पत्र में कहा, 'इंटेल एक ऐसी कंपनी है जिसकी मैं लंबे समय से प्रशंसा करता हूं।' उन्होंने बिजनेस को पलटने में विश्वास व्यक्त किया। 65 वर्षीय टैन मलेशिया में जन्मे और सिंगापुर में पले-बढ़े हैं। उनके पास फिजिक्स, न्यूक्लियर इंजीनियरिंग और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में डिग्रियां हैं। वह 2009 से 2021 तक इंटेल के सप्लायर और चिप-डिजाइन सॉफ्टवेयर कंपनी कैडेंस डिज़ाइन सिस्टम के सीईओ रहे। उनके कार्यकाल के दौरान कंपनी के राजस्व और स्टॉक में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई। टैन ने पिछले साल कंपनी को कैसे बदला जाए, इस पर मतभेदों के चलते इंटेल के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया था। रॉयटर्स की पिछली रिपोर्ट के अनुसार, वह कंपनी के बड़े कार्यबल, कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग के प्रति उसके दृष्टिकोण और इंटेल की जोखिम-विरोधी और नौकरशाही संस्कृति से निराश थे। इंटेल ने कहा कि टैन अब फिर से बोर्ड में शामिल होंगे। मूर इनसाइट्स एंड स्ट्रैटेजी के प्रमुख विश्लेषक अंशेल साग ने कहा कि टैन इस भूमिका में स्थिरता और अनुभव लाते हैं।

सोना 529 महंगा होकर 86,672 रुपए पर पहुंचा : चांदी 150 रुपए सस्ती हुई; इस साल 10,510 रुपए महंगा हुआ सोना

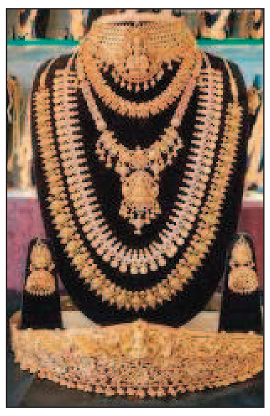

मुंबई,13 मार्च (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी गुरुवार (13 मार्च) को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 529 रुपए बढ़कर 86,672 रुपए पर पहुंच गया है। कल यानी बुधवार को सोना 86,143 रुपए पर था। 19 फरवरी को गोल्ड ने 86,733 का ऑलटाइम हाई बनाया था। वहीं, एक किलो चांदी आज 150 रुपए सस्ती होकर 97,950 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। कल यानी बुधवार को चांदी का भाव 98,100 रुपए प्रति किलो था। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को 99,151 रुपए प्रति किलो का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 81,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 88,730 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 81,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 88,580 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 81,200 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 88,580 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 81,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 88,580 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 88,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 81,200 रुपये है।

जनवरी से अब तक चांदी 11,933 रुपए महंगी हुई

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 10,510 रुपए महंगा हुआ है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 11,933 रुपए बढ़कर 97,950 रुपए पर पहुंच गया है। पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

बढ़त गंवा लाल निशान पर बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 200 अंक फिसला, निफ्टी 22400 से नीचे

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। होली से पहले गुरुवार को शेयर बाजार में लाल निशान पर क्लोजिंग हुई। प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक बाजार में हासिल शुरुआती बढ़त गंवाकर बंद हुए। बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स गुरुवार को शुरुआती बढ़त गंवाकर 200 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ।

रियल्टी, आईटी और ऑटो शेयरों में बिकवाली के कारण यह लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में गिरावट दिखी। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 200.85 अंक या 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,828.91 पर बंद हुआ, जिसमें से 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए और आठ शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। सूचकांक बढ़त के साथ खुला और देर सुबह 74,401.11 के उच्च स्तर पर पहुंच गया।

चुनिंदा ब्लूचिप शेयरों में लगातार बिकवाली के कारण सूचकांक बढ़त बरकरार रखने में विफल रहा और बाद में 259.17 अंक या 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,770.59 के निचले स्तर पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 73.30 अंक या 0.33 प्रतिशत गिरकर 22,397.20 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान बेंचमार्क 93.15 अंक या 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,377.35 के इंट्राडे लो पर पहुंच गया।सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से जोमैटो, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी इंडिया, अडानी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट और इंफोसिस पिछड़ गईं।

इसके विपरीत, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, पावरग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक और सन फार्मास्यूटिकल्स को लाभ हुआ। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, छोटा कारोबारी सप्ताह और अमेरिकी शॉर्ट मार्केट में बिकवाली से वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव आ रहा है। हालांकि, भारतीय बेंचमार्क सूचकांक नकारात्मक रुझान के साथ लचीलेपन और स्वस्थ बेहतर प्रदर्शन के साथ टिके हुए है। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, साप्ताहिक समाप्ति के दिन बाजार सीमित दायरे में रहे और थोड़ा कम होकर बंद हुए। हालांकि सकारात्मक वैश्विक संकेतों ने शुरुआत में तेजी को बढ़ावा दिया, लेकिन विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गज शेयरों में बिकवाली के दबाव ने निफ्टी को लाल निशान में ला दिया।

एशियाई बाजारों में टोक्यो, शंघाई, हांगकांग और सियोल में गिरावट दर्ज की गई। मध्य सत्र के सौदों में यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। बुधवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.34 प्रतिशत गिरकर 70.71 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत •2051, हिजरी सन् •1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् •5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् •1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

सूर्योदय - 06-30
सूर्यास्त - 18-21

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ मे	कुंभ...	04-52 बजे
चंद्र-	सिंह मे	मीन....	06-30 बजे
मंगल	मिथुन मे	मेष---	08-06 बजे
बुध-	मीन मे	वृष---	09-50 बजे
गुरु-	वृष मे	मिथुन..	11-50 बजे
शुक्र-	मीन मे	कर्क....	14-03 बजे
शनि-	कुंभ मे	सिंह---	16-16 बजे
राहु-	मीन मे	कन्या...	18-22 बजे
केतु-	कन्या मे	तुला....	20-28 बजे
		वृश्चिक...	22-37 बजे
		धनु......	00-51 बजे
		मकर...	03-00 बजे

दिशाशूल •• पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा 12-24 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास • फाल्गुन शुक्ल , शुक्रवार 14 March
नक्षत्र • उ.फाल्गुनी पूर्ण है अहोरात्र
योग • शूल 13-23 तक उप गण्ड
करण- बव 12-24 तक उप बालव
विशेष:- छारंडी धुलंडी
व्रत •त्योहार • मीन मे सूर्य पूर्णिमा पुण्य

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:55 से 12:25 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:30 - 07:56	शुभ	रोग	18:25 - 19:55	अशुभ
लाभ	07:56 - 09:26	शुभ	काल	19:55 - 21:25	अशुभ
अमृत	09:26 - 10:55	शुभ	लाभ	21:25 - 22:55	शुभ
काल	10:55 - 12:25	अशुभ	उत्पात	22:55 - 00:25	अशुभ
शुभ	12:25 - 13:55	शुभ	शुभ	00:25 - 01:55	शुभ
रोग .	13:55 - 15:25	अशुभ	अमृत	01:55 - 03:25	शुभ
उत्पात	15:25 - 16:55	अशुभ	चंचल	03:25 - 04:55	शुभ
चंचल	16:55 - 18:21	शुभ	रोग	04:55 - 06:25	अशुभ

एलन मस्क की दौलत में 12.5 बिलियन डालर का इजाफा

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। लगातार दूसरे दिन एलन मस्क की नेटवर्थ में जबरदस्त तेजी देखने को मिली।24 घंटे में दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी की दौलत में 12.5 बिलियन डॉलर का इजाफा देखने को मिला था।जबकि एक दिन पहले मस्क की नेटवर्थ में 6 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखी गई थी।वास्तव में टेस्ला के शेयरों में तेजी के कारण एलन मस्क की दौलत में इजाफा देखने को मिला है।टेस्ला के शेयरों में तेजी ऐसे माहौल देखने को मिली है, जब इंवेस्टर्स मान कर चल रहे हैं कि एलन मस्क की राजनीति की वजह से कंपनी को नुकसान हो रहा है।कई जानकारों का कहना है कि टेस्ला कारों की सेल में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।साथ ही पूरे देश में टेस्ला की कारों का विरोध हो रहा है।वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एलन मस्क के सपोर्ट में आकर खड़े हो गए हैं।बीसीसी की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप का कहना है कि टेस्ला का विरोध करने वालों को 'नरक' भोगना होगा।साथ ही उन्होंने उससे पहले 90 हजार डॉलर की टेस्ला कार खरीदी है।जबकि उससे पहले जो बाइडन ने टेस्ला कारों को व्हाइट हाउस के लिए बैन कर दिया था।इसके अलावा एलन मस्क ने भारत की दो बड़ी टेलीकॉम कंपनियों जिसमें एयरटेल और जियो शामिल है, ने हाथ मिलाया है।अब मस्क स्टारलिंक के माध्यम भारत को सैटेलाइट इंटरनेट मार्केट के किंग बनने की राह पर चलेंगे।आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर एलन मस्क की दौलत को लेकर किस तरह के आंकड़े सामने आए हैं.ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार 12 मार्च को एलन मस्क की कुल नेटवर्थ में 12.5 अरब डॉलर यानी 1.09 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है।जिसके बाद उनकी कुल दौलत 319 अरब डॉलर हो गई है।10 मार्च को एलन मस्क की दौलत से 29 अरब डॉलर साफ हो गए थे।और कुल दौनत 301 अरब डॉलर पर आ गई थी।दो दिनों में मस्क की नेटवर्थ में 18 अरब डॉलर से ज्यादा का इजाफा किया है।वैसे मौजूदा साल की बात करें तो एलन मस्क की कुल दौलत 113 अरब डॉलर कम हो चुकी है।इतनी नेटवर्थ दुनिया के बड़े—बड़े अरबपतियों की भी नहीं है.मस्क की नेटवर्थ में इजाफे का प्रमुख कारण टेस्ला के शेयरों में इजाफा है।लगातार दूसरे टेस्ला के शेयरों में तेजी देखने को मिली है।आंकड़ों के अनुसार टेस्ला के शेयर 12 मार्च को 7.59 फीसदी की तेजी के साथ 248.09 डॉलर हो गए हैं।कारोबारी सत्र के दौरान टेस्ला के शेयर 251.84 डॉलर पर भी पहुंच थे।वैसे बीते 5 कारोबारी दिनों में टेस्ला के शेयरों में 8.69 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है।जबकि बीते 6 महीने में टेस्ला के शेयर 7.73 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं।जानकारों की मानें तो टेस्ला के शेयरों में उतार चढ़ाव का सिलसिला जारी रह सकता है.एशिया के दोनों सबसे अमीर अरबपतियों की दौलत में इजाफा देखने को मिला है।एशिया के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी की दौलत में 894 मिलियन डॉलर का इजाफा देखने को मिला है और कुल दौलत 88.4 अरब डॉलर हो गई है।वैसे मौजूदा साल में 2.24 अरब डॉलर की गिरावट देखने को मिली है।वैसे मुकेश अंबानी दुनिया के 17वें सबसे अमीर कारोबारी हैं।एशिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी गौतम अडानी की दौलत में भी बढ़ोतरी देखी गई है।ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार गौतम अडानी की नेटवर्थ में 421 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी देखी गई है।जिसके बाद कुल दौलत 69 अरब डॉलर हो गई है।वैसे मौजूदा साल में गौतम अडानी की दौलत में 9.68 अरब डॉलर की गिरावट देखने को मिली है।

भारत को मिलेगा 4.5 लाख करोड़ का बूस्टर

इस एक कदम से चेंज होगा गेम, बदलेगा सीन

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। अगले साल से केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में बड़ी बढ़ोतरी हो सकती है। यह बढ़ोतरी आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर होगी। इससे राज्य सरकार और पीएसयू कर्मचारियों के वेतन में भी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। यूबीएस की एक रिपोर्ट के अनुसार, इससे देश में खपत और बचत में 4.5 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होगी। इस बदलाव से लगभग 3.1 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। इसमें 1.8 करोड़ सरकारी कर्मचारी और 1.3 करोड़ पेंशनभोगी शामिल हैं। इसका असर 2026 से 2028 तक देश की अर्थव्यवस्था पर दिखाई देगा। यूबीएस का मानना है कि वेतन वृद्धि से बचत में खपत से ज्यादा योगदान होगा। सरकार का फोकस व्यापक आर्थिक स्थिरता और निवेश-आधारित विकास पर रहेगा।यूबीएस ने वेतन वृद्धि के तीन संभावित सिनेरियो बताए हैं। पहले परिदृश्य में यूबीएस का अनुमान है कि वेतन में 15-20% की बढ़ोतरी होगी। यह पिछले वेतन आयोग की सिफारिशों से कम है, जिसमें 24% की बढ़ोतरी की गई थी। इससे सरकारी खजाने पर 4.5 लाख करोड़ रुपये (50 अरब डॉलर) का अतिरिक्त भार आएगा। लेकिन, व्यापक आर्थिक पूर्वानुमानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।दूसरे परिदृश्य में 20-25% की बढ़ोतरी से जीडीपी में अस्थायी रूप से तेजी आ सकती है, लेकिन ब्याज दरें भी बढ़ सकती हैं। तीसरे परिदृश्य में, अगर वेतन में 40-45% की भारी बढ़ोतरी होती है तो रुपये की कीमत गिर सकती है। महंगाई बढ़ सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं। इससे शुरुआत में जीडीपी में तेजी आ सकती है, लेकिन बाद में मंदी आ सकती है।आठवें वेतन आयोग के तहत वेतन में कितने फीसदी बढ़ोतरी होगी, यह अभी तक साफ नहीं है। हालांकि, पिछले वेतन आयोगों की सिफारिशों से संभावित प्रभाव का अंदाजा लगाया जा सकता है। वेतन आयोग का एक महत्वपूर्ण घटक फिटमेंट फैक्टर है। यह एक मल्टीपल है जिसका उपयोग संशोधित वेतन और पेंशन की गणना के लिए किया जाता है। यह कुल बढ़ोतरी को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस वेतन वृद्धि से बाजार में पैसा आएगा। लोग ज्यादा खरीदारी करेंगे जिससे कंपनियों का मुनाफा बढ़ेगा। लेकिन, महंगाई बहुत बढ़ जाती है तो आरबीआई को ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं। इससे लोन महंगे हो जाएंगे और लोगों के लिए मकान या गाड़ी खरीदना मुश्किल हो जाएगा। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि वेतन बढ़ोतरी से अर्थव्यवस्था को फायदा हो, नुकसान नहीं। इस वेतन वृद्धि का असर देश के हर वर्ग पर पड़ेगा। दुकानदारों से लेकर बड़ी कंपनियों तक सभी को इसका फायदा होगा। लेकिन, महंगाई नियंत्रण में नहीं रही तो आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ सकता है। सरकार को इस बात का ध्यान रखना होगा कि वेतन वृद्धि से महंगाई न बढ़े।

महाकुंभ के कारण मांसाहारी खाने की खपत घटी

सब्जियों की महंगाई में भी तेज गिरावट ; आरबीआई 1% घटा सकता है दर

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। खुदरा महंगाई में तेज गिरावट के पीछे इस बार महाकुंभ का योगदान है। एसबीआई की रिपोर्ट कहती है कि महाकुंभ के दौरान लोगों ने मांसाहारी खाना से परहेज किया। इससे लहसुन और प्याज की खपत में भारी कमी आई। सब्जियों में इन दोनों का योगदान सबसे ज्यादा होता है। इसलिए इनकी खपत घटने से सब्जियों की महंगाई घटी है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, खाद्य एवं पेय पदार्थों की महंगाई में भारी नरमी (मासिक आधार पर 1.85 फीसदी घटकर 3.84%) के कारण फरवरी में खुदरा महंगाई 7 महीने के निचले स्तर 3.6% पर आ गई। यह गिरावट सब्जियों के दाम में कमी के कारण हुई, जो 20 महीनों के बाद

नकारात्मक 1.07 फीसदी पर आ गई। इसमें 80 फीसदी गिरावट केवल तीन सब्जियों (लहसुन, आलू, टमाटर) के कारण हुई। दिलचस्प यह है कि सबसे अधिक गिरावट लहसुन में हुई है, जो संभवतः महाकुंभ के दौरान मांसाहारी वस्तुओं की कम खपत को दर्शाती है। फलों की महंगाई 10 साल के शीर्ष पर फलों की महंगाई 10 साल के शीर्ष 14.82 फीसदी पर पहुंच गई है। कारण यह है कि महाकुंभ में लोगों ने उपवास रखा और फलों का सेवन किया। मांसाहारी वस्तुओं (अंडा/मांस/मछली) की खपत में कमी भी इसी पवित्र मेले के कारण हुई है। खुदरा महंगाई जनवरी से मार्च तिमाही के दौरान 3.9 फीसदी और 2024-25 में औसतन 4.7 फीसदी तक रह सकती है। वित्त वर्ष 2026 में यह 4 से 4.2 फीसदी के बीच रह सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल और जून के बीच दो बार रेपो दर घट सकती है।हालांकि, अगस्त में कटौती का चक्र रुकने के बाद अक्तूबर से फिर से शुरू हो सकता है। रुपये में लगातार गिरावट का असर आने वाले महीनों में दिख सकता है।

अब लॉलीपॉप की कीमत में डायबिटीज की दवा

अरबों के मार्केट में छिड़ गई है प्राइस वॉर

नई दिल्ली,13 मार्च (एजेंसियां)। डायबिटीज की दवा के बाजार में प्राइस वॉर छिड़ गई है। भारतीय दवा कंपनियां टाइप-2 डायबिटीज की दवा 'एमपेग्लिफ्लोजिन' के सस्ते विकल्प बाजार में उतार रही हैं। इससे मरीजों को यह जरूरी दवा कम दाम में मिल सकेगी। बोह्रिंगर इंगेलहाइम और एली लिली की इस दवा का पेटेंट खत्म होने के बाद भारतीय कंपनियों ने इसका फायदा उठाया है। इससे 'जारडिएंस' ब्रांड नाम से बिकने वाली इस दवा की कीमत में 80% तक की गिरावट आई है। मैनकाइंड फार्मा, ग्लेनमार्क और एल्केम जैसी कंपनियां इस दवा के अलग-अलग वर्जन और एफडीसी (फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन) बाजार में ला रही हैं। आईसीएमआर के अनुसार, भारत में 10.1 करोड़ से ज्यादा डायबिटीज के मरीज हैं। सस्ती दवा आने से ज्यादा लोग इसका इस्तेमाल कर पाएंगे। इससे दवा बाजार में बड़ा बदलाव आएगा। विदेशी कंपनियों को अपनी कीमतें कम करनी पड़ेंगी। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, पहले 'जारडिएंस' के 10 एमजी टैबलेट की कीमत 58-60 रुपये और 25 एमजी की कीमत 65-70 रुपये थी। अब मैनकाइंड फार्मा 'एमपेग्लाइड' और 'एमपेग्रेट' 10 एमजी टैबलेट 5.49 रुपये और 25 एमजी टैबलेट 9.90 रुपये में बेच रही है। ग्लेनमार्क की 'ग्लेम्पा' 8.50-10 रुपये प्रति टैबलेट में मिल रही है। एल्केम की 'एम्पेनॉर्म' और भी सस्ती हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय कंपनियां डायबिटीज के बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती हैं। आईक्यूवीआईए के अनुसार, दो साल में जेनेरिक दवाओं की बिक्री 60% से ज्यादा हो सकती है।ग्लेनमार्क ने 'ग्लेम्पा' ब्रांड के तहत 10 एमजी और 25 सी टैबलेट के साथ 'ग्लेम्पा-एल' (एमपेग्लिफ्लोजिन + लिनैग्लिप्टिन) और 'ग्लेम्पा-एम' (एमपेग्लिफ्लोजिन + मेटफॉर्मिन) जैसे एफडीसी भी लॉन्च किए हैं। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के प्रेसिडेंट और हेड (इंडिया फॉर्मलेशन्स बिजनेस) आलोक मलिक ने कहा, 'ग्लेनमार्क का कार्डियोमेटाबोलिक केयर में एक मजबूत इतिहास रहा है। 'ग्लेम्पा' रेंज का लॉन्च हाई क्वालिटी, कम कीमत वाली दवाएं उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारी एडवांस्ड आर&डी यह सुनिश्चित करती है कि यह दवा, असली ब्रांडेड दवा जितनी ही असरदार हो, लेकिन उसकी कीमत के एक छोटे से हिस्से पर।'मैनकाइंड फार्मा ने 'एमपेग्लाइड', 'एमपेग्रेट' और 'डायनाडुओ' जैसे कई ब्रांड लॉन्च किए हैं।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
कार्यस्थल पर आपका ध्यान भटक सकता है जो की आपकी उत्पादकता को कम कर सकता हैं। कार्यालय में प्रेम प्रसंग की एक संभावना आपको अपने कार्य से दूर ले जा सकती है हालांकि, आपको वापस अपनी एकाग्रता लाने की जरूरत है। ऐसी कोई भी कार्रवाई करने से बचें जो आपके सहयोगियों को परेशान या आक्रामक बनाये । आप ध्यान एक साधारण मोह से भी भंग हो सकता है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप एक किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जो आपको एक आकर्षक कैरियर के अवसर प्रदान करेगा । हालांकि,इसे स्वीकार करने से पहले परिणाम के बारे में लम्बा और कठिन सोचने की जरूरत है क्योकि सब चमकती हुई चीज़ सोना नहीं होती । ये आप के आस पास के लोगों को प्रभावित करेगा लेकिन ये दिन इ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपके मितव्ययी होने की संभावना हैं, और आप एक असाधारण अवस्था में रहेंगे । आप एक महंगी कला की वस्तु खरीद सकते है क्यों की आप कला के पुजारी है । आप अपने पास के किसी व्यक्ति के लिए एक महंगा उपहार खरीद सकते है जो की उस व्यक्ति को आश्रयचकित कर सकता है । आपके कार्यस्थल में सब कुछ सुचारू रूप से चलेगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
हालाँकि आपको अपने कार्य स्थल पर हास्य और आनंद लेने की कला आती है परन्तु अब आप पूरी तरह से अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आप आज एक गैर जरुरी कार्य में भी गंभीर मुद्रा में रहेंगे । एक सहयोगी की सुस्ती और लापरवाही के कारण आप उसका काम अपने लिए कर सकते है । इसलिए आप पर कुछ अनुचित कार्य का दबाव आज बन सकता है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपका करियर आपकी योजना के अनुसार नहीं जा रहा है और आप समझ नहीं पा रहे है की ऐसा क्यों हो रहा है । नए सिरे से इसे शुरू करना सबसे अच्छा उपाय है । सबसे पहले आप अपना बायो डेटा ढ़ंग से तैयार करे और इसे सबसे अधिक प्रासंगिक व्यक्ति को दे , जो की आपने अभी तक नहीं किया है । इस समय आपको अपने करियर को नियंत्रण में लेने की जरूरत है बजाय की यादृच्छिक घटनाए आप पर हावी हो ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप अपने सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे और कार्य क्षेत्र में शांति का माहौल रहेगा , लेकिन व्यापार के मामलों में किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करें। धोखाधड़ी की संभावना है। यदि संभव हो तो अपनी व्यापारिक सौदों को दूसरे दिन पर ठाले और अपने सहयोगियों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप अपने सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे और कार्य क्षेत्र में शांति का माहौल रहेगा , लेकिन व्यापार के मामलों में किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करें। धोखाधड़ी की संभावना है। यदि संभव हो तो अपनी व्यापारिक सौदों को दूसरे दिन पर ठाले।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यवसायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज पैसे को संभलकर खर्च करें । सितारों के अनुसार आज आप बिना किसी बात के काफी खर्च कर सकते हैं । अगर आप ध्यान नही देंगे तो काफी बड़ी रकम आज आपसे खर्च हो सकती है । आज विवादो और टकराव से बचना ही बेहतर होगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी कोई परेशानी नही होगी और आप बाहर घुमने का आनंद ले सकते हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी । अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें । करीबियों के साथ अच्छा वक़्त बिताने की सम्भावना बनी हुई है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

गरियाबंद में लोगों के दांत पीले पड़े, हड्डियां टेढ़ी

40 गांवों के पानी में फ्लोराइड, सुपेबेड़ा से भी ज्यादा मात्रा, 100 से ज्यादा प्रभावित

गरियाबंद, 13 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। गरियाबंद जिले के देवभोग क्षेत्र में 40 गांवों के ग्रामीण फ्लोराइड युक्त पानी पीने को मजबूर हैं। जल शक्ति बोर्ड के वैज्ञानिकों ने यहां के पानी की जांच की है, जिसमें यह खुलासा हुआ है कि 90 पेयजल स्रोतों में फ्लोराइड की मात्रा निर्धारित मानक से ज्यादा है। इन गांवों में डेंटल और स्केलटल फ्लोरोसिस के 100 से अधिक मरीज मिले हैं। प्रभावित लोगों के दांत पीले पड़ गए हैं और हड्डियां टेढ़ी हो गई हैं। वहीं किडनी रोगियों के गांव कहे जाने वाले सुपेबेड़ा में भी जांच की गई जहां फ्लोराइड की मात्रा कम पाई गई है।

पानी में फ्लोराइड की पुष्टि 4 साल पहले ही हो गई थी। इसी समस्या को देखते हुए 40 स्कूलों में फ्लोराइड रिमूवल प्लांट लगाए गए थे। लेकिन जागरूकता की कमी के कारण स्कूली बच्चे और ग्रामीण इनका उपयोग नहीं कर रहे हैं।

देवभोग क्षेत्र में पिछले 1 साल में 94 गांवों के 175 जल नमूनों की जांच की गई। इनमें नांगलदेही, सीतलीजोर, खुटगांव, करचिया, चिचिया और मूड़ागांव समेत 17 गांवों के 51 जल स्रोतों में फ्लोराइड की मात्रा सबसे अधिक है।

स्वास्थ्य विभाग के एक सर्वे में साल 2015 में दांत पीले होने वाले 1500 से ज्यादा स्कूली बच्चों का खुलासा हुआ था। जिसके बाद ग्राउंड वाटर सोर्स की जांच में फ्लोराइड की मौजूदगी का पता चला था।

प्रशासन ने प्रभावित 40 स्कूलों में 6 करोड़ खर्च कर फ्लोराइड रिमूवल प्लांट लगाए थे। लेकिन जागरूकता की कमी के कारण स्कूली बच्चों और ग्रामीणों ने इनका उपयोग नहीं किया।

जल शक्ति बोर्ड के वैज्ञानिकों ने की फ्लोराइड की जांच

स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करने वाले चिरायु दल ने 2015 में अकेले देवभोग ब्लॉक में 2500 से ज्यादा स्कूली बच्चों के दांत पीले होने का खुलासा किया था। जून 2024 में हाईकोर्ट ने फ्लोराइड को लेकर संज्ञान लिया तो स्वास्थ्य विभाग ने दोबारा स्क्रीनिंग शुरू की।

फ्लोरोसिस कार्यक्रम के तहत गांव में जांच शिविर लगाकर 335 लोगों की जांच की गई और बताया कि केवल 59 बच्चों में ही डेंटल फ्लोरोसिस के लक्षण हैं, जबकि जल शक्ति मंत्रालय के वैज्ञानिकों ने प्रभावितों की संख्या सैकड़ों में बता रहे।

सरकारी आंकड़े के मुताबिक 2019 में 155 की जांच हुई 31 मिले। 2020 में 158 की जांच किया 23 मिले। 2021 में 147 की जांच की गई 21 डेंटल फ्लोरोसिस के मरीज मिले थे।

साल 2024 जुलाई माह में हाईकोर्ट ने फ्लोराइड मामले में संज्ञान लिया जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया और पीएचई विभाग ने तुरंत बंद पड़े 41 रिमूवल प्लांट को शुरू कराया।

जिले भर में 300 से ज्यादा सोर्स की जांच की गई। जिले में देवभोग ब्लॉक के अलावा मैनपुर और गरियाबंद ब्लॉक के 50 से ज्यादा गांव के पेय जल स्रोतों में फ्लोराइड की मात्रा अधिक है।

किडनी रोगियों के गांव कहे जाने वाले सुपेबेड़ा को लेकर जल शक्ति बोर्ड के वैज्ञानिकों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वे 4 स्टेप में यहां के सभी स्रोतों की जांच किए हैं लेकिन यहां के सोर्स में फ्लोराइड की अनुपातिक मात्रा पाई गई है। सुपेबेड़ा के जिन स्रोतों में फ्लोराइड रिमूवल प्लांट लगाए गए हैं वहां भी फ्लोराइड की अधिकता नहीं मिली है। आर्सेनिक और अन्य हैवी मेटल की जांच के लिए जल शक्ति मंत्रालय सैंपल कलेक्ट कर लिया है। मार्च माह के अंत तक इसके रिपोर्ट आ जायेंगे।

डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन बताते हैं कि इको सोल्यूशन नामक मुंबई की एनजीओ के प्रमुख मैकेनिक इंजीनियर यतेंद्र अग्रवाल ने एक्टिवेटेड एल्यूमीना और टेरापीट फिल्टर बनाया है, जिसकी मदद से फ्लोराइड की मात्रा पीने लायक बनाया जाता है।

इसके एक कीट की लागत महज 1000 रुपए है। इसे प्रभावित गांव में प्रभावित सभी परिवार को वितरण किया जाएगा। बगैर बिजली से आसानी से ग्रामीण इसका उपयोग कर सकेंगे। इसके लिए वन सुरक्षा समिति और कर्मियों के माध्यम से इसकी ट्रेनिंग दी गई है। एक दो दिनों में इसका वितरण शुरू कर दिया जाएगा। वैज्ञानिकों ने उदंती सीता नदी अभयारण्य के गांव में इस उपकरण का प्रयोग किया। वैज्ञानिक मुकेश आनंद और प्रमोद साहू ने बताया कि इसके उपयोग से फ्लोराइड की अधिकता दूर हो रही है। पानी पीने लायक आसानी से बन जा रहा है। वैकल्पिक इस्तेमाल के लिए प्रशासन के पास इस सुझाव को रखेंगे। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने बाड़ीगांव, नांगलदेही, झाखरपारा, कारचिया और कैटपदर गांव में 5 नए रिमूवल प्लांट की मंजूरी दी है। साथ ही स्वास्थ्य और पीएचई विभाग को जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। मॉनिटरिंग के लिए एक कर्मी नियुक्ति किया गया है। वहीं स्कूलों में लगे प्लांट भी अपडेट होंगे। जल शक्ति मंत्रालय की टीम 22 मार्च को अपनी रिपोर्ट जिला प्रशासन के साथ साझा करेगी। क्षेत्रीय निर्देशक डॉ. प्रबीर कुमार नायक के मार्गदर्शन में वैज्ञानिक मुकेश आनंद और प्रमोद साहू की टीम लगातार जल नमूनों की जांच कर रही है। बैठक में गांवों की स्थिति और समाधान पर चर्चा की जाएगी।

वारदातों को अंजाम देकर करवाने वाला था प्लास्टिक सर्जरी

भिलाई, 13 मार्च (एजेंसियां)। कवर्धा का रहने वाला लोकेश श्रीवास एक कुख्यात चोर है। उसे भिलाई से दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। उस पर दिल्ली के चांदनी चौक में कपड़े की दुकानों से 10 लाख रुपये सहित लाखों का सामान चुराने का आरोप है। यह घटना पिछले महीने हुई थी।

दिलचस्प बात यह है कि लोकेश पर पहले भी दिल्ली के एक ज्वेलरी शॉप से 25 करोड़ रुपये की चोरी का आरोप लग चुका है। इस बार पकड़े जाने से पहले वह प्लास्टिक सर्जरी करवाकर अपना चेहरा बदलने की योजना बना रहा था। पुलिस ने उसके पास से चोरी के पैसों से खरीदा गया टीवी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद किया है। उसे ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली ले जाया गया है। लोकेश श्रीवास एक शातिर चोर है। उसने दिल्ली,

दिल्ली पुलिस ने नाप दिया

भिलाई, बिलासपुर और दुर्ग जैसे कई शहरों में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। दिल्ली पुलिस उसे चांदनी चौक में हुई चोरी के मामले में ढूंढ रही थी। वहां से मिले सीसीटीवी फुटेज में लोकेश की पहचान हुई थी। दिल्ली पुलिस भिलाई पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से उसे स्मृति नगर से गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली पुलिस के अनुसार लोकेश पर चांदनी चौक में थोक कपड़ा व्यापारियों से 10 लाख रुपये नकद और लाखों के सामान की चोरी का आरोप है। यह घटना पिछले महीने 10 मार्च को हुई थी।

वैशाली नगर थाना प्रभारी अमित अंदानी ने बताया कि दिल्ली पुलिस 10 मार्च को भिलाई आई थी। उन्होंने बताया कि चांदनी चौक में हुई चोरी के सीसीटीवी फुटेज में लोकेश नजर आया था। लोकेश का नाम सुनते ही भिलाई पुलिस चौंक गई। उन्हें पता था कि लोकेश पहले भी कई चोरी की वारदातों में शामिल रहा है। उन्होंने दिल्ली पुलिस को आश्वासन दिया कि वे उसे जल्द ही पकड़ लेंगे। भिलाई पुलिस ने दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर कोहका स्थित लोकेश के घर पर छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया।

इस बार गिरफ्तारी के बाद लोकेश ने चोरी की बात कबूल कर ली है। पुलिस ने उसके पास से चोरी के पैसों से खरीदा गया टीवी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद किया है।

पुलिस को आशंका है कि वह प्लास्टिक सर्जरी करवाकर अपना चेहरा बदलने की योजना बना रहा था ताकि वह फिर से कोई बड़ी चोरी कर सके। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और उसके अन्य साथियों की तलाश कर रही है। फिलहाल, उसे ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली ले जाया गया है, जहां आगे की जांच की जाएगी।

रांची के मेन रोड में अपराधियों की परेड

आम लोगों में खौफ खत्म करने लिए सड़क पर घुमाया, अमन साव गैंग से जुड़े हैं तीनों अपराधी

रांची, 13 मार्च (एजेंसियां)। रांची पुलिस को अमन साव गिरोह से जुड़े तीन अपराधियों को पकड़ने में सफलता मिली है। गिरफ्तार अपराधियों को जेल भेजे जाने से पहले रांची के मेन रोड में परेड कराया गया। अमन साव गिरोह के तीनों गुर्गों को रांची पुलिस ने विभिन्न इलाकों से गिरफ्तार किया है। इन तीनों के परेड कराने के पीछे का मकसद आम लोगों में उनका खौफ खत्म करना था। पुलिस ने जिन तीन लोगों को अरेस्ट किया है उनमें अजय सिंह सिकिदरी थाना क्षेत्र के सोसो नवागढ़ का रहने वाला है। इसके साथ रातू कमड़े निवासी समीर बागची उर्फ कल्लू बंगाली तथा मांडर के कनभीठा के रहने वाले वसीम अंसारी को भी अरेस्ट किया गया है।

13 जिलों में हीट वेव का अलर्ट

रायपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में गर्मी असर दिखाने लगी है। मौसम विभाग ने 13 जिलों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। अगले 24 घंटे में रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बलौदाबाजार, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर-चंपा, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, महासमुंद, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, राजनांदगांव, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में तेज गर्मी पड़ेगी।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में दिन का तापमान 39.9 डिग्री के पार हो गया है। रायपुर और बिलासपुर में 39 डिग्री है। वहीं सरगुजा, जगदलपुर और गौरेला पेंड्रा मरवाही में भी गर्मी का असर बढ़ा है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अगले 3 दिन तक पारे में 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। होली के बाद गर्मी और असर दिखाने लगेगी। मौसम विभाग के अनुसार, आसमान साफ होने से

सूरज की धूप सीधे जमीन पर आ रही है। इस कारण दिन गर्म हो गए हैं। रायपुर, दुर्ग संभाग के जिलों और मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में आज अधिकतम तापमान 38 डिग्री से 40 डिग्री के बीच रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक आज अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री रहने की संभावना है। बुधवार को दिन का पारा 39 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 20.9 डिग्री रहा। यहां बुधवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3.8 डिग्री ज्यादा है। वहीं न्यूनतम तापमान 19 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो नॉर्मल रहा। वहीं गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही जिले में दिन का पारा 37.4 डिग्री रहा जो औसत से 5 डिग्री अधिक था। वहीं रात का तापमान 18.6 डिग्री रहा जो सामान्य से 1.3 डिग्री कम था। संभाग के जिलों में भी दिन का पारा अधिक है वहीं रात का तापमान सामान्य से कम रहा।

बुधवार को अंबिकापुर में अधिकतम तापमान 36 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो औसत से 4.2 डिग्री ज्यादा था।

मंईयां सम्मान बना मौत का सामान

7500 रुपये के लिए बहू की हत्या, पति गिरफ्तार

गढ़वा, 13 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के रंका थाना क्षेत्र के मानगांव गांव में एक महिला की हत्या उसके ससुराल वालों ने कर दी। हत्या का कारण मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत मिले 7500 रुपये बताए जा रहे हैं। मृतका शकीना बीबी के पति, सास और दादी सास ने पैसे मांगे थे। लेकिन शकीना ने पैसे देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी गई। मृतका के मायके वालों का आरोप है कि हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को पेड़ से लटका दिया गया। पुलिस ने पति खुर्शीद अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है और बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

शकीना बीबी के बैंक खाते में मंईयां सम्मान योजना के तहत मिलने वाली जनवरी, फरवरी और मार्च महीने की राशि 7500 रुपए रमजान माह में आई थी। शकीना जब पैसे निकालकर घर लौटी, तो

उसके पति खुर्शीद अंसारी, सास रोजनी बीबी और दादी सास नजमा बीबी ने उससे पैसे मांगने शुरू कर दिए। शकीना ने शुरू में पैसे देने से मना कर दिया।

इस योजना के तहत मिले पैसों पर उसका पूरा हक था। लेकिन ससुराल वालों का दबाव बढ़ता गया। लगातार दबाव के बाद शकीना ने अपने पति को 500 रुपये दे दिए। लेकिन इससे उनके पति और सास-ससुर संतुष्ट नहीं हुए। वे और पैसे की मांग करने लगे। इस बात पर घर में विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि तीनों ने मिलकर शकीना की पिटाई शुरू कर दी। मायके वालों का आरोप है कि पिटाई के बाद शकीना की गला दबाकर हत्या कर दी गई। हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को पेड़ से लटका दिया गया। इससे लोगों को लगे कि शकीना ने खुदकुशी की है।

रोज मोहम्मद अंसारी अपनी बेटी के ससुराल पहुंचे और मामले की पूरी जानकारी ली। उन्होंने रांका थाने में इस घटना की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शकीना के पति खुर्शीद अंसारी को गिरफ्तार कर लिया।

गैंगस्टर अमन का शव लेने नहीं पहुंचे परिजन

रांची, 13 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू में मंगलवार को मुठभेड़ में मारे गए कुख्यात गैंगस्टर अमन साव उर्फ अमन साहू का शव लेने उसके परिजन नहीं पहुंचे। पुलिस ने अमन के पिता निरंजन साव को फोन कर अंतिम संस्कार के लिए शव लेने को कहा, लेकिन उन्होंने पलामू आने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि पुलिस ने अमन को मारा है, तो उसका शव भी वही घर लाकर दे।

फिलहाल, पोस्टमॉर्टम के बाद अमन का शव डाल्टनगंज स्थित मेदिनी राय मेमोरियल मेडिकल कॉलेज में रखा है। पुलिस के अनुसार, अगर अमन के परिजन या कोई दावेदार 72 घंटे तक शव लेने नहीं पहुंचता है तो नियमों के तहत उसका अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा।

हालांकि जेल में बंद अमन साव के भाई आकाश साहू ने उसके

पिता बोले- 'पुलिस ने मारा है, वही लाकर दे', जेल में बंद भाई ने मांगी जमानत

अंतिम संस्कार और श्राद्ध में शामिल होने के लिए 13 दिन की औपबंधिक जमानत की मांग करते हुए एनआईए की विशेष अदालत में याचिका दाखिल की है। इस याचिका पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

अमन साव रांची के बुढ़मू थाना अंतर्गत मतवे गांव का रहने वाला था। उसकी मां और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लोगों ने मीडिया से भी बात करने से इनकार कर दिया है।

अमन को रांची जिले की पुलिस ने वर्ष 2020 में गिरफ्तार किया था। इसके बाद से वह लगातार जेल में बंद था। अमन पर झारखंड के अलावा छत्तीसगढ़, बिहार और बंगाल में 150 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। छत्तीसगढ़ की पुलिस उसे आपराधिक मामलों में पूछताछ और जांच के लिए अक्टूबर 2024 में प्रोडक्शन वारंट पर रायपुर ले गई थी।

झारखंड पुलिस 11 मार्च को उसे रायपुर से वापस रांची लेकर आ रही थी। पुलिस के अनुसार, रास्ते में पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र में अंधारी ढोढा नामक जगह पर अमन के गैंग ने पुलिस की गाड़ी पर बम से हमला किया। पुलिस का दावा है कि अमन साहू ने मौके का फायदा उठाने की कोशिश की और पुलिस का हथियार छीनकर भागने लगा। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें अमन साहू मारा गया।

चोर गिरोह का पर्दाफाश

जगदलपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में पिछले तीन महीने में अलग-अलग जगह कुल 7 से ज्यादा चोरी की वारदात हुई है। चोरों ने करीब 19 लाख 74 हजार रुपए के 235 ग्राम सोने-चांदी के जेवरात और नगदी पार किए थे। अब इन चोरी की वारदात करने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश कर 7 चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी के जेवरात समेत नगदी बरामद हुई है।

बड़ी बात है कि इन चोरों ने चोरी किए सोने को बैंक में जमाकर गोल्ड लोन भी निकाल लिया था। पुलिस ने साइबर सेल की मदद लेकर इन चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हें जेल भेज दिया गया है। ये सभी चोर जगदलपुर, बोधघाट और परपा थाना क्षेत्र में चोरी किए थे। एएसपी महेश्वर नाग ने आज प्रेस वार्ता लेकर मामले का खुलासा किया है। चोरी की वारदातों की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस ने एक टीम गठित की थी। टीम ने अपने मुखबिर सब जगह फैला दिए थे। साथ ही साइबर टीम की भी मदद ली गई थी। जिसके बाद पुलिस ने 2 लोगों को हिरासत में लिया। जिन्होंने अपना नाम केशव कवि और कौशल जोशी निवासी मालगांव ब्राम्हणपारा बताया।

इन दोनों ने मिलकर अलग-अलग दिनों में शहर के अलग-अलग घरों में घुसकर लोहे के औजार से दरवाजा का ताला तोड़ा था। घर के अंदर रखी अलमारी से सोने-चांदी के जेवरात और नगदी पार किए थे। इन्होंने पुलिस को बताया कि चोरी के आभूषणों को तरुण कुमार कवि और रविंद्र पाढ़ी के नाम से बैंक में जमा करवाया। फिर गोल्ड लोन लिया था। कुछ आभूषणों को विक्रम ठाकुर, महेश बघेल और पारसदेवी जैन के पास गिरवी रखा गया।

युवाओं के लिए नई फैलोशिप योजना

रायपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की अहम बैठक सीएम आवास पर हुई। बैठक में शामिल होने के लिए सभी मंत्री विधानसभा सत्र की कार्यवाही के बाद सीधे सिविल लाइन स्थिति सीएम आवास पहुंचे।

होली से ठीक पहले हुई इस बैठक में कई बड़े फैसलों पर मुहर लगी है। जानकारी के अनुसार, बैठक में सीएम आवास की तरफ से सभी विभागों के उच्च अधिकारियों को भी बुलाया गया था।

होली से पहले हुए कैबिनेट बैठक में राज्य के विकास के लिए कई अहम फैसले लिए गए हैं। बैठक में राज्य में फैलोशिप शुरू करने की योजना पर सहमति बनी है। वहीं, भारतमाला प्रोजेक्ट मके भूमि अधिग्रहण में हुई गड़बड़ी की जांच ईओडब्ल्यू से कराने का फैसला किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में कई फैसले लिए गए हैं।

कैबिनेट ने राज्य में नक्सल समस्या के समाधान के लिए ठोस पहल करते हुए छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन नीति-2023 के स्थान पर छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण, पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति-2025 को मंजूरी प्रदान की है। इस नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को आर्थिक सहायता, पुनर्वास, शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा जैसी सुविधाएं दी जाएंगी।

कैबिनेट बैठक में राज्य में सुशासन और नीति क्रियान्वयन को मजबूत करने में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप योजना शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

यह योजना आईआईएम रायपुर और ट्रांसफार्मिंग रूरल इंडिया फाउण्डेशन नई दिल्ली के सहयोग से सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा संचालित की जाएगी। यह योजना छत्तीसगढ़ के मूल निवासी युवाओं के लिए होगी। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले फेलो को आईआईएम रायपुर द्वारा एमबीए के डिग्री प्रदान की जाएगी।

दो लाख के इनामी उग्रवादी समेत तीन गिरफ्तार

एक-एक राइफल और देसी रिवॉल्वर बरामद, गुमला में क्यूआरटी टीम ने की कार्रवाई

गुमला, 13 मार्च (एजेंसियां)। गुमला पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के केंद्रीय कमेटी सदस्य समेत तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। कामडारा थाना क्षेत्र के मुरूमकेला तेतर टोली के पास से क्यूआरटी टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार उग्रवादियों में जरिया जमाकेल निवासी दुर्गा सिंह उर्फ पंजरी सिंह, बकस पुर लापा खूंटी निवासी कालेश्वर हजाम उर्फ टेम्पू हजाम और हेंनदेबिल ओरमांझी निवासी रामकुमार सिंह शामिल हैं। तीनों को 12 मार्च को रात करीब 10:30 बजे पकड़ा गया। एसपी शंभू कुमार सिंह ने बताया कि दुर्गा सिंह पर 2 लाख का इनाम था।

मोबाइल में कई सीक्रेट दस्तावेज, दिखावे के लिए चलाता था ट्रैक्टर

जवानों ने पकड़ा तो खुला बड़ा भेद

रायपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और राज्य पुलिस ने बुधवार को नक्सलियों के लिए कथित रूप से काम करने वाले एक व्यक्ति को पकड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि आईटीबीपी की 27वीं बटालियन और जिला पुलिस के एक संयुक्त दल ने कांकेर जिले के निवासी मोहन गावड़े को गिरफ्तार किया।

अधिकारियों ने बताया कि मोहन गावड़े माओवादियों को उनकी गतिविधियों के सिलसिले में सहयोग पहुंचाता था तथा स्थानीय संचालकों से रंगदारी वसूलने में उनकी मदद करता था। आईटीबीपी कमांडेंट (27वीं

बटालियन) विवेक कुमार पांडे और पुलिस अधीक्षक वाईपी सिंह ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा- सुरक्षा बल यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि महाराष्ट्र की सीमा से लगा क्षेत्र वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) गतिविधियों से मुक्त रहे।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया है। जिसमें नक्सली संगठनों से जुड़े कई दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले नक्सलियों के चार और सहयोगियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि 8 नवंबर 2024 को थाना मदनवाड़ा के सामने एक लाल रंग का ट्रैक्टर और दोपहिया ट्राली संदिग्ध अवस्था में मिली थी। जब पुलिस ने ट्रैक्टर चालक मोहन गावड़े से पूछताछ की तो पता चला कि ट्राली का कोई पंजीकरण नहीं था और यह पहले से गिरफ्तार नक्सली सहयोगी अरविंद तुलावी के पास रहती थी। जांच में खुलासा हुआ कि मोहन गावड़े इस ट्राली को किराए पर चलाकर उससे पैसे कमाता था और नक्सलियों तक पहुंचाता था। जिसके बाद बुधवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मोहन गावड़े कांकेर जिले के पंखाजूर थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मोहन गावड़े से पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही नक्सलियों का सहयोग करने वाले अन्य संदिग्धों की भी पहचान की जा रही है। जिसके लिए सुरक्षाबल के जवान ऑपरेशन चला रहे हैं।

कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का शपथग्रहण आज

24वें पीएम बनेंगे, मंत्री भी शपथ लेंगे, 9 फरवरी को पार्टी नेता का चुनाव जीता

ओटावा, 13 मार्च (एजेंसियां)। कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का शपथग्रहण शुक्रवार 14 मार्च को होगा। वे कनाडा के 24वें प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। यह शपथग्रहण भारतीय समयानुसार रात 8:30 बजे राजधानी ओटावा के रिड्यू हॉल के बॉलरूम में होगा। कार्नी के अलावा उनके मंत्रिमंडल सदस्य भी शुक्रवार को शपथ लेंगे। उन्होंने 9 फरवरी को लिबरल पार्टी के नेता का चुनाव जीता था। कार्नी को 85.9% वोट मिले। मार्क कार्नी कनाडा के वर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की जगह सत्ता संभालेंगे।

पार्टी नेता का चुनाव जीतने के बाद कार्नी ने प्रधानमंत्री ट्रूडो से मुलाकात की थी। दोनों के बीच सत्ता सौंपने को लेकर चर्चा हुई थी। ट्रूडो ने जनवरी में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा की थी। शुक्रवार को ट्रूडो गवर्नर जनरल के पास जाकर आधिकारिक रूप से अपना इस्तीफा देंगे।

बैंकर और इकोनॉमिस्ट हैं मार्क कार्नी

मार्क कार्नी इकोनॉमिस्ट और पूर्व केंद्रीय बैंकर हैं। कार्नी को 2008 में बैंक ऑफ कनाडा का गवर्नर चुना गया था। कनाडा को मंदी से बाहर निकालने के लिए

उन्होंने जो कदम उठाए, उसकी वजह से 2013 में बैंक ऑफ इंग्लैंड ने उन्हें गवर्नर बनने का प्रस्ताव दिया।

बैंक ऑफ इंग्लैंड के 300 साल के इतिहास में वे पहले ऐसे गैर ब्रिटिश नागरिक थे, जिन्हें यह जिम्मेदारी मिली। वे 2020 तक इससे जुड़े रहे। ब्रेग्जिट के दौरान लिए फैसलों ने उन्हें ब्रिटेन में मशहूर बना दिया।

कई वोटर्स को लगता है कि कार्नी की आर्थिक योग्यता और उनका संतुलित स्वभाव ट्रम्प को साधने में मदद करेगा। दरअसल, कार्नी लिबरल पार्टी में ट्रम्प के विरोधी हैं। उन्होंने देश की इस हालत का जिम्मेदार ट्रम्प को बताया है।

उन्होंने पिछले मंगलवार को एक बहस के दौरान कहा कि ट्रम्प की धमकियों से पहले ही देश की हालत खराब है। बहुत से कनाडाई बदतर जीवन जी रहे हैं। अप्रवासियों की संख्या बढ़ने से देश की हालत और खराब हो गई है।

कार्नी अपने विरोधियों की तुलना में अपने कैंपेनिंग को लेकर ज्यादा सतर्क रहे हैं। पीएम पद का उम्मीदवार बनने के बाद से अभी तक उन्होंने एक भी इंटरव्यू नहीं दिया है। वे ट्रम्प विरोधी हैं, लेकिन कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने और देश पर टैरिफ लगाने वाले ट्रम्प के बयान को लेकर कुछ भी कहने से बचते रहे हैं।

हालांकि, हाल ही में ट्रम्प की तरफ से कनाडा पर 25% टैरिफ लगाने का ऐलान करने के बाद उन्होंने एक बयान दिया था- कनाडा किसी दबंग के आगे नहीं झुकेगा। हम चुप नहीं बैठेंगे हमें एक मजबूत रणनीति बनानी होगी, जिससे निवेश बढ़े और हमारे कनाडाई कामगारों को इस मुश्किल समय में सहायता मिले।

पिछले साल जुलाई में एक पोलिंग फर्म ने जस्टिन ट्रूडो की जगह लेने वाले संभावित उम्मीदवारों को लेकर सर्वे किया था। तब 2000 में से सिर्फ 140 लोग यानी 7% लोग ही मार्क कार्नी को पहचान पाए थे। जनवरी में जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद उन्होंने खुद को लिबरल पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर पेश किया।

इसके बाद उन्होंने लिबरल पार्टी के कई कैबिनेट मंत्रियों और सांसदों का समर्थन हासिल किया, जिससे उनकी दावेदारी मजबूत हुई है। हाल ही में मेनस्ट्रीट सर्वे के मुताबिक कार्नी को 43%, वहीं पूर्व वित्तमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड को 31% वोटर्स का समर्थन मिला है।

हालांकि, यह कहा नहीं जा सकता है कि कार्नी कितने समय तक प्रधानमंत्री बने रहेंगे। दरअसल, लिबरल पार्टी के पास संसद में बहुमत नहीं है। प्रधानमंत्री बनने के बाद कार्नी को अक्टूबर से पहले देश में चुनाव कराने होंगे। फिलहाल वे संसद के भी मेंबर नहीं हैं, ऐसे में वे जल्द ही चुनाव करा सकते हैं।

कार्नी भारत और कनाडा के रिश्तों में आए तनाव को खत्म करना चाहते हैं। वे भारत से अच्छे रिश्तों को हिमायती रहे हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि अगर वो कनाडा के प्रधानमंत्री बनते हैं तो भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों को फिर से बहाल करेंगे।

कनाडा समान विचारधारा वाले देशों के साथ अपने व्यापारिक संबंधों में विविधता लाना चाहता है और भारत के साथ संबंधों को फिर से बनाना चाहता है। हालांकि, दोनों देशों के बीच विवाद की सबसे बड़ी वजह- खालिस्तानी आतंकियों के मुद्दे पर मार्क कार्नी ने अभी तक कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है।

पुतिन ने आर्मी यूनिफॉर्म में कुर्स्क का दौरा किया

यूक्रेनी सेना को खदेड़ने के आदेश, कहा- पकड़े गए यूक्रेनी आतंकी, उनसे वैसा ही सुलूक हो

मॉस्को, 13 मार्च (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने बुधवार को यूक्रेन की सीमा से लगे रूस के कुर्स्क प्रांत का दौरा किया। इस दौरान पुतिन आर्मी की यूनिफॉर्म में नजर आए। पुतिन बुधवार को मोर्चे पर सेना की एक कमान पोस्ट पर पहुंचे। पुतिन ने कुर्स्क के ज्यादातर इलाकों से यूक्रेनी सेना को बाहर निकालने पर खुशी जताई।

रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने पुतिन की तस्वीरें जारी की। हरे रंग की यूनिफॉर्म पहने पुतिन एक डेस्क पर बैठे हुए थे। उनके सामने कई नक्शे रखे हुए थे। इस दौरान उनके साथ रूस के शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल वालेरी गेरासिमोव के साथ दिखाई दिए।

कुर्स्क पर पिछले साल अगस्त में यूक्रेन ने हमला किया था। अभी भी कुर्स्क के कई इलाकों पर यूक्रेनी सेना का कब्जा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की इस जमीन का इस्तेमाल सीजफायर डील में रूस के साथ अदला-बदली के लिए करना चाहते हैं।

यूक्रेन 30 दिन के सीजफायर के लिए तैयार

पुतिन ने ये दौरा मंगलवार को सऊदी अरब में अमेरिका और यूक्रेन के प्रतिनिधियों की बैठक के बाद किया। इस बैठक में यूक्रेन ने

30 दिन के सीजफायर पर सहमति जताई है। अमेरिका इस प्लान को रूस के सामने पेश करना चाहता है। हालांकि रूस ने पहले किसी भी तरह के अस्थाई सीजफायर से इनकार किया था।

पुतिन ने कहा कि किसी भी अस्थाई सीजफायर से यूक्रेन की सेना को ही फायदा होगा। जंग के मैदान में पिछड़ रही यूक्रेनी सेना को इससे अपने सैनिकों की संख्या बढ़ाने और तैयारी करने में मदद मिलेगी।

रूस ने पश्चिमी देशों से एक व्यापक सुरक्षा समझौते की मांग की है। इसमें यूक्रेन को नाटो में शामिल नहीं करने की गारंटी भी शामिल है। दिंसबर में पुतिन ने कहा था कि "हमें सीजफायर की नहीं शांति की आवश्यकता है। रूस और उसके नागरिकों को सुरक्षा गारंटी के साथ शांति चाहिए।"

पुतिन बोले- रूसी इलाके से पकड़े गए यूक्रेनी सैनिक आतंकी माने जाएं

राष्ट्रपति पुतिन ने कुर्स्क से पकड़े गए यूक्रेनी सैनिकों के साथ रूसी कानून के तहत आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया जाए और उन पर मुकदमा चलाया जाए। जनरल गेरासिमोव ने कहा कि ऑपरेशन में 400 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों को पकड़ा गया है।

पुतिन ने कहा कि भाड़े के विदेशी सैनिक जेनेवा कन्वेंशन के तहत नहीं आते हैं। रूस के खिलाफ जंग में यूक्रेन की तरफ विदेशी सैनिक भी लड़ रहे हैं। इसी महीने रूस ने कुर्स्क से यूक्रेन की तरफ से लड़ रहे एक 22 साल के ब्रिटिश लड़के को पकड़ा था। उसे आतंकवाद के आरोप में 19 साल की सजा सुनाई गई है।

यूक्रेनी सेना ने अगस्त में रूस के कुर्स्क इलाके में 74 गांवों पर कब्जा कर लिया था। यूक्रेन के अचानक हमले के बाद दो लाख रूसी नागरिकों को अपने घरों से भागने पर मजबूर होना पड़ा था।

यूक्रेन ने 6 अगस्त को रूस के कुर्स्क इलाके पर हमला शुरू किया था। उसने 13 अगस्त तक 1000 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद रूस ने पलटवार करते हुए कुर्स्क में यूक्रेन से 40% इलाका वापस छीनकर यहां 59 हजार सैनिक तैनात कर दिए।

रूस युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन के लगभग 20% हिस्सा पर कब्जा कर चुका है। राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन के चार पूर्वी प्रांत डोनेट्स्क, लुहांस्क, जापोरिज्जिया और खेरसॉन को रूस में शामिल कर चुके हैं। जबकि रूस के कुर्स्क इलाके में दोनों सेनाओं में संघर्ष जारी है।

105 डॉक्टरों और 57 ओटी टेक्नीशियनों को नियुक्ति पत्र

रांची, 13 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के सरकारी अस्पतालों के लिए नवनियुक्त 105 चिकित्सकों और 57 ओटी टेक्नीशियनों को बुधवार को रांची में आयोजित एक कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार 'स्वस्थ झारखंड, सुखी झारखंड' की सोच को साकार करने को प्रतिबद्ध है। मंत्री ने कहा कि रांची स्थित रिम्स पर मरीजों की बड़ी संख्या का दबाव कम करने के लिए सरकार बहुत जल्द पांच सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की स्थापना करने जा रही है। झारखंड में डॉक्टर्स की कमी को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा

राफेल की रफ्तार और आर-37एम मिसाइल का वार

दोस्त रूस ने दिया किलर हथियार भारत में बनाने का ऑफर, फ्रांस को लगेगी मिर्ची

मॉस्को, 13 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के दुश्मन रूस ने भारत को विनाशक आर-37एम मिसाइल विकसित करने का ऑफर दिया है। रूसी हथियार कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट (आरओई) ने इसकी पुष्टि की है। यूरेशियन टाइम्स के मुताबिक आरओई ने कहा है कि रूस और भारत आधुनिक गाइडेड एयरक्राफ्ट मिसाइलों के ज्वाइंट डेवलपमेंट और प्रोडक्शन पर चर्चा कर रहे हैं। ये एक बहुत बड़ी खबर है क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप भारत पर अमेरिकी हथियारों के अधिग्रहण के लिए प्रेशर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। आरओई ने कहा है कि सिर्फ मिसाइलों के निर्माण को लेकर ही नहीं, बल्कि दोनों देश मिसाइलों के उत्पादन के

बाद ब्रह्मोस मिसाइल की ही तरह उसे किसी तीसरे देश को बेचने की संभावना पर भी बात कर रहे हैं। आरओई ने कहा है कि हथियारों के निर्यात के साथ साथ दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का इतिहास रहा है और रूस हमेशा से भारत को टेक्नोलॉजिकल सहयोग देता रहा है। रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के पुराने अनुमानों के मुताबिक साल 2030 तक टेक्नोलॉजिकल कॉन्ट्रैक्ट, सैन्य उत्पादों के वैश्विक बाजार का 40% हिस्सा होंगे, जो मौजूदा समय में 20 प्रतिशत के करीब है। रोसोबोरोनएक्सपोर्ट का लक्ष्य वैश्विक बाजार में तकनीकी साझेदारी का विस्तार करना है। और भारत से ज्यादा विश्वसनीय पार्टनर उसे और कहां मिलेगा। यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि एयरो इंडिया 2024 के दौरान अपुष्ट रिपोर्टों से पता चला है कि अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस स्थानीय स्तर पर आर-73ई मिसाइलों का भारत में उत्पादन करेगी।

हालांकि अडानी डिफेंस की तरफ से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, न ही कंपनी की वेबसाइट पर इस प्रोजेक्ट को लेकर कोई जानकारी है।

पोलैंड के राष्ट्रपति ने रूस से खतरे पर जताई चिंता

अमेरिका से की परमाणु हथियार तैनात करने की अपील

वारसॉ, 13 मार्च (एजेंसियां)। पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा ने एक बार फिर अमेरिका से अपने देश में परमाणु हथियार तैनात करने की अपील की है, ताकि रूस को रोकने में मदद मिल सके। यह अपील इस बात का संकेत है कि मॉस्को से खतरे के कारण यह नाटो देश परमाणु सुरक्षा पर विचार कर रहा है। डूडा ने यह अपील गुरुवार को फाइनेंशियल टाइम्स के साथ एक इंटरव्यू के दौरान की। इससे पहले 2022 में भी उन्होंने अमेरिका से परमाणु हथियारों की तैनाती की अपील की थी। तब अमेरिका में जो बाइडन के नेतृत्व वाला प्रशासन था। पोलैंड के अंतरराष्ट्रीय मामलों के सलाहकार वोजीच कोलार्स्की ने भी इस अपील का समर्थन किया।

यूक्रेन बोला- सीजफायर न करने पर रूस पर कार्रवाई हो

पुतिन का संदेश- अमेरिका सीधे हमसे बात करे, फिर युद्धविराम संभव

कीव, 13 मार्च (एजेंसियां)। रूस ने अमेरिका के प्रस्तावित 30 दिन के युद्धविराम (सीजफायर) पर कड़ा रुख अपनाया है। बुधवार को रूस के राष्ट्रपति कार्यालय (क्रेमलिन) की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि जब तक अमेरिका सीधे रूस से बात नहीं करेगा, तब तक कोई फैसला नहीं होगा। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा, हम यूक्रेन युद्ध पर सऊदी अरब में हुई बैठक का बारीकी से विश्लेषण कर रहे हैं। रूस तभी किसी डील पर सहमत होगा, जब अमेरिका हमसे सीधे संपर्क करेगा।

इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि अगर रूस युद्धविराम नहीं करता तो उम्मीद है कि अमेरिका रूस के खिलाफ सख्त कार्रवाई

करेगा। अमेरिका और यूक्रेन के बीच मंगलवार (11 मार्च) को सऊदी अरब में बैठक हुई थी। इसमें 30 दिन के सीजफायर पर सहमति बनी थी। इसकी पुष्टि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने करते हुए कहा-यह प्रस्ताव एक सकारात्मक कदम है। इसे स्वीकार करने के लिए यूक्रेन पूरी तरह तैयार है। अब अमेरिका की जिम्मेदारी है कि वह रूस को इसके लिए राजी करे। जैसे ही मॉस्को सहमति देगा, युद्धविराम तत्काल प्रभाव से लागू हो जाएगा। 4 मार्च को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा था कि ट्रम्प के साथ पिछले हफ्ते उनकी बैठक उस तरह नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थी। जेलेंस्की ने इसे अफसोसजनक बताया और कहा कि यूक्रेन खनिज समझौते के लिए तैयार है।

ईरान के आर्यों ने बलूचिस्तान बसाया, औरंगजेब से छीना इलाका

पाकिस्तान से आजाद क्यों होना चाहते हैं बलूच, 77 साल के विद्रोह की पूरी कहानी

इस्लामाबाद, 13 मार्च (एजेंसियां)। साल 1540 की बात है, भारत के पहले मुगल शासक बाबर के बेटे हुमायूं को बिहार के शेरशाह सूरी ने युद्ध में हरा दिया। हुमायूं भारत से भाग खड़ा हुआ। उसने फारस यानी ईरान में शरण ली। 1545 में शेरशाह सूरी की मौत हो गई।

मौके को भांपकर हुमायूं ने भारत वापस लौटने की योजना बनाना शुरू कर दिया। तब बलूचिस्तान के कबीलाई सरदारों ने उसके इस प्लान में मदद की। बलूचों का साथ पाकर 1555 में हुमायूं ने दिल्ली पर फिर से नियंत्रण कर लिया।

साल 1659। मुगल बादशाह औरंगजेब दिल्ली का शासक बना। उसकी सत्ता पश्चिम में ईरान के बॉर्डर तक थी, लेकिन दक्षिण में उसे लगातार मराठों की चुनौतियों से जूझना पड़ा रहा था। तब बलूची सरदारों ने मुगल हुकूमत के खिलाफ विद्रोह छेड़ा और बलूच लीडर मीर अहमद ने 1666 में बलूचिस्तान के दो इलाकों- कलात और क्वेटा को औरंगजेब से छीन लिया।

बलूचों का इतिहास ऐसे किस्से-कहानियों से भरा पड़ा है, अपने गुरिल्ला युद्ध कौशल और लड़ाकू स्वभाव के लिए जाने जाने वाले बलूच आखिर कौन हैं और ये पाकिस्तान के खिलाफ संघर्ष क्यों कर रहे हैं।

आज जहां बलूचिस्तान है, उस जगह का इतिहास करीब 9 हजार साल पुराना है। तब यहां मेहरगढ़ हुआ करता था। ये सिंधु सभ्यता का एक प्रमुख शहर था। लगभग 3 हजार साल पहले जब सिंधु सभ्यता का अंत हुआ तो यहां के लोग सिंध और पंजाब के इलाके में बस गए। इसके बाद ये शहर वैदिक सभ्यता के प्रभाव में आया।

यहां पर हिंदुओं की प्रमुख शक्तिपीठ में से एक- हिंगलाज माता का मंदिर भी है, जिसे पाकिस्तान में नानी का हज भी कहा जाता है। समय के साथ ये शहर बौद्ध धर्म का भी एक प्रमुख केंद्र बना। सातवीं सदी में जब अरब हमलावरों ने इस इलाके पर हमला किया, तो यहां पर इस्लाम धर्म का प्रभाव बढ़ा।

बलूचिस्तान की कलात रियासत के आखिरी शासक मीर अहमद यार खान ने अपनी किताब 'इनसाइड बलूचिस्तान' में लिखा है कि बलूच लोग खुद को पैगंबर इब्राहिम के वंशज मानते हैं। वे सीरिया के इलाके में रहते थे। यहां बारिश की कमी और अकाल वजह से इन लोगों ने पलायन करना शुरू कर दिया।

सीरिया से निकल कर इन लोगों ने ईरान के इलाके में डेरा डाला। यह बात तब के ईरानी राजा नुशेरवान को पसंद नहीं आई और उन्होंने इन लोगों को यहां से खदेड़ दिया। इसके बाद ये लोग उस इलाके में पहुंचे, जिसे बाद में बलूचिस्तान का नाम दिया गया।

जिस वक्त बलूच ईरान से चले थे, तब उनके सरदार मीर इब्राहिम थे। जब वे बलूचिस्तान पहुंचे तो उनकी जगह मीर कम्बर अली खान ने ले ली। इस कबीले को पैगंबर इब्राहिम के नाम पर ब्राहिमी कहा गया, जो बाद में ब्रावी या ब्रोही बन गया।

बलूच लोग इस इलाके में बस गए। कई सौ साल बाद जब हिंदुस्तान में मुगलों का शासन हुआ, तो वे बलूच लोगों के सहयोगी बन गए।

इस दौरान बलूचिस्तान के कलात इलाके में सेवा वंश का शासन था, जिसे एक हिंदू राजवंश माना जाता है। इस राजवंश की एक प्रसिद्ध शासक रानी सेवी थीं, जिनके नाम पर बाद में सिबि क्षेत्र का नाम पड़ा।

भारत लैंगिक भेदभाव को पाटने के अनुभव को साझा करने के लिए तैयार

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी का बयान

न्यूयार्क, 13 मार्च (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में भारत के महिला सशक्तीकरण के साथ ही डिजिटलीकरण की सराहना हुई है। भारत ने एक बार फिर महिलाओं के नेतृत्व में देश के विकास के साथ आगे बढ़ने पर जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महिलाओं की स्थिति हो रहे 69वें सत्र में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि भारत लैंगिक डिजिटल बंटवारे को पाटने के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के अपने अनुभव को दुनिया के साथ साझा करना चाहता है। भारत महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत एक ऐसे देश का निर्माण कर रहा है जहां महिलाएं अवधारणा से लेकर डिजाइन, कार्यान्वयन और निगरानी तक में भाग लेकर सक्रिय आर्किटेक्ट के रूप में नेतृत्व करती हैं। जो भारत के विकास पथ को विकसित राष्ट्र की ओर आकार देती है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन और यूएन वूमन द्वारा महिला सशक्तीकरण के लिए डिजिटल और वित्तीय समावेशन और महिला सशक्तीकरण के लिए वित्तपोषण - मुख्य संसाधनों की महत्वपूर्णता' पर आयोजित मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में भाग ले रही हैं। महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र आयोग का 69वां सत्र 10 मार्च को शुरू हुआ और 21 मार्च तक चलेगा। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के साथ अपने अनुभव को साझा करने में प्रसन्न है। उन्होंने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए संसाधनों की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि भारत में विकसित यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने नियमित लेन-देन की प्रणाली को बदल दिया है।

पूर्ण डाटा सुरक्षा के क्षेत्र को पूरी तरह से डिजिटल बना दिया है, जिसमें 87.35 मिलियन लेन-देन हुए हैं। यह 147% बढ़ गए हैं।

भारतीय आवेदकों के बीच एच-1बी वीजा को लेकर रुचि में आई कमी

वॉशिंगटन, 13 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी सरकार की ओर से एच-1बी वीजा के लिए आवेदन शुल्क बढ़ाने और सख्त फाइलिंग नियम लागू किए जाने से इसके आवेदनों में फर्क पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में हैदराबाद में स्थानीय एजेंटों और सलाहकारों ने बताया कि इस साल एच-1बी वीजा आवेदन दाखिल करने में रुचि काफी कम हो गई है।हैदराबाद में कंसल्टेंसी चलाने वाले अरुण तेजा बुक्कापरापु ने टाइम्स ऑफ इंडिया की निरूपा वत्यम से कहा, मुझे अब तक एच-1बी आवेदन के बारे में एक भी कॉल नहीं आया है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी नौकरियों को लेकर बढ़ती अनिश्चितता और आवेदन शुल्क 10 डॉलर से बढ़ाकर 215 डॉलर किए जाने से कई संभावित आवेदक हतोत्साहित हुए हैं।

जाफर एक्सप्रेस हमले के बाद पाकिस्तान सरकार अलर्ट मोड में

शहबाज शरीफ ने की सुरक्षा की समीक्षा

इस्लामाबाद, 13 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को अशांत बलूचिस्तान प्रांत का दौरा किया। जहां हाल ही में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन का अपहरण किया गया था। साथ ही 21 नागरिकों और चार सैनिकों की जान गई थी। शहबाज शरीफ ने इस घटना के बाद लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करने और प्रांत में कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने के लिए यह यात्रा की। अशांत बलूचिस्तान में फैले अशांति को लेकर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ उप प्रधानमंत्री मुहम्मद इशाक डार और अन्य मंत्रियों ने इस दुखद घटना के बाद स्थिति का जायजा लिया। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी पाकिस्तान

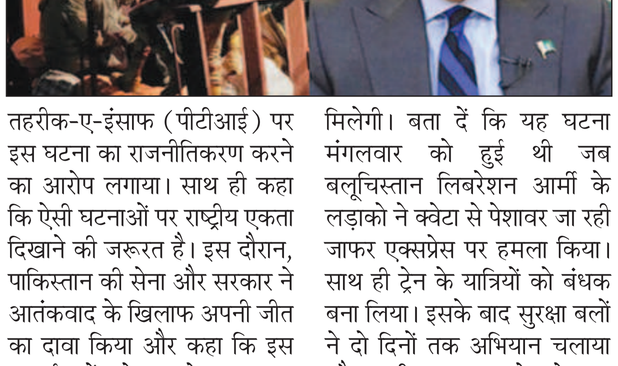

तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर इस घटना का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि ऐसी घटनाओं पर राष्ट्रीय एकता दिखाने की जरूरत है। इस दौरान, पाकिस्तान की सेना और सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीत का दावा किया और कहा कि इस लड़ाई में देश को सफलता मिलेगी। बता दें कि यह घटना मंगलवार को हुई थी जब बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाको ने क्वेटा से पेशावर जा रही जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया। साथ ही ट्रेन के यात्रियों को बंधक बना लिया। इसके बाद सुरक्षा बलों ने दो दिनों तक अभियान चलाया और सभी 33 लड़ाको को मार गिराया। बीएलए के लड़ाको को नियंत्रित करने के लिए पाकिस्तानी सेना ने एक अभियान चलाया। इसमें पाकिस्तान वायु सेना, विशेष सेवा समूह (एसएसजी), सेना और फ्रंटियर कोर (एफसी) ने भाग लिया। साथ ही पाकिस्तान की सेना ने कहा कि लड़ाके अफगानिस्तान में अपने मास्टरमाइंड से संपर्क कर रहे थे। साथ ही पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अब से ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। साथ ही अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन को अगवा करने वाले कुछ लड़ाकों के पास सैटेलाइट फोन भी थे, जिसके जरिये वे अपने हैंडलरों से संपर्क में थे।

सुनीता विलियम्स की अंतरिक्ष से वापसी टली

रॉकेट लॉन्चिंग सिस्टम में खराबी, 280 दिन से स्पेस स्टेशन में फंसीं

फ्लोरिडा, 13 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से वापसी टल गई है। नासा ने तकनीकी खराबी के चलते स्पेस स्टेशन के लिए नए क्रू को लेकर जा रहे मिशन क्रू 10 को टाल दिया है। इस मिशन को कल यानी 12 मार्च को स्पेसएक्स के रॉकेट फाल्कन 9 से लॉन्च किया जाना था। इसमें चार अंतरिक्ष यात्री स्पेस स्टेशन के लिए रवाना होने वाले थे। इनमें दो अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री ऐनी मैकक्लेन और निकोल एयर्स, जापान के टाकुया ओनिशी (जेएएक्सए) और रूस के के अंतरिक्ष यात्री किरिल पेस्कोव (रोस्कोस्मोस) शामिल हैं। ये चारों पिछले 9 महीने से स्पेस स्टेशन में फंसे सुनीता

विलियम्स और बुच विलमोर की जगह लेते। स्पेस स्टेशन का हैंडओवर देने के बाद सुनीता विलियम्स और अन्य 3 साथी 16 मार्च को स्पेस स्टेशन से रवाना होते। हालांकि अब इसमें देरी आ गई है। क्रू 10 मिशन को टालने की वजह उसके रॉकेट के ग्राउंड सपोर्ट क्लैम्प आर्म में हाइड्रोलिक सिस्टम में आई खराबी थी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्पेस एक्स के सीईओ इलॉन मस्क से अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर को वापस लाने का काम सौंपा है। ट्रम्प ने जनवरी में सोशल मीडिया पर लिखा- मैंने मस्क से उन दो 'बहादुर अंतरिक्ष यात्रियों' को वापस लाने को कहा है। इन्हें बाइडेन प्रशासन ने अंतरिक्ष में छोड़ दिया है। वे अंतरिक्ष स्टेशन पर कई महीनों से इंतजार कर रहे हैं। मस्क जल्द ही इस काम में लग जाएंगे। उम्मीद है कि सभी सुरक्षित होंगे।

सुनीता और बुच विलमोर बोइंग और नासा के जॉइंट 'क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन' पर गए थे। इसमें सुनीता, स्पेसक्राफ्ट की पायलट थीं। उनके साथ गए बुच विलमोर इस मिशन के कमांडर थे। दोनों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में 8 दिन रुकने के बाद वापस पृथ्वी पर आना था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान स्थापना दिवस मनाए जाने वाले दिन में बदलाव किया है

सरकार ने की आरएसएस की डिमांड पूरी

जयपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में कई बड़ी घोषणाएं कर विभिन्न वर्गों को साधने का प्रयास किया। इन घोषणाओं के साथ ही विधानसभा में वर्ष 2025-26 का बजट पारित कर दिया गया।

इस दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने पेयजल, ऊर्जा, सड़क, पर्यटन, कला, संस्कृति, उद्योग, कृषि, चिकित्सा और रोजगार से जुड़ी गई घोषणाएं करते हुए प्रदेशवासियों को कई सौगातें दीं।

वहीं, हर साल 30 मार्च की जगह अब हिंदू नव संवत्सर के पहले दिन यानी चैत्र प्रतिपदा को राजस्थान स्थापना दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई है। आरएसएस की ये लंबे समय से डिमांड थी। इससे बीजेपी ने हिंदुत्व की राजनीति का मैसेज देने की कोशिश की है।

पटेल के भाषण का किया जिक्र

मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि यह बदलाव भारतीय रीति-नीति के अनुसार होगा और 75 वर्षों बाद राजस्थान दिवस भारतीय नववर्ष की शुरुआत पर मनाया जाएगा। इस दौरान सीएम शर्मा ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के 30 मार्च 1949 के भाषण का भी उल्लेख किया। जिसमें उन्होंने राजस्थान के वृहद् निर्माण को विशेष महत्व दिया था।

आरएसएस राष्ट्रवादी संगठन- सीएम

सीएम ने आरएसएस को लेकर कहा कि उसके जैसा राष्ट्रवादी संगठन कोई हो ही नहीं सकता। उसके स्वयंसेवकों की कई पीढ़ियां सेवा के काम में खप गई हैं। वहां किसी जाति-धर्म को नहीं देखा जाता है। वे मां भारती के सच्चे भक्त के रूप में काम कर रहे हैं। ऐसे संगठन के बारे में कोई उल्टा-सीधा बोलता है तो मन को पीड़ा होती है।

लीथियम खनिज निकलने से मालमाल हुआ नागौर

देश की 80 फीसदी मांग की कर सकता है पूर्ति

नागौर, 13 मार्च (एजेंसियां)। नागौर के डेगाना क्षेत्र के रेवंत हिल में केंद्रीय खान व कोयला मंत्री किशन रेड्डी ने लोकसभा में टंगस्टन के साथ लिथियम के भंडार होने की पुष्टि की है। उन्होंने यह जानकारी नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल के सवाल के जवाब में दी। मंत्री ने कहा रेवंत हिल में बहुमूल्य खनिज संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता पाई गई है। यह दावा किया जा रहा है कि यह भारत की कुल मांग की 80% पूर्ति कर सकता है। जिससे लिथियम पर चीन का एकाधिकार खत्म हो सकता है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि रेवंत पहाड़ी में बहुमूल्य खनिज संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता पाई गई है। भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग (जीएसआई) द्वारा किए गए अन्वेषण में टंगस्टनः 13.39 मिलियन टन (800 पार्ट्स पर मिलियन कट-ऑफ), लिथियमः 6.33 मिलियन टन (400 पार्ट्स पर मिलियन कट-ऑफ), नियोबियम-टैंटलमः 16.42 मिलियन टन (100 पार्ट्स पर मिलियन कट-ऑफ), टिनः 0.15 मिलियन टन (400 पार्ट्स पर मिलियन कट-ऑफ की उपलब्धता मिली है। सांसद ने कहा कि इन खनिजों का औद्योगिक, तकनीकी एवं सामरिक दृष्टि से महत्व है।

इलाके में जी 3 चरण की खोज में मिला निष्कर्ष वर्ष 2017-18 के दौरान डेगाना की रेवंत पहाड़ी क्षेत्र में जी 3 चरण के गवेषण के दौरान प्राप्त उत्साहजनक निष्कर्षों के आधार पर वर्ष 2019-20 और 2020-21 तथा 2022-23 के दौरान नागौर जिले के डेगाना क्षेत्र में टंगस्टन, लिथियम के लिए तीन जी 2 चरण के नए गवेषण कार्यक्रम शुरू किए गए जिसमें यह परिणाम सामने आए। मंत्री ने यह भी बताया कि इनके अलावा ग्रेफाइट, सीसा और जस्ता खनिज के लिए गवेषण परियोजनाएं भी शुरू की गई।

70 हजार कर्मचारियों की 35 साल पुरानी मांग पर लगी मुहर

सरकार ने लिया बड़ा फैसला

जयपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में 70 हजार मंत्रालयिक कर्मचारियों का अलग से निदेशालय बनेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में बजट पर जवाब देते हुए राज्य में मंत्रालयिक कर्मचारी निदेशालय की स्थापना की घोषणा की। गौरतलब है कि 35 साल (1990) से इसकी मांग की जा रही थी। इसमें सभी विभागों के मंत्रालयिक कर्मचारी शामिल होंगे।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि लंबे समय से निदेशालय की स्थापना की मांग थी। मंत्रालयिक कर्मचारी अब इस प्लेटफॉर्म से बात सरकार तक पहुंचा सकेंगे। राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र सिंह नरूका ने कहा कि मंत्रालयिक कर्मचारियों की बात अधिकृत रूप से सरकार को भेजी जा सकेगी।

निदेशालय जरूरी क्यों...?

आमतौर पर मंत्रालयिक कर्मचारियों के संगठन अपने वेतन विसंगति, पदोन्नति, कैडर स्ट्रैंथ व सीनियरटी सहित विभिन्न मामलों पर सरकार के पास डिमांड लेकर जाते हैं। सरकार गंभीरता से नहीं लेती है, क्योंकि सरकार को फैसला लेने में कठिनाई होती है। जबकि अन्य विभागों के निदेशालय बने हुए हैं। वहां कर्मचारी संघों की मांगों को समाहित कर निदेशालय रिपोर्ट पेश करता है। यह रिपोर्ट अधिकारी बनाते हैं, इसलिए अधिकृत होती है और सरकार के लिए फैसला लेना आसान होता है। इसीलिए कर्मचारी संगठन वर्षों से निदेशालय की मांग कर रहे थे।

बता दें कि वसुंधरा राजे से लेकर अशोक गहलोत की सरकार में भी इस मांग को लेकर कई बड़े धरने प्रदर्शन कर्मचारियों की तरफ से किए गए।

करीब एक लाख से ज्यादा मंत्रालयिक कर्मचारी इस घोषणा से सीधे प्रभावित होंगे। इसके अलावा भी सीएम ने कई बड़े एलान किए हैं।

जानलेवा हमले में युवा कांग्रेस नेता की मौत

आईसीयू में उपचार के दौरान तोड़ा दम

धौलपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के धौलपुर जिले में बदमाशों ने युवा कांग्रेस नेता की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। राजाखेड़ा उपखंड कार्यालय और पंचायत समिति के सामने मंगलवार अपराह्न भीड़भाड़ के बीच बदमाशों के प्राणघातक हमले में घायल युवा कांग्रेस के नेता भूपेंद्र सिंह जीवन के संघर्ष में हार गया और आगरा के निजी चिकित्सालय में वेंटिलेटर सपोर्ट पर दम तोड़ दिया। युवा कांग्रेस नेता की मौत के बाद क्षेत्र में दुख और गुस्से की लहर फैल गई। वहीं, भूपेंद्र सिंह राजपूत की हत्या के बाद कांग्रेस नेताओं ने कानून व्यवस्था को लेकर राजस्थान सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सरकार से दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। भूपेंद्र लंबे समय से कांग्रेस के मीडिया प्रभारी थे। वे जिले के साथ कांग्रेस के लिए राज्य स्तर पर मीडिया सेल में अनेक पदों पर कार्य कर रहे थे। अपने शांत सौम्य व्यवहार के चलते वे खासे लोकप्रिय थे। खासतौर से युवाओं में उनकी अच्छी पकड़ थी। भूपेंद्र अपने पिता भूरीसिंह के अकेले पुत्र थे उनकी तीन बहनें थीं। उनकी शादी को भी एक दशक हो चुका था, लेकिन अभी तक निःसन्तान थे। ऐसे में अब उनके परिवार के आंसू थमने के नाम नहीं ले रहे। वहीं नयावास मोहल्ले में भी गमगीन माहौल के चलते चूल्हे नहीं जले। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हमारे कांग्रेस परिवार के साथी, युवा नेता भूपेंद्र सिंह राजपूत पर हमला किया गया और उनकी नृशंस हत्या कर दी गई।

होली पर केंद्रीय मंत्री शेखावत का संदेश

हम सब राष्ट्र रंग में रंगें, देश के विकास का लें संकल्प

जयपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने देशवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार केवल रंगों का नहीं, बल्कि आपसी सौहार्द, सामाजिक समरसता और राष्ट्र प्रेम का भी प्रतीक है। उन्होंने देशवासियों से आह्वान किया कि इस होली पर हम सब लोग राष्ट्र रंग में रंगें और देश को विकास के पथ पर आगे ले जाने का संकल्प लें।

गुरुवार को अपने आवास पर पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत के दौरान शेखावत ने कहा कि भारत उत्सवों, तीज-त्योहारों और परंपराओं की धरती है। यहां के त्योहार न केवल उल्लास और उमंग का संचार करते हैं, बल्कि पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य भी करते हैं। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं है, बल्कि यह त्योहार हमें भाईचारे, प्रेम और सामाजिक समरसता का संदेश भी देता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि होली का त्योहार विशिष्ट इसलिए भी है क्योंकि यह विभिन्न रंगों के माध्यम से समाज में एकरूपता का संदेश देता है। शेखावत ने कहा कि इस बार होली पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के साथ जुड़कर अमृतकाल में भारत को विकसित बनाने की दिशा में हम सभी को अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसे रंग हमें एक नई ऊर्जा और उमंग प्रदान करते हैं, वैसे ही हमें राष्ट्र निर्माण के रंग से सराबोर होकर विकास के पथ पर आगे बढ़ना चाहिए। शेखावत ने देशवासियों से आग्रह किया कि पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित और संयमित तरीके से होली मनाएं और इस पर्व को सकारात्मकता और ऊर्जा के साथ मनाने का संकल्प लें।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई, सहायक प्रशासनिक अधिकारी 2.29 लाख रुपए के साथ पकड़ा गया

बाड़मेर, 13 मार्च (एजेंसियां)। बाड़मेर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने बालोतरा के दुदवा उप तहसील में बड़ी कार्रवाई करते हुए सहायक प्रशासनिक अधिकारी आशीष रंजन विश्वास को ट्रैप किया। फिलहाल एसीबी टीम इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। एसीबी को सूचना मिली थी कि दुदवा उप तहसील के सहायक प्रशासनिक अधिकारी आशीष रंजन विश्वास होली अवकाश से पहले स्टांप वेंडर, डीड राइटर और अन्य पंजीयन दलालों से अवैध कमीशन वसूल रहे हैं। यह रिश्वत रजिस्टर्ड दस्तावेजों की कुल कीमत के 1% की दर से ली जा रही थी। सूत्रों के अनुसार विश्वास इस अवैध राशि को अपने एक विश्वस्त साथी के माध्यम से गुप्त स्थानों पर भेजते थे। बताया जा रहा है कि वह प्रतिदिन जोधपुर आते-जाते थे लेकिन रिश्वत की राशि स्वयं ले जाने से बचते थे। इस सूचना के आधार पर एसीबी की टीम ने दुदवा उप तहसील में छापा मारा और सहायक प्रशासनिक अधिकारी के कार्यालय तथा निजी वाहन की तलाशी ली। इस दौरान 2.29 लाख रुपए बरामद किए गए। एसीबी के एएसपी नरेंद्र कुमार ने बताया कि पूछताछ के दौरान विश्वास इस रकम का संतोषजनक जवाब नहीं दे सके, जिसके बाद रकम को जब्त कर लिया गया। फिलहाल एसीबी टीम आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

आईफा के आयोजन पर विधानसभा में हंगामा

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार को घेरे में लिया

जयपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। विधानसभा में एप्रोप्रिएशन बिल पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आईफा अवॉर्ड्स को लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने आईफा के आयोजन पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर दिए, लेकिन धार्मिक स्थलों खाटू श्यामजी और गोविंददेवजी के लिए 100 करोड़ रुपये नहीं दिए।

जूली ने कहा कि आईफा के लिए फाइल को बुलेट ट्रेन की तरह चलाया गया, लेकिन जब जनता के हित की बात आती है तो सरकार की रफ्तार धीमी हो जाती है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि आयोजन के लिए 7 लाख रुपये के गोल्डन पास जनता की गाढ़ी कमाई से बांटे गए, लेकिन यह पास मंत्रियों तक को नहीं मिले। विपक्ष के नेताओं को तो पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया।

जूली ने कहा कि आईफा में कोई भी फर्स्ट ग्रेड का अभिनेता नहीं आया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सिर्फ शाहरुख खान को छोड़कर बाकी सभी सेकंड ग्रेड के कलाकार ही थे। जब किसी ने माधुरी दीक्षित का नाम लिया तो उन्होंने कहा कि अब माधुरी दीक्षित भी सेकंड ग्रेड में आ गई हैं, उनका समय खत्म हो चुका है।

उन्होंने सरकार से सवाल किया कि इन्वेस्टर समिट में सोनू निगम को बुलाया गया, लेकिन आईफा में क्यों नहीं बुलाया? उन्होंने कहा कि यदि किसी ने कोई सुझाव दिया या कोई आपत्ति जताई, तो उसे नजरअंदाज कर दिया गया। गौरतलब है कि सोनू निगम ने एक दिन पहले ही सोशल मीडिया पर आईफा आयोजन को लेकर सवाल उठाए थे।

गुलाल लगाने पर मना किया तो लाइब्रेरी में छात्र की गला दबाकर हत्या

दौसा, 13 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में होली से एक दिन पहले हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। रामगढ़ पचवारा थाना क्षेत्र के रालावास में गुलाल लगाने से मना करने पर एक छात्र की गला दबाकर हत्या कर दी। छात्र हंसराज की मौत के बाद आक्रोशित परिजन लालसोट जिला हॉस्पिटल से शव को जबरदस्ती उठा लेकर ले गए और लाइब्रेरी के सामने से गुजर रहे एनएच 148 पर बैठ गए। ऐसे में हाईवे पर करीब 8 घंटे तक यातायात बाधित रहा। देर रात 1 बजे प्रशासन और परिजनों के बीच सहमति बनने पर शव को हटाया गया। इस पूरे घटनाक्रम का गुरुवार को एक वीडियो भी सामने आया। जिसमें रालावास के सरकारी स्कूल परिसर में एक संस्था द्वारा संचालित लाइब्रेरी में स्टूडेंट पढ़ाई करते दिख रहे हैं। यहां छात्र हंसराज कुर्सी को टेढ़ा करके पढ़ रहा था। तभी एक छात्र कुर्सी को टच करते हुए निकल जाता है। इस बात पर कहासुनी और फिर झगड़ा शुरू हो जाता है। तीन छात्र हंसराज से मारपीट करते नजर आ रहे हैं। तभी कुछ महिला व छात्र गुलाल लगाने की बात को लेकर विवाद का उलाहना देते नजर आए। ऐसे में माना जा रहा है कि यह पूरा विवाद गुलाल लगाने को लेकर शुरू हुआ। हालांकि, पुलिस अभी झगड़े के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

सूखे बोरवेल में गिरा मासूम, ग्रामीणों ने जेसीबी से खुदाई कर सुरक्षित बाहर निकाला

चित्तौड़गढ़, 13 मार्च (एजेंसियां)। जिले के मेवदा गांव में आज एक सात वर्षीय बालक सूखे बोरवेल में गिर गया। बच्चे की मां पास ही मौजूद थी, उसकी चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और जेसीबी से खुदाई शुरू कर दी। कुछ देर बाद एक युवक ने बोरवेल में हाथ डालकर बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जिले के कपासन उपखंड के मेवदा गांव में गुरुवार को एक सात वर्षीय बालक सूखे बोरवेल में गिर गया। इस दौरान उसकी मां पास ही मौजूद थी। जैसे ही उसने अपने बेटे को बोरवेल में गिरते देखा, उसके होश उड़ गए। मां की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस-प्रशासन को सूचना दी। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर जेसीबी से खुदाई शुरू कर दी। कुछ देर बाद एक युवक ने बोरवेल में हाथ डालकर बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बालक को तुरंत कपासन चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे पूरी तरह स्वस्थ बताया।

गुरुवार को कपासन उपखंड के मेवदा गांव में रहने वाले बद्रीलाल जटिया की पत्नी अपने सात वर्षीय पुत्र राहुल को लेकर खेत पर चने की फसल काटने गई थी। खेत के पास ही पप्पूलाल जाट के खेत में एक सूखा बोरवेल था, जिसे ढंकने के लिए पहले पत्थर रखा गया था। हाल ही में हुई जुताई के दौरान यह पत्थर हट गया था। खेलते-खेलते राहुल वहां पहुंच गया और बोरवेल में गिर गया।

घटना के वक्त राहुल की मां करीब 20-25 मीटर की दूरी पर थी। उसने बेटे की आवाज सुनी और दौड़कर पास पहुंची। बच्चे को बोरवेल में देखकर उसने शोर मचाया, जिससे आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस व प्रशासन को सूचना दी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने जेसीबी मंगवाई और बोरवेल के आसपास खुदाई शुरू कर दी। कुछ देर बाद खुदाई का मुंह थोड़ा चौड़ा किया गया। इसके बाद एक ग्रामीण ने बोरवेल में हाथ डालकर राहुल को बाहर खींच लिया।

इस दौरान कपासन थानाधिकारी रतन सिंह, हेड कांस्टेबल हरलाल मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी। राहुल को कपासन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसके स्वास्थ्य की जांच की और उसे पूरी तरह सुरक्षित बताया। पुलिस जांच में सामने आया कि जिस बोरवेल में बच्चा गिरा, वह पहले से सूखा था और इसे पत्थर से ढंक दिया गया था। खेत की हाल ही में हुई जुताई के दौरान पत्थर हट गया, जिससे यह दुर्घटना हुई।

मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित 1.44 करोड़ की संपत्ति फ्रीज

बांसवाड़ा, 13 मार्च (एजेंसियां)। जिले में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित करीब 1.44 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति को फ्रीज किया है। महानिरीक्षक उदयपुर रेंज राजेश मीना के निर्देशन और जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल के मार्गदर्शन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त आरोपियों की संपत्ति की वित्तीय जांच के निर्देश दिए गए थे। इस कार्रवाई के तहत खमेरा थानाधिकारी रमेशचंद्र सेन को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

जानकारी के अनुसार बीती 5 दिसंबर को लोहारिया थानाधिकारी शिशुपाल सिंह ने नाकाबंदी के दौरान एक कार से 1 किलो 223 ग्राम अफीम बरामद की थी। इस मामले में अभिषेक शर्मा पुत्र सुरेश शर्मा, निवासी बोरी, थाना रठांजना, प्रतापगढ़ के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान आरोपी अभिषेक शर्मा और उसके पिता सुरेश शर्मा पुत्र गोर्धन शर्मा की भी गिरफ्तार किया गया था।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अग्रवाल ने दोनों आरोपियों की अवैध संपत्ति की वित्तीय जांच के लिए खमेरा थानाधिकारी सेन के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की। इस टीम ने अभिषेक शर्मा और सुरेश शर्मा द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित संपत्तियों की पहचान कर सूचीबद्ध किया। जांच में सामने आया कि अभिषेक शर्मा, सुरेश शर्मा और कान्ता देवी (पत्नी सुरेश शर्मा) के नाम पर प्रतापगढ़ में आरजी नंबर 206/1212 क्षेत्रफल 0.21 हैक्टेयर की भूमि पर एक व्यावसायिक रिसॉर्ट का निर्माण कराया गया था।

बिना लाइसेंस अफीम की अवैध बुवाई, दो किलो अफीम जब्त कर फसल नष्ट की, एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज

चित्तौड़गढ़, 13 मार्च (एजेंसियां)। जिले के कनेरा थाना क्षेत्र में अफीम की अवैध बुवाई का मामला सामने आया है। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो चित्तौड़गढ़ और कोटा की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए खेत से करीब 2 किलो अवैध अफीम जब्त की और 10.5 आरी क्षेत्र में खड़ी फसल को नष्ट कर दिया। आरोपी ने अफीम के डोडों पर चीरा लगाकर अफीम भी निकाल ली थी। गुप्त सूचना के आधार पर नारकोटिक्स विभाग की टीम ने निंबाहेड़ा उपखंड के भुवानिया खेड़ी गांव में दबिश दी। मौके पर टीम ने खेत के मालिक दिनेश पुत्र राधेश्याम धाकड़ से खेती के लिए जारी किए गए वैध लाइसेंस की मांग की लेकिन वह कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। जांच में सामने आया कि आरोपी ने 1008 वर्ग मीटर (10.5 आरी) में अवैध अफीम की बुवाई की थी और 1.960 किलोग्राम अफीम एकत्रित कर ली थी। नारकोटिक्स टीम ने उसे गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और फसल को नष्ट कर दिया।

नारकोटिक्स विभाग किसानों को अफीम बुवाई के लिए करीब 10 आरी का लाइसेंस जारी करता है। आरोपी ने भी इसी क्षेत्रफल में बुवाई की थी ताकि किसी को शक न हो, लेकिन खुफिया जानकारी के आधार पर विभाग ने इस अवैध खेती का पर्दाफाश कर दिया। अब यह जांच की जा रही है कि इस अवैध कार्य में और कौन-कौन संलिप्त हैं।

लोगों के विकास के लिए बिजली की खपत महत्वपूर्ण : चंद्रबाबू नायुडू

अमरावती, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू ने आज कहा कि दुनिया में कहीं भी लोगों के विकास की गणना बिजली की खपत के आधार पर की जाती है। सीएम आंध्र प्रदेश विधानसभा में बिजली क्षेत्र पर एक संक्षिप्त चर्चा के दौरान बोल रहे थे। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बिजली क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव हुए हैं। अतीत में, मैंने बिजली कटौती के दौरान किसानों की दुर्दशा को प्रत्यक्ष रूप से देखा है। किसानों की कठिनाइयों को देखने के बाद, हमने दिन के दौरान नौ घंटे मुफ्त बिजली देने का फैसला किया है। यदि आप बिजली सुधार लागू करने का प्रयास करते हैं, तो आपको विश्व बैंक का वेतन भोगी कहा जाता था। तभी से डिस्कॉम, नियामक बोर्ड और ऊर्जा ऑडिटिंग शुरू हो गई है। इससे पहले, आंध्र प्रदेश देश का पहला राज्य था जिसने पुष्टि की थी कि ट्रांसमिशन घाटा 23 प्रतिशत था। विभाजन के बाद, आंध्र प्रदेश को बिजली-मुक्त राज्य बना दिया गया है, उन्होंने कहा। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी उस समय टीडीपी शासन के दौरान किए गए बिजली सुधारों का उपयोग करके सत्ता में आई थी। नायुडू ने कहा कि एनटीपीएस जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के बिजली उत्पादन संयंत्र को 83 प्रतिशत पीएलएफ के साथ चलाया गया था और कहा कि अब अधिकांश निजी कंपनियों के लिए यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि इन प्रशासनिक परिवर्तनों को लोगों द्वारा मान्यता दी जानी चाहिए। अगर हम पिछले 30 वर्षों के शासन को देखें, तो तथ्य सामने आ जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी सरकार ने आंध्र प्रदेश को, जो एक बिजली अधिशेष राज्य था, घाटे की स्थिति में ले गया। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकार ने बिजली का उपयोग करने पर उद्योगों पर अधिभार लगाया था।

उन्होंने कहा कि राज्य के विभाजन के समय 22.5 मिलियन यूनिट बिजली की कमी थी। 2018 तक, हमने आंध्र प्रदेश को अधिशेष बिजली राज्य बना दिया है। आंध्र प्रदेश में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आंध्र प्रदेश 7,700 मेगावाट सौर और पवन ऊर्जा उत्पन्न करने वाला पहला राज्य है। हालांकि, 2019-24 में अकुशल शासन के कारण राज्य में फिर से काले दिन आ गए हैं। वाईएसआरसीपी ने बिना किसी विचार के पीपीए को रद्द कर दिया है। पीपीए रद्द करने का मुद्दा एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा बन गया है। यहां तक कि दावोस जैसी जगहों पर भी पीपीए को खत्म करने पर चर्चा हुई। एक व्यक्ति के अहंकार के कारण हमें राज्य के खजाने से पीपीए को 9,000 करोड़ रुपये देने पड़े। पोलावरम परियोजना में देरी के कारण पनबिजली स्टेशन बंद हो गया और 960 मेगावाट बिजली का उत्पादन नहीं हुआ। वाईएसआरसीपी शासन के दौरान बिजली के शुल्क में नौ बार बढ़ोतरी की गई और लोगों पर 32,000 करोड़ रुपये का बोझ डाला गया। नायुडू ने कहा कि खर्च में काफी कमी आनी चाहिए क्योंकि बिजली क्षेत्र में व्यापक रूप से वृद्धि हुई है और कहा कि पिछले पांच वर्षों में प्रति यूनिट बिजली खरीदने की औसत लागत 5.16 पैसे थी। 1 अप्रैल, 2025 से यूनिट की खरीद लागत घटकर 4.80 रुपये रह जाएगी। उत्पादित बिजली का उपयोग पड़ोसी राज्यों को निर्यात के लिए किया जाएगा। यदि देश 500 गीगावाट हरित ऊर्जा का उत्पादन करता है, तो अकेले आंध्र प्रदेश 160 गीगावाट का उत्पादन करेगा। पीएम सूर्यगढ़ के तहत, हर घर में बिजली होगी। ऊर्जा का लोकतंत्रीकरण अब एक प्रमुख नीति है, उन्होंने कहा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रोसुमर अब एक नया शब्द है और हर घर को उत्पादक-उपभोक्ता बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर घर में 2 किलोवाट की क्षमता वाले सौर पैनल लगाए जाने चाहिए और कहा कि आंध्र प्रदेश को 100 प्रतिशत सौर छत बिजली उत्पादक राज्य बनना चाहिए। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में कम से कम 10,000 घरों में सौर छत होनी चाहिए। प्रत्येक घर 240 यूनिट बिजली पैदा करता है। वर्तमान में, राज्य में औसत खपत लगभग 100 यूनिट है। बाकी बिजली डिस्कॉम द्वारा खरीदी जाएगी और उसका भुगतान किया जाएगा।

आग दुर्घटना ने सुरक्षा उपायों में खामियों को किया उजागर

वारंगल, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एनआईटी वारंगल के राममापा हॉस्टल के कमरा नंबर 1244 में बुधवार को भीषण आग लग गई। खबरों के मुताबिक, आग आधे घंटे से ज़्यादा समय तक लगी रही, लेकिन उसे बुझाने की कोई कोशिश नहीं की गई।

छात्रों ने दावा किया कि छात्रावास परिसर ऐसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित नहीं था। एक छात्र ने कहा कि छात्रावास की इमारत में आग बुझाने के लिए नली तो है, लेकिन उसमें पानी नहीं है। आग बुझाने के लिए कोई अलार्म सिस्टम नहीं है और पूरी मंजिल पर कोई भी आग बुझाने वाला यंत्र काम नहीं कर रहा था। छात्रों को आग बुझाने के लिए उन्हें कहीं और से लाना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने फायर ब्रिगेड को सूचित नहीं किया और इसके बजाय सुरक्षा कर्मियों और कर्मचारियों से आग बुझाने के लिए कहा। एक छात्र ने दावा किया कि जिन छात्रों ने अपने फोन पर घटना को रिकॉर्ड करने का प्रयास किया, उन्हें मुख्य वार्डन ने फटकार लगाई, जिन्होंने कथित तौर पर उनके फोन फेंक दिए।

कृषि में छोटे और सीमांत किसानों का वर्चस्व : डॉ. सागर हनुमान सिंह

> मैनेज-एमएसयू के सहयोग से शिखर सम्मेलन का आयोजन

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज), मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी (एमएसयू) के सहयोग से 12 से 14 मार्च तक डिजिटल नवाचारों और कृषि-तकनीक स्टार्टअप के माध्यम से कृषि में क्रांति लाने पर मैनेज-एमएसयू शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। शिखर सम्मेलन का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना, ज्ञान के आदान-प्रदान, केस स्टडी और विचार-मंथन सत्रों की सुविधा प्रदान करना है ताकि कृषि के भविष्य को आकार देने वाले अत्याधुनिक नवाचारों का पता लगाया जा सके। मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी (एमएसयू) के विशेषज्ञ डॉ. करीम मारेडिया, निदेशक, सीएएनआर इंटरनेशनल प्रोग्राम्म इकल रिंकी, विटीकल्चर विशेषज्ञ, एमएसयू, सुश्री रेबेका हेन्ने, राज्य स्नैप-एड समन्वयक, एमएसयू, डॉ. डेविड इवान, निदेशक, सामुदायिक, खाद्य और पर्यावरण संस्थान, एमएसयू, एरिक एंडरसन, सोयाबीन शिक्षक, सुश्री पाओला बेसिगालुपो संगुएसा, डेयरी विस्तार शिक्षिका, डॉ. नंदकुमार, साथ में डॉ. चंद्रशेखर गुप्ता, वैज्ञानिक अधिकारी, पीआरए, प्लांट बायोसिक्योरिटी डिवीजन, एनआईपीएचएम, डॉ. विधु कम्पुराथ पी, संयुक्त निदेशक, प्लांट हेल्थ इंजीनियरिंग डिवीजन, एनआईपीएचएम, डॉ. सागर हनुमान सिंह, आईपीओएस, महानिदेशक, मैनेज, डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज और संकाय सदस्य, शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले मैनेज के अकादमिक सहयोगी शामिल हैं।

शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन, भारत में एग्री-टेक स्टार्टअप इकोसिस्टम, नए किसानों और खाद्य उद्यमियों का समर्थन, कृषि में डिजिटल नवाचारों पर चर्चा हुई। अपने मुख्य भाषण में, डॉ. सागर हनुमान सिंह, आईपीओएस, महानिदेशक, मैनेज ने एमएसयू के सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत की कृषि में छोटे और सीमांत किसानों का वर्चस्व है, जो सामूहिक रूप से आधुनिक तकनीकों को वहन करने और अपनाने के लिए किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का तेजी से लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि एमएसयू और मैनेज के बीच सहयोग कृषि में सार्थक प्रगति को बढ़ावा देगा और किसानों की आजीविका में सुधार करेगा। उन्होंने भविष्य के सहयोग के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं। एमएसयू के सीएएनआर इंटरनेशनल प्रोग्राम्स के निदेशक डॉ. करीम मारेडिया ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एमएसयू का मैनेज के साथ ज्ञान साझा करने का सहयोग है। इसके अलावा उन्होंने भारतीय संस्थानों के साथ एमएसयू के चल रहे सहयोग को रेखांकित किया और विश्वास व्यक्त किया कि मैनेज के साथ साझेदारी भारत के विजन@2047 में सार्थक योगदान देगी।

एमएलसी ने मुस्लिम युवाओं को उद्यमिता अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस एमएलसी आमिर अली खान ने आज मुस्लिम युवाओं से आर्थिक सशक्तीकरण के साधन के रूप में उद्यमिता अपनाने का आग्रह किया। वे बुधवार को हैदराबाद में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। सियासत हब द्वारा प्रायोजित इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों के लिए वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना था। आमिर अली खान द्वारा वित्तपोषित एमओसी को शहर में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए लॉन्च किया गया था, जो स्नैक कार्ट के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से आजीविका प्रदान करता है। वेतन वितरण कार्यक्रम ने हैदराबाद में श्रमिकों का समर्थन करने और रोजगार पहल को मजबूत करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता को मजबूत किया। मुस्लिम युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी पर चिंता व्यक्त करते हुए, आमिर अली खान ने पिछली बीआरएस सरकार की लापरवाही के कारण हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य हिस्सों में बड़ी संख्या में योग्य व्यक्तियों के बेरोजगार होने के बावजूद नौकरी के अवसरों की कमी पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि तेलंगाना में वर्तमान कांग्रेस सरकार द्वारा हाल ही में आयोजित सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना ने मुसलमानों सहित युवा बेरोजगारी पर महत्वपूर्ण डेटा प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार इस डेटा का उपयोग प्रभावी कल्याणकारी योजनाओं को डिजाइन करने के लिए करेगी। युवाओं को सरकारी पहलों का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, आमेर अली खान ने उनसे राजीव युवा विकास योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया, जिसे तेलंगाना में बेरोजगार युवाओं का समर्थन करने के लिए 6,000 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया था। इस योजना के तहत, एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक वित्त निगमों के माध्यम से धन वितरित किया जाएगा, जिससे लगभग पांच लाख युवाओं को लाभ होगा, प्रत्येक को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए 3 लाख रुपये मिलेंगे।

तेजा विद्यालय के छात्रों ने फिट इंडिया क्विज में प्राप्त किया चौथा स्थान

सूर्यापेट, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेजा विद्यालय, कोडाद के छात्रों ने गुरुवार को भारतीय खेल प्राधिकरण और केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित फिट इंडिया क्विज प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया। तेजा विद्यालय के छात्र पल्ला ह्रुथिक और कोंडरू नवीन कुमार, दोनों कक्षा 10 के छात्र हैं, जिन्होंने नकद पुरस्कार के रूप में 5 लाख रुपये जीते। प्रिंसिपल उस्तेला रमा देवी ने विजेताओं को बधाई दी। इस बीच, सन बीम स्कूल, वाराणसी के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया और 25 लाख रुपये जीते।

उत्तम कुमार रेड्डी को अपने विरोधाभासी रुख को स्पष्ट करना चाहिए : हरीश राव

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और विधायक हरीश राव ने संसदीय नैतिकता और सदस्यों के निष्कासन से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों पर अपने विरोधाभासी बयानों और बदलते राजनीतिक रुख के लिए टीपीसीसी नेता उत्तम कुमार रेड्डी की कड़ी आलोचना की।

उत्तम कुमार रेड्डी ने दावा किया कि महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित किया गया, जबकि वह संसदीय नैतिकता समिति के सदस्य के रूप में कार्यरत थी। हरीश राव ने बताया कि उत्तम रेड्डी ने पहले मोइत्रा के निष्कासन का विरोध किया था, इसे अन्यायपूर्ण, असंवैधानिक और व्यक्तिगत प्रतिशोध और राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित बताया था। उन्होंने राज्यपाल पर कथित रूप से हमला करने के लिए विधायक संपत कुमार और कोमटीरेड्डी वेंकट रेड्डी के निष्कासन से जुड़ी घटना को भी याद किया। उस समय, उत्तम कुमार रेड्डी ने निष्कासन की कड़ी निंदा की थी, यहां तक कि भारत के राष्ट्रपति के पास शिकायत दर्ज कराने की हद तक चले गए थे। उस समय रेड्डी ने राज्य सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया था और लोकतांत्रिक मानदंडों को कमजोर करने के लिए स्पीकर और मुख्यमंत्री की खुलकर आलोचना की थी। आज, हरीश राव ने जोर देकर कहा कि उत्तम रेड्डी ने इन बयानों को सुविधाजनक तरीके से छिपाया है और अपना रुख पूरी तरह से बदल दिया है। हरीश राव ने उत्तम कुमार रेड्डी की विरोधाभासी और अवसरवादी राजनीति की आलोचना करते हुए सवाल किया, यह कैसे संभव है, उत्तम जी, कि जिस चीज का आपने कल जमकर विरोध किया था, वह आज आपको स्वीकार्य हो गई है? राजनीतिक सुविधा के आधार पर सिद्धांत रातोंरात नहीं बदल सकते। राव ने मांग की कि उत्तम कुमार रेड्डी अपने बदलते रुख को स्पष्ट करें, उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह के दोहरे मानदंड जनता के विश्वास और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की पवित्रता को खत्म करते हैं।

बाइक सवार चेन स्नेचर 6 तोला सोने की चेन लूटकर फरार

मेदक, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तूप्रान कस्बे की येल्लम्मा कॉलोनी में गुरुवार सुबह बाइक सवार दो लोगों ने एक बुजुर्ग महिला का छह तोला सोने का मंगलसूत्र छीन लिया। पीड़िता रंगम्मा (68) अपने घर के बाहर झाड़ू लगा रही थी, तभी हेलमेट पहने बाइक सवार बदमाश वहां पहुंचे।

जब उन्होंने पहले चेन छीनने की कोशिश की, तो उसने उनका विरोध किया। इसके बाद बदमाशों ने उसका मुंह बंद कर दिया और चेन छीनकर भाग गए। रंगम्मा के रोने की आवाज सुनकर पड़ोसी अपने घर से बाहर आए और उन्हें पकड़ने की नाकाम कोशिश की। इंस्पेक्टर रंगकृष्णा और उनकी टीम ने घटनास्थल का दौरा किया।

तिलहन उत्पादकता में सुधार, आत्मनिर्भरता प्राप्त करने हेतु फसल विविधीकरण-मूंगफली जैसी फसलों में बीज

हैदराबाद 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद के राजेंद्रनगर में आईसीएआर-आईआईओआर द्वारा तिलहन किसान मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निदेशक, सीड्स, पीजेटीएयू डॉ.जी नागेश ने कहा कि, तिलहन उत्पादकता में सुधार, आत्मनिर्भरता प्राप्त करने हेतु फसल विविधीकरण, मूंगफली जैसी फसलों में बीज उत्पादन की महत्ता पर भी जोर देने की जरूरत है।

इस कार्यक्रम का प्रारंभ एसकेएलटीजीएचयू कुलपति डॉ. राजी रेड्डी द्वारा प्रदर्शनी स्टालों के उद्घाटन के साथ हुआ। इस प्रदर्शनी में आईआईओआर द्वारा विकसित नई प्रौद्योगिकियों, मूल्य वर्धित उत्पादों, आईसीएआर-सीआरआईडीए, आईसीएआर-आईआईएमआर तथा पीजेटीएयु ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। हाल ही में जारी तिलहन फसलों जैसे अरंडी, सूरजमुखी, कुसुम, तिल और अलसी की संकर और किस्मों के प्रदर्शन भूखंडों का दौरा किया गया, विभिन्न तिलहन फसलों में लाभदायक अंतरफसल प्रणाली और सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं पर चर्चा की गई। तत्संबंधित तिलहन किसान मेला कार्यक्रम में तेलंगाना और कर्नाटक राज्यों के लगभग 900 किसानों ने हिस्सा लिया।

इस शुभावसर पर, प्रधान वैज्ञानिक, फसल उत्पादन प्रमुख डॉ. जी सुरेश, ने अतिथियों का स्वागत किया एवं इस क्षेत्र दिवस के महत्व को समझाया और क्षेत्र तथा स्टालों में प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में निदेशक, बीज, पीजेटीएयू डॉ.जी नागेश ने अपने संबोधन में, किसानों से एनएमईओ और ओपी के साथ मिलकर तिलहन फसलों का क्षेत्रफल, उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने की अपील की, ताकि तिलहन आयात को कम किया जा सके, क्योंकि हम खाद्य तेलों के आयात शुल्क पर एक लाख करोड़ से अधिक व्यय कर रहे हैं। इस दौरान निदेशक, विस्तार शिक्षा, पीजेटीएयू डॉ. याकाद्री ने अपने भाषण में तिलहन की खेती में हुई प्रगति पर जोर दिया। उन्होंने तिलहन उत्पादन में सुधार के लिए फसल विविधीकरण, तिलहन में अंतर-फसल, ड्रोन के उपयोग आदि के महत्व को दोहराया है। मुख्य अतिथि एसकेएलटीजीएचयू के कुलपति डॉ. राजी रेड्डी ने किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीओ) के गठन और इन एफपीओ के माध्यम से बीज उत्पादन में आईआईओआर के प्रयासों की सराहना की। बागवानी या हार्टिकल्चर जेडीए श्रीमती सरोजिनी देवी ने सभी किसानों से बागवानी और कृषि फसलों दोनों के लिए सरकार द्वारा दी जाने वाली सभी सब्सिडी का उपयोग करने की अपील की।

इस कार्यक्रम के दौरान तिलहन उत्पादन में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए कुल 14 नवोन्मेषी किसानों को सम्मानित किया गया। तेलंगाना और कर्नाटक राज्यों के किसानों ने तिलहन खेती पर अपने अनुभव साझा किए, जिसका समन्वय कृषि विस्तार के प्रधान वैज्ञानिक डॉ जी डी सतीश कुमार ने किया। भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान (आईआईओआर) के निदेशक डॉ. रवि कुमार माथुर ने किसानों को फसल प्रणाली अपनाने और एक समय में कम से कम 2-3 फसलें लेने की सलाह दी, ताकि एक फसल के विफल होने पर दूसरी फसल से आय सुनिश्चित हो सके।

शांतिपूर्ण तरीके से मनाने होली का त्योहार : एसपी

संगारेड्डी, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक परितोष पंकज ने नागरिकों से होली का त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाने का आह्वान किया। गुरुवार को त्योहार की पूर्व संध्या पर नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए एसपी ने युवाओं से कहा कि वे त्यौहार के मूड में जलाशयों में न जाएं। उन्होंने युवाओं को यह भी चेतावनी दी कि वे उन लोगों पर रंग न फेंके जिन्हें वे नहीं जानते। परितोष ने युवाओं को चेतावनी दी कि अगर वे तेज गति से और लापरवाही से गाड़ी चलाते हैं तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने अभिभावकों को शुक्रवार को त्योहार के दौरान अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि नागरिकों द्वारा त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त बल तैनात किए जाएंगे।

बजरंग सेना ने होली मनाने पर प्रतिबंधों का कड़ा विरोध किया

हैदराबाद 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बजरंग सेना ने होली मनाने पर प्रतिबंध लगाने के आदेश का कड़ा विरोध करने के लिए काचीगुडा स्थित राज्य कार्यालय में एक प्रेस वार्ता आयोजित की। बजरंग सेना शहर अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने रमजान के पालन के लिए पूर्ण समर्थन और सुविधाएं प्रदान करते हुए केवल हिंदू समुदाय पर प्रतिबंध लगाने पर सवाल उठाया। उन्होंने सरकार के स्पष्ट पक्षपात की आलोचना की और अलग-अलग व्यवहार के लिए स्पष्टीकरण की मांग की। उपाध्यक्ष श्रीनिवास गुप्ता ने भी इसी तरह की चिंताओं को दोहराते हुए मुसलमानों के प्रति सरकार के नरम रुख पर सवाल उठाया। उन्होंने प्रशासन से सभी धार्मिक समुदायों के प्रति निष्पक्षता और सम्मान बनाए रखने का आग्रह किया। अभिनय तिवारी ने सीएम से होली मनाने पर लगाए गए प्रतिबंधों को वापस लेने का आग्रह किया। उन्होंने इस मुद्दे पर भाजपा, आरएसएस, विहिप, बजरंग दल और अन्य हिंदू संगठनों की चुप्पी पर भी सवाल उठाया और हिंदू धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। मनोज मोगलगिद्दी, प्रवीण यादव, नरेश, अश्विन, साईनाथ और बजरंग सेना के कई अन्य सदस्य शामिल हुए, जिन्होंने सामूहिक रूप से सरकार के कदम की निंदा की।

बीआईएस हैदराबाद शाखा द्वारा कंज्यूमर कार्निवल का आयोजन

> जीएचएमसी स्टेडियम में उपभोक्ता जागरूकता और सहभागिता का एक समृद्ध दिन

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) हैदराबाद शाखा द्वारा जीएचएमसी स्टेडियम, लालापेट में कंज्यूमर कार्निवल का आयोजन किया गया। जहां आईएसआई मार्क वाले उत्पादों की प्रदर्शनी, उपभोक्ता जागरूकता स्टॉल्स, और विभिन्न अन्य गतिविधियां आयोजित की गईं। जो उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों और भारतीय मानकों के महत्व के बारे में जागरूक करने का प्रयास कर रही थीं। इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण था हस्ताक्षर अभियान, जो उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और उपभोक्ता सुरक्षा के महत्व को समझाने के लिए चलाया गया। साथ ही, स्मार्ट कंज्यूमर थीम के तहत लगाए गए सेल्फी स्टैंड्स ने उपस्थित लोगों को आनंदित किया। इन गतिविधियों ने उपभोक्ताओं को न केवल जागरूक किया बल्कि उन्हें एक दूसरे के साथ जुड़ने का भी अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति एमएसके जैस्वाल, अध्यक्ष, एडवाइजरी बोर्ड ऑन प्रिवेंटिव डिटेंशन केस, तेलंगाना सरकार, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, और श्री लक्ष्मीनारायण रेड्डी, सेवानिवृत्त अध्यक्ष, राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने उपभोक्ता सुरक्षा, भारतीय मानकों और गुणवत्ता की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए। उनके भाषणों ने उपस्थित सभी को उपभोक्ता सुरक्षा के महत्व और उनके अधिकारों के बारे में गहरे विचार करने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथियों के विचार-विमर्श के बाद, बीआईएस की गतिविधियों और उनके डिजिटल पहलों पर तकनीकी प्रस्तुतियां दी गईं। बीआईएस केयर ऐप का सभी प्रतिभागियों द्वारा उत्साहपूर्वक डाउनलोड किया। इस ऐप के माध्यम से बीआईएस के डिजिटल सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित की गई, जो उपभोक्ताओं को गुणवत्ता मानकों, शिकायत निवारण, और अन्य उपयोगी जानकारी प्रदान करता है। बीआईएस के डिजिटल प्लेटफॉर्म का यह कदम उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने और उन्हें बेहतर सेवाएं प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस आयोजन ने उपभोक्ताओं को भारतीय मानकों और गुणवत्ता आश्वासन की महत्ता से अवगत कराया। लगभग 300 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन्स, उपभोक्ता संघों के सदस्य और आम जनता शामिल थे।

अधिकारियों ने की प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की वकालत

सिद्दीपेट, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लोगों को प्राकृतिक रंगों के साथ होली का त्योहार मनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, जिला पंचायत विभाग त्योहार से एक दिन पहले गुरुवार को जिले के 499 ग्राम पंचायतों में फूलों, सब्जियों और तरबूज जैसे फलों का उपयोग करके रंग बनाने का प्रदर्शन कर रहा है। विभिन्न रसायनों से बने रंग त्योहार के बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा करते हैं, इसलिए जिला पंचायत अधिकारी (डीपीओ) देवकी देवी ने जिले के सभी पंचायत सचिवों को अपने गांवों में महिलाओं को शामिल करके इस तरह के प्रदर्शन आयोजित करने का निर्देश दिया। महिलाओं ने मोडुगु पुव्वु (ब्यूटिया मोनोस्पर्मा) से रंग बनाए, जिसका पारंपरिक रूप से तेलुगु लोग होली के उत्सवों में उपयोग करते हैं, चुकंदर, गाजर, तरबूज, गोभी, मंदरा फूल (हिबिस्कस) और विभिन्न पत्तेदार सब्जियां।

होली से पहले के.बी.आर. पार्क में गणेश भगवान की पूजा करते राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेव, संध्या अग्रवाल, विजया रेड्डी, संतोष अग्रवाल, भरत कुमार सोंथालिया, प्रवीण अग्रवाल, भोज रेड्डी, बाबू लाल केडिया, अशोक लखोटिया, विजय अग्रवाल, दिनेश पंचोल, कैलाश अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, राहुल सिंघल, पी.सी. जैन, शंकर अग्रवाल, विठ्ठल दास अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल (रामू भाई) आदि।

21 भांग के पौधे उगाने पर किसान को 7 साल की जेल, 50,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई

संगारेड्डी, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अपने खेत में 21 भांग के पौधे उगाने वाले एक किसान को गुरुवार को यहां जिला अदालत ने दोषी करार देते हुए 7 साल की जेल और 50,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। तंगाडपल्ली गांव निवासी 42 वर्षीय नागुलापल्ली वीरन्ना नामक अपराधी को अपने खेत में 21 गांजा के पौधे उगाते हुए पकड़ा गया। इंस्पेक्टर मधु बाबू के नेतृत्व में आबकारी एवं निषेध अधिकारियों ने 2020 में खेत पर छापा मारा और पौधों को जब्त कर लिया। आबकारी विभाग द्वारा दायर मामले के बाद अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. जयंती ने गुरुवार को यह फैसला सुनाया। वीरन्ना को संगारेड्डी केंद्रीय जेल भेज दिया गया। आबकारी एवं प्रवर्तन निदेशक वीबी कमलासन रेड्डी और मेडक के उपायुक्त केएबी शास्त्री ने मामले की जांच में मधु बाबू और अन्य अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत के न खेलने से ईसीबी को बड़ा झटका, 45 करोड़ का होगा नुकसान

लंदन, 13 मार्च (एजेंसियां)। भारत के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई न कर पाने के कारण इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड को बड़ा झटका लगा है. टीम इंडिया के न होने से क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड को जून में होने वाले 5 दिवसीय मैच के दौरान लगभग 4 मिलियन पाउंड (करीब 45 करोड़ 13 लाख रुपये) का नुकसान होने का अनुमान है.

डब्ल्यूटीसी के पिछले दो संस्करणों में उपविजेता रहने के बाद भारत फाइनल में जगह बनाने से चूक गया. पैट कमिंस की अगुआई वाली ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका अब टेस्ट क्रिकेट में सर्वोच्च स्थान के लिए एक-दूसरे से भिड़ेंगी.

द टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारत के क्वालीफाई न कर पाने के कारण आगामी आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए लॉर्ड्स को लगभग 4 मिलियन पाउंड (करीब 45 करोड़ 13 लाख रुपये) का नुकसान होगा. भारत की गैर-मौजूदगी ने मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब द्वारा अपेक्षित वित्तीय लाभ को काफी हद तक कम कर दिया है, जो वैश्विक खेल में भारतीय क्रिकेट के वित्तीय प्रभाव को रेखांकित करता है'.

भारत ने टेस्ट क्रिकेट में अपना दबदबा तब तक बनाए रखा जब तक कि उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 0-3 से शर्मनाक हार का सामना नहीं करना पड़ा. इसके बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में भारत को ऑस्ट्रेलिया से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे वह फाइनल से चूक गया.

एमसीसी ने मूल रूप से डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए प्रीमियम टिकट की कीमतें अधिक रखी थीं, यह अनुमान लगाते हुए कि भारत की भागीदारी से टिकटों की बिक्री में उछाल आएगा. हालांकि, जब यह स्पष्ट हो गया कि भारत फाइनल में नहीं पहुंचेगा, तो एमसीसी ने अपनी रणनीति में बदलाव किया और टिकट की कीमतें कम कर दीं.

'विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए कीमतों में लचीलापन लाने का फैसला इस वर्ष लिया गया था, अब टिकट 40 से 90 पाउंड के बीच बेचे जा रहे हैं - जो कि मूल कीमत से लगभग 50 पाउंड सस्ते हैं, जिससे रेवेन्यू में कमी आई है'.

पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड की टेस्ट सीरीज के दौरान एमसीसी को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, जब मैच के चौथे दिन केवल 9,000 दर्शक ही आए थे, जिसके कारण उन्हें इस आयोजन के लिए अपनी टिकटों की किमतों पर दोबारा विचार करना पड़ा था.

मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ सकेंगे अनुराग ठाकुर?

बीएफआई ने किया नामांकन खारिज

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को उस वक्त झटका लगा जब निर्वाचक मंडल में शामिल करने के लिए भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने उनका नामांकन खारिज कर दिया। बीएफआई का कहना है कि अनुराग हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के पात्र नहीं हैं। भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा सांसद अनुराग के बीएफआई अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवारी पेश करने की उम्मीद थी। हिमाचल प्रदेश मुक्केबाजी संघ ने चुनाव के लिए अनुराग और अध्यक्ष राजेश भंडारी के नाम भेजे थे।

बीएफआई ने 60 सदस्यीय निर्वाचक मंडल की सूची जारी की जिसे जांच के बाद अंतिम रूप दिया गया। सभी संबद्ध राज्य संघों को भेजे गए सात मार्च के नोटिस में कहा गया था कि चुनाव एजीएम (बीएफआई को विधिवत अधिसूचित) के दौरान बीएफआई से संबद्ध राज्य इकाइयों के केवल वास्तविक और विधिवत निर्वाचित सदस्य ही अपने संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिकृत होंगे।

बीएफआई ने निर्णय की व्याख्या करते हुए कहा, 'अनुराग ठाकुर का नाम हिमाचल प्रदेश मुक्केबाजी संघ ने भेजा था। हालांकि उन्हें भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के सात मार्च 2025 के नोटिस और भारतीय राष्ट्रीय खेल विकास संहिता 2011 के उल्लंघन के कारण अयोग्य पाया गया है।' बीएफआई के एक सूत्र ने कहा, अनुराग हिमाचल प्रदेश राज्य संघ के निर्वाचित सदस्य नहीं हैं इसलिए उनका नाम खारिज कर दिया गया है। सभी नामों की जांच करना और योग्य उम्मीदवारों की सूची निर्वाचन अधिकारी को भेजना बीएफआई का काम है जो अब सूची को अपलोड करेंगे।

हालांकि हिमाचल प्रदेश मुक्केबाजी संघ (एचपीबीए) ने दावा किया कि अनुराग राज्य इकाई की कार्यकारी परिषद के निर्वाचित सदस्य हैं। एचपीबीए सचिव सुरेंद्र कुमार शांडिल ने कहा, अनुराग ठाकुर एक निर्वाचित सदस्य हैं। वह पिछले कई वर्षों से अध्यक्ष सहित विभिन्न पदों पर रहे हैं। लेकिन अब वह कार्यकारी परिषद के सदस्य के रूप में चुने गए हैं। हमारे पास सभी दस्तावेज हैं। हमने अपनी ओर से दो नाम दिए हैं, निर्वाचन अधिकारी को अपना काम करने दें। चुनाव 28 मार्च को होने हैं लेकिन नामांकन दाखिल करने और नाम वापस लेने की अंतिम तिथि बीएफआई द्वारा अभी घोषित नहीं की गई है।

बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह के फिर से चुनाव लड़ने की उम्मीद है। वह पहले ही महासंघ के प्रमुख के रूप में दो कार्यकाल पूरे कर चुके हैं। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बीएफआई द्वारा समय पर चुनाव कराने में विफल रहने के बाद देश में मुक्केबाजी के दैनिक कामकाज की देखरेख के लिए पांच सदस्यीय तदर्थ पैनल का गठन किया था। हालांकि महासंघ द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में अपील किए जाने पर चार मार्च को न्यायालय ने इस आदेश पर रोक लगा दी और इस कदम को मनमाना और अवैध करार दिया।

सात्विक-चिराग की भारतीय जोड़ी ऑल इंग्लैंड के दूसरे दौर में

डेनियल-वेस्टेरगार्ड को दी मात

बर्मिंघम, 13 मार्च (एजेंसियां)। भारत के सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पहुंच गई है। सात्विक-चिराग ने डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टेरगार्ड को सीधे गेम में हराया। पिछले महीने पिता के निधन के बाद वापसी करने वाले सात्विक ने अपने जोड़ीदार चिराग के साथ मिलकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया और 40 मिनट तक चले मुकाबले में 21-17, 21-15 से जीत दर्ज की।

अब चीनी जोड़ी से होगा सामना

एशियाई खेलों की चैंपियन सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी राउंड ऑफ 16 के दौर में गुरुवार को चीन की हाओ नान जेई और वेई हान झेंग का सामना करेगी। दिन के अन्य मैचों में लक्ष्य सेन का सामना पुरुष एकल वर्ग में इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से होगा, जबकि मालविका बंसोड़ जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त और दो बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची का सामना करेंगी। मालविका ने इससे पहले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के अपने डेब्यू मैच में सिंगापुर की यिओ जिया मिन को हराया था। विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर मौजूद त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त कोरियाई जोड़ी ही जियोंग किम और ही योंग कोंग की जोड़ी से होगा।

इससे पहले, महिला एकल वर्ग में बड़ा झटका लगा था और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का सफर पहले ही दौर में थम गया था। सिंधू को पहले दौर में कोरिया की किम गा युन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। सिंधू ने किम के खिलाफ पहला गेम जीता था, इसके बावजूद तीन गेम तक चले मैच में हारकर बाहर हो गईं। पैर की मांसपेशियों में चोट के बाद वापसी कर रहीं 29 साल की सिंधू को एरेना बर्मिंघम में एक घंटे से कुछ अधिक समय चले मुकाबले में दुनिया की 21वें नंबर की खिलाड़ी किम के खिलाफ 21-19, 13-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा था।

खेलों में आयु की धोखाधड़ी पर लगेगा प्रतिबंध

दर्ज होगी एफआईआर; आजीवन प्रतिबंध का प्रावधान

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। खेलों में आयु के जरिये धोखाधड़ी करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रशासकों की अब खैर नहीं है। खेल मंत्रालय ने खेलों में एज फ्रॉड के राष्ट्रीय कोड (एनसीएएएफएस) में परिवर्तन की तैयारी कर ली है। परिवर्तित कोड में खेलों में आयु छुपाकर धोखाधड़ी करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों पर डोपिंग की तरह प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई है। पहली बार दोषी पाए जाने पर खिलाड़ी या प्रशिक्षक पर दो वर्ष का प्रतिबंध लगेगा और इस दौरान जीते गए पदक छीन लिए जाएंगे। दूसरी बार दोषी पाए जाने पर खिलाड़ी पर आजीवन प्रतिबंध लगेगा, साथ ही भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत एफआईआर दर्ज होगी। खिलाड़ी को धोखाधड़ी के मामले में कानूनी सजा भी हो सकती है। नए राष्ट्रीय कोड में मंत्रालय ने देश भर के खिलाड़ियों का आयु संबंधी डिजिटल डाटाबेस तैयार करने की सिफारिश की है। एक बार इस डाटाबेस में खिलाड़ी की एंट्री होने के बाद इसमें किसी भी तरह का परिवर्तन नहीं होगा। यह कोड राष्ट्रीय खेल संघों, खेल अकादमियों, स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड पर लागू होगा। साई, खेल संघ अपने खिलाड़ियों की आयु की जानकारी लेने के लिए उनसे दस्तावेज (जन्म प्रमाण पत्र, आधार कोर्ड, स्कूल प्रमाण पत्र) जुटाएंगे। इनकी छानबीन के लिए खेल संघ एक नोडल ऑफिसर नियुक्त करेंगे। इसके बाद खिलाड़ियों का डिजिटल डाटा बेस तैयार होगा। इसमें रजिस्टर्ड हो चुके खिलाड़ियों को भी नए सिरे से जानकारी देनी होगी। नोडल ऑफिसर आयु संबंधी दस्तावेजों में कुछ गलती पाता है तो उसे मेडिकल परिक्षण के लिए भेजा जाएगा। मेडिकल परिक्षण में बोन टेस्ट के अलावा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की भी मदद ली जाएगी। मेडिकल परीक्षण से संतुष्ट नहीं होने पर खिलाड़ी पहली अपील कर सकते हैं। इससे भी संतुष्ट नहीं होने पर केंद्रीय अपीलेट समिति के समक्ष दूसरी अपील की जाएगी। इस पैनल का फैसला अंतिम होगा। दंड का प्रावधान खिलाड़ी, कोच और खेल संघ के अधिकारियों पर भी लागू होगा।

हिमाचल के हेमचंद और हर्षिता ने विशेष ओलंपिक में भारत को दिलाए रजत पदक

तूरिन, 13 मार्च (एजेंसियां)। इटली के तूरिन में चल रहे विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में हिमाचल के खिलाड़ियों ने देश के लिए दो पदक जीते हैं। सिरमौर के हेमचंद और शिमला की हर्षिता ठाकुर ने स्नो बोर्डिंग स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम कर लिए हैं। विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में सिरमौर से मेघा शर्मा व हेमचंद शर्मा हिस्सा ले रहे हैं। मेघा शर्मा हेमचंद की कोच भी हैं। प्रतियोगिता में मेघा शर्मा क्रॉस कंट्री स्कीइंग और हेमचंद स्नो बोर्डिंग खेल में भाग ले रहे हैं। आस्था वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष आशुतोष गुप्ता, उपाध्यक्ष संजीव शर्मा और सोसायटी की समन्वयक रूचि कोटिया ने बताया कि इटली में 7 से 14 मार्च तक आयोजित हो रही प्रतियोगिता में हिमाचल के आठ जिलों के 14 खिलाड़ी अपना दम दिखा रहे हैं।

हिमाचल स्की पर्वतारोहण टीम ने जम्मू और कश्मीर के गुलमर्ग में शानदार प्रदर्शन किया है। कुल छह पदक जीतते हुए टीम को ओवरऑल दूसरी रैंकिंग मिली है। हिमाचल की टीम ने असाधारण प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए कुल छह पदक हासिल किए। अध्यक्ष प्रवीण कुमार पिंटू ने बताया कि पहले दिन महिलाओं की वर्टिकल रेस में रजत और कांस्य जीते। दूसरे दिन महिलाओं की वर्टिकल रेस में स्वर्ण और रजत, तीसरे दिन पुरुषों की रिले रेस में कांस्य, चौथे दिन महिलाओं की रिले रेस में स्वर्ण पदक जीता। राज्य संघ के सदस्य कपिल नेगी ने इसका श्रेय विधायक मनाली भुवनेश्वर गौड़ को दिया है। उन्होंने एथलीटों के कौशल को निखारने में जनवरी में हामटा में आयोजित राज्य चैंपियनशिप का आयोजन किया। इस आयोजन से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा है।

आगरा में प्रस्तावित अंडर-14 हैमर बॉल नेशनल चैंपियनशिप में हिमाचल प्रदेश की टीम दमदार उपस्थिति दर्ज करवाएगी। हैमर बॉल एसोसिएशन हिमाचल के कोच सुमित शर्मा ने टीम की घोषणा कर दी है। बताया कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में प्रदेश के होनहार खिलाड़ियों का चयन हुआ है। प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में अभी, हर्षित, कपिल, सूर्यांश, राजकुमार, सात्विक, अक्षित कटोच, अर्णव, तुषार, उत्कर्ष, आरव शर्मा, आदित्य ठाकुर, अयान राणा, संचित जसवाल, शुभम और सूर्य शामिल हैं। इन सभी खिलाड़ियों ने अपने कौशल और मेहनत से यह अवसर प्राप्त किया है। आगरा में अंडर-14 हैमर बॉल नेशनल चैंपियनशिप गोवर्धन स्टेडियम में 21 से 23 मार्च तक आयोजित होगी। कोच सुमित शर्मा ने बताया कि टीम पूरी तरह से तैयार है और प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित है।

एशियाई चैंपियनशिप जीतने के बाद अब कबड्डी विश्व कप की तैयारी में जुटेंगी पुष्पा, ज्योति और भावना

धर्मशाला, 13 मार्च (एजेंसियां)। तेहरान में आयोजित छठी एशियाई महिला कबड्डी चैंपियनशिप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली हिमाचल की बेटियां धर्मशाला पहुंचीं। देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर और भावना के सम्मान में भारतीय खेल प्राधिकरण के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस धर्मशाला की ओर से आज स्वागत समारोह का आयोजन किया जा रहा है। दिल्ली से पहुंचीं खिलाड़ियों ने सेंटर में आराम किया। भारतीय महिला कबड्डी की टीम में सूबे से पांच खिलाड़ी खेलीं। इसमें तीन खिलाड़ी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस धर्मशाला की हैं।

विजेता भारतीय टीम की सदस्य का अगला लक्ष्य जून में होने वाले कबड्डी विश्व कप है। कबड्डी विश्व कप बिहार में 1 से 13 जून को आयोजित किया जाएगा। अप्रैल में कबड्डी टीम को कोचिंग कैंप लगाया जाएगा। इसमें साई सेंटर की चार खिलाड़ी पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर, भावना और चंपा का चयन हुआ है। विश्व कप के बाद खिलाड़ियों का लक्ष्य 2026 में होने वाली एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने को लक्ष्य है। सेंटर के प्रभारी राकेश जस्सल ने कहा कि छठी एशियाई महिला कबड्डी चैंपियनशिप में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के सेंटर की खिलाड़ी पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर और भावना टीम के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने राज्य सरकार मांग करते हुए कहा कि देश के लिए पदक जीतने वाली खिलाड़ियों को सम्मान के तौर पर सरकारी नौकरी दी जाए।

मुशफिकुर रहीम के बाद बांग्लादेश के एक और महान खिलाड़ी ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया

ढाका, 13 मार्च (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बांग्लादेश का प्रदर्शन अच्छा नहीं रह था, वो अंक तालिका में 3 मैचों में दो हार और एक मैच रद्द होने की वजह से एक पॉइंट के साथ ग्रुप ए में चौथे नंबर पर थे. उन्हें अपने ग्रुप में इंडिया और न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा, जबकि पाकिस्तान से उनका आखिरी ग्रुप मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया. इस बड़े टूर्नामेंट के बाद बांग्लादेश के दो बड़े क्रिकेटरों ने इंटरनेशनल क्रिकेट को छोड़ने का ऐलान कर चुके हैं.

पहले बांग्लादेश के अनुभवी विकेट कीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने रिटायरमेंट का ऐलान किया और उसके ठीक एक हफ्ते बाद ऑलराउंडर महमुदुल्लाह ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी. 39 वर्षीय महमुदुल्लाह ने सोशल मीडिया पर अपने साथियों, कोचों और प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए अपने रिटायरमेंट की घोषणा की.

महमूदुल्लाह ने फेसबुक पोस्ट में लिखा, 'मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है, मैं अपने सभी साथियों, कोचों और खासकर अपने प्रशंसकों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया, मेरे माता-पिता, मेरे ससुराल वालों-खासकर मेरे ससुर-और सबसे महत्वपूर्ण, मेरे भाई इमदादुल्लाह का बहुत-बहुत शुक्रिया, जो बचपन से ही मेरे कोच और गुरु रहे हैं.' उन्होंने अपनी पत्नी और बच्चों का भी आभार व्यक्त किया और उन्हें हर मुश्किल समय में मेरा साथ देने वाला बताया.

वनडे टीम में वापसी का इंतजार कर रहा है यशस्वी जायसवाल

एक मुकाबले के बाद ही हो गया था बाहर

मुंबई, 13 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीत लिया है, और अब सभी खिलाड़ी जल्द ही आईपीएल में खेलते नजर आएंगे। चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान कयास लगाए जा रहे थे कि क्या रोहित शर्मा वनडे क्रिकेट से संन्यास लेंगे, लेकिन उन्होंने ट्रॉफी जीतने के बाद साफ कर दिया कि वह अभी संन्यास नहीं लेंगे। यह खबर फैंस के लिए राहतभरी है, लेकिन भारत का एक खिलाड़ी वनडे टीम में वापसी का लंबे समय से इंतजार कर रहा है, और अब ऐसा लग रहा है कि उसे और ज्यादा इंतजार करना पड़ेगा।

वनडे वर्ल्ड कप भी खेल सकते हैं रोहित शर्मा

जब तक रोहित शर्मा संन्यास नहीं लेते, उन्हें टीम से बाहर किए जाने की संभावना बेहद कम है। उनका अगला लक्ष्य शायद 2027 में होने वाला वनडे वर्ल्ड कप हो, जिसकी कमी वे अब तक महसूस कर रहे हैं। फिलहाल भारतीय टीम को जल्द ही कोई वनडे मैच नहीं खेलना है लेकिन जब टीम इस फॉर्मेट में उतरेगी तो रोहित शर्मा का खेलना तय माना जा रहा है.माना जा रहा है वे ही कप्तानी भी करेंगे। हालांकि रोहित के इस फॉर्मेट से रिटायर न होने के चलते यशस्वी जायसवाल को अभी भी टीम में अपनी जगह बनाने के लिए इंतजार करना पड़ सकता है।

अब तक केवल एक ही वनडे खेल पाए हैं यशस्वी जायसवाल

यशस्वी जायसवाल ने टी20 और टेस्ट क्रिकेट में खुद को साबित किया है। वे इन दोनों फॉर्मेट में लगातार भारत के लिए खेल रहे हैं और शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि वनडे क्रिकेट में उनके लिए अभी तक पूरी तरह से दरवाजे नहीं खुले हैं। भारत के लिए 19 टेस्ट और 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले जायसवाल अब तक केवल एक ही वनडे मुकाबला खेल पाए हैं, जिसमें उन्होंने 15 रन बनाए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं मिली थी जगह

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में यशस्वी जायसवाल को एक मैच खेलने का मौका मिला था। इसके बाद जब बीसीसीआई ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया, तब जायसवाल को भी टीम में जगह मिली। हालांकि, बाद में उन्हें बाहर कर दिया गया और अचानक वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल कर लिया गया। इस फैसले ने जायसवाल का चैंपियंस ट्रॉफी खेलने का सपना तोड़ दिया।

वनडे टीम में अब तक नहीं मिली जगह

वनडे फॉर्मेट में भारतीय टीम अभी भी रोहित शर्मा और शुभमन गिल की ओपनिंग जोड़ी पर भरोसा जता रही है। तीसरे नंबर पर विराट कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाज हैं, जबकि चौथे स्थान पर श्रेयस अय्यर ने अपनी जगह पक्की कर ली है।

ऐसे में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के लिए टीम में जगह बनना मुश्किल हो रहा है क्योंकि ओपनिंग स्लॉट खाली ही नहीं है। जब तक रोहित शर्मा संन्यास नहीं लेते, तब तक जायसवाल के वनडे टीम में नियमित रूप से खेलने की संभावना काफी कम है। फिलहाल वे आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलेंगे, जहां उनका प्रदर्शन काफी अहम रहेगा.

परिसीमन के जरिए दक्षिणी राज्यों का महत्व कम करने की साजिश : रेवंत रेड्डी

डीएमके प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में मुख्यमंत्री रेवंत से मुलाकात की

नई दिल्ली, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन के जरिए दक्षिणी राज्यों के खिलाफ केंद्र सरकार की साजिश को विफल करने के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है। यह निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन नहीं है, बल्कि दक्षिणी राज्यों के महत्व को कम करने का प्रयास है।

निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के कारण दक्षिणी राज्यों को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को न्याय के लिए लड़ने की रणनीति पर चर्चा करने के लिए 22 मार्च को चेन्नई में होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। नगर प्रशासन मंत्री के.एन. नेहरू के नेतृत्व में डीएमके प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को दिल्ली में रेवंत रेड्डी को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री द्वारा लिखा गया एक पत्र सौंपा। पत्र में स्टालिन ने कहा कि हालांकि ऐसे प्रावधान हैं कि 2026 के बाद होने वाली राष्ट्रीय जनगणना तक निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन केंद्र सरकार ने जनगणना से पहले ही इस प्रक्रिया को सामने ला दिया है। उन्होंने पत्र में कहा कि परिसीमन पर पहले ही एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जा चुकी है।

स्टालिन ने केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पंजाब से संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) में शामिल होने के लिए सहमत होने का अनुरोध किया। उन्होंने पत्र में सुझाव दिया कि भविष्य की कार्रवाई करने के लिए जेएसी में तेलंगाना कांग्रेस पार्टी का एक प्रतिनिधि नियुक्त किया जाए। रेवंत रेड्डी से मिलने वाले डीएमके प्रतिनिधिमंडल में विशेष प्रतिनिधि एकेएस विजयन, डीएमके संसदीय दल की नेता कनिमोझी, डीएमके सांसद ए. राजा, एनआर इलांगो, कलानिथी वीरस्वामी और अरुण नेहरू शामिल थे। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि वे दक्षिणी राज्यों के महत्व को कम करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेंगे। दक्षिणी राज्यों ने देश की बहुत सेवा की है। भाजपा के पास दक्षिणी राज्यों से ज्यादा प्रतिनिधित्व नहीं है। भाजपा दक्षिणी राज्यों में अपनी हार का बदला इन राज्यों से लेना चाहती है। उन्होंने कहा कि हम दक्षिणी राज्यों के खिलाफ भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा रची गई साजिशों को विफल करेंगे। कांग्रेस ने पहले ही केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ने का सैद्धांतिक रूप से फैसला कर लिया है। मैं कांग्रेस पार्टी के आलाकमान की अनुमति से चेन्नई की बैठक में भाग लूंगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने तेलंगाना राज्य में निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर चर्चा करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और पूर्व मंत्री के जन रेड्डी को सभी दलों के नेताओं को सर्वदलीय बैठक में आमंत्रित करने का निर्देश दिया। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को भी आमंत्रित किया गया है।

भाजपा नेता को बैठक में भाग लेना चाहिए और बैठक में व्यक्त किए गए विचारों को केंद्रीय मंत्रिमंडल के ध्यान में लाना चाहिए। चूंकि केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी तेलंगाना से हैं, इसलिए उन्हें राज्य के हितों की रक्षा करनी चाहिए। हम केंद्रीय मंत्री को आमंत्रित करेंगे और उन्हें जवाब देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सभी से राजनीतिक दलों की परवाह किए बिना दक्षिणी राज्यों के अधिकारों की रक्षा के लिए काम करने की अपील की और स्पष्ट किया कि 22 मार्च को चेन्नई में होने वाली बैठक में निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन से जुड़े नुकसान को दूर करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

राज्यपाल ने होली के त्यौहार पर लोगों को बधाई दी

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने होली के त्यौहार के पावन अवसर पर तेलंगाना के लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। गुरुवार को राजभवन द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में राज्यपाल ने कहा कि रंगों और उल्लास का एक बहुरूपदर्शक होली एक पवित्र बंधन का काम करता है जो सभी के बीच एकता को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का रंग-बिरंगा सामाजिक ताना-बाना हर संस्कृति की विशिष्टता और हमारे एक होने का जश्न मनाता है। राज्यपाल ने कहा, इस शुभ अवसर पर, आइए हम करुणा और समझ के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करें और अपने भारत माता को अधिक मजबूत और अधिक दुर्जेय बनाएं। उन्होंने कहा कि मैं तेलंगाना के लोगों को श्रद्धा और खुशी के साथ होली की खुशी के जश्न के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

सरकार भविष्य में विधानसभा सत्र को लंबे समय तक चलाने का प्रयास करेगी : भट्टी

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने गारंटी दी है कि राज्य सरकार सुधारों की शुरूआत के माध्यम से विधानसभा की गरिमा को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संकेत दिया कि सरकार सभी हितधारकों के साथ चर्चा करने की योजना बना रही है और भविष्य में धीरे-धीरे विधानसभा सत्रों की अवधि बढ़ाने का लक्ष्य रखेगी। एआईएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी द्वारा पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए भट्टी विक्रमार्क ने गुरुवार को विधानसभा में बोलते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों से सत्ता में रही बीआरएस पार्टी ने विधानसभा की परंपराओं और नियमों को बदल दिया है, जिससे वे प्रभावी रूप से कमजोर हो गए हैं। उन्होंने बताया कि बीआरएस शासन के दौरान, विधानसभा को कितने दिनों तक बुलाया जाना चाहिए, इस पर कोई स्पष्टता नहीं थी। उपमुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार चाहती है कि विधानसभा बिना किसी रुकावट के सभी आवश्यक दिनों तक चले। उन्होंने कहा कि अतीत में ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन सत्र के कार्यक्रम पहले से तय किए जाते थे। भट्टी विक्रमार्क ने आश्वासन दिया कि वे विधानसभा की गरिमा को बहाल करने के लिए सुधार पेश करेंगे और भविष्य में सभी के साथ परामर्श करके सत्र की अवधि को धीरे-धीरे बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए 15 मार्च से आधे दिन के स्कूल

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि राज्य के सभी क्षेत्रीय संयुक्त निदेशकों और जिला शिक्षा अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है कि शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए 15 मार्च से 23 अप्रैल, 2025 को अंतिम कार्य दिवस तक आधे दिन के स्कूल खोले जाएंगे। सभी प्रबंधनों यानी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी प्रबंधन के तहत प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और उच्च विद्यालय सुबह 8 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक संचालित होंगे और दोपहर 12.30 बजे मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। एसएससी सार्वजनिक परीक्षा, मार्च 2025 के लिए कक्षा दस के छात्रों की तैयारी के लिए विशेष कक्षाएं जारी रहेंगी। जिन स्कूलों में एसएससी परीक्षा केंद्र हैं, वे दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होंगे। राज्य के सभी क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा और जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया जाता है कि वे सभी प्रबंधन के तहत काम करने वाले स्कूलों को आदेशों से अवगत कराएं और कार्यान्वयन की निगरानी करें।

लिफ्ट में फंसने से 4 साल के बच्चे की मौत

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात आसिफ नगर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत संतोषनगर कॉलोनी में एक अपार्टमेंट की इमारत की लिफ्ट में फंसने से साढ़े चार साल के बच्चे की कथित तौर पर मौत हो गई। सुरेंदर नाम का लड़का अपने माता-पिता और बहन के साथ छह मंजिला अपार्टमेंट में रहता था, जहां उसके पिता श्याम बहादुर सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम करते हैं। परिवार लिफ्ट के बगल में एक छोटे से कमरे में रहता है। बुधवार रात करीब 10.30 बजे सुरेन्द्र खेलते हुए लिफ्ट के दरवाजे वाले डिब्बे में घुसने की कोशिश करने लगा और दरवाजों के बीच फंस गया।

पुलिस के मुताबिक, शुरूआत में किसी को उसके बारे में पता नहीं चला। हालांकि, बाद में उसके माता-पिता को पता चला कि वह लापता है और लिफ्ट में खून से लथपथ बेहोशी की हालत में पड़ा है। अपार्टमेंट के निवासियों ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने लड़के को बचाया और तुरंत उसे एक निजी अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने पुष्टि की कि उसकी मौत हो चुकी है। मूल रूप से नेपाल का रहने वाला यह परिवार करीब सात महीने पहले ही कमाने के लिए शहर आया था। शुरूआत में श्याम बहादुर गुड़ीमलकापुर में निर्माणाधीन एक इमारत में सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम करता था। करीब तीन महीने पहले ही उसने अपनी जान गंवाई थी। मामले की जांच की जा रही है।

केसीआर ने बीआरएस सदस्यों से स्पीकर से माफी मांगने को कहा

सदन के सुचारू संचालन पर दिया जोर

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ सदस्य और पूर्व मंत्री जी जगदीश रेड्डी द्वारा कही गई किसी भी असंसदीय बात या न कही गई बात के बावजूद स्पीकर से माफ़ी मांगने की अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए, बीआरएस सदस्यों ने स्पीकर जी प्रसाद कुमार से सदन में चर्चा फिर से शुरू करने का आग्रह किया ताकि सार्वजनिक मुद्दों पर चर्चा हो सके। यह तब हुआ जब उन्होंने विपक्ष के नेता और बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव के समक्ष इस मुद्दे को उठाया, जिन्होंने उनसे स्पीकर से माफ़ी मांगने और सत्र को जारी रखने की अनुमति देने के लिए कहा।

मीडिया से बात करते हुए वेमुला प्रशांत रेड्डी ने कहा कि इस मुद्दे को चंद्रशेखर राव के समक्ष उठाया गया, जिन्होंने उनसे माफी मांगने का अनुरोध किया। इस मुद्दे के कारण सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध पैदा हो गया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही चार घंटे से अधिक समय तक स्थगित करनी पड़ी। प्रशांत रेड्डी ने कहा कि बीआरएस प्रमुख की सलाह के अनुसार, हम किसी भी टकराव से बचना चाहते हैं और सदन के सुचारू संचालन को सुविधाजनक बनाना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जगदीश रेड्डी के रिकॉर्ड की समीक्षा स्पीकर और सभी सदन नेताओं की मौजूदगी में की जानी चाहिए ताकि पता लगाया जा सके कि उनकी गलती थी या नहीं। बीआरएस सदस्य ने बिना किसी ठोस कारण के विधानसभा को चार घंटे के लिए स्थगित करने के लिए सरकार की आलोचना की और मांग की कि जगदीश रेड्डी की टिप्पणियों के रिकॉर्ड की समीक्षा एक सर्वदलीय समिति द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने सरकार से विपक्ष की आवाज को न दबाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि जगदीश रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी द्वारा चुनाव से पहले किए गए वादों को पूरा न किए जाने पर चिंता जताई। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि किसानों के लिए ऋण माफी, रैतु भरोसा, महिलाओं के लिए 2500 रुपये और बेरोजगारों के लिए 4000 रुपये जैसे वादे पूरे नहीं किए गए। जगदीश रेड्डी का हवाला देते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विधानसभा सभी की है और सभी सदस्यों को समान अधिकार मिलने चाहिए। प्रशांत रेड्डी ने कहा कि जगदीश रेड्डी ने कहा था कि यह केवल कांग्रेस की विधानसभा नहीं है, लेकिन उनकी टिप्पणियों को स्पीकर के प्रति अनादर के रूप में गलत समझा गया, जिसके कारण कार्यवाही बाधित हुई। उन्होंने कहा कि बीआरएस सदस्यों ने अपना निर्णय अध्यक्ष तथा विधायी कार्य मंत्री को बता दिया है, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

16 मार्च को दुब्बाका की महिलाओं के लिए जॉब मेला : कोठा प्रभाकर रेड्डी

सिद्दीपेट, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दुब्बाका विधायक कोठा प्रभाकर रेड्डी ने कहा कि वह 16 मार्च को हैदराबाद के कोंगारा कलां में एक प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कंपनी, एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के परिसर में अपने निर्वाचन क्षेत्र की महिलाओं के लिए एक विशेष नौकरी मेला आयोजित करेंगे।

प्रेस विज्ञप्ति में बीआरएस विधायक ने कहा कि दसवीं, इंटरमीडिएट और तकनीकी स्नातक की योग्यता रखने वाले उम्मीदवार इस रोजगार मेले में भाग लेने के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि चयनित उम्मीदवारों को 15,000 रुपये वेतन के अलावा मुफ्त परिवहन, पीएफ और ईएसआई प्रदान किया जाएगा। रेड्डी ने कहा कि वह रोजगार मेले के दिन दुब्बाक से कोंगरा कलां तक परिवहन की व्यवस्था करेंगे।

चूंकि उनका दृढ़ विश्वास है कि महिलाओं का वित्तीय सशक्तिकरण परिवार की दिशा बदल देगा, इसलिए उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र की महिलाओं को नौकरी दिलाने में मदद करने का निर्णय लिया। इच्छुक उम्मीदवार फोन नंबर 9640667447 और 9550774557 पर कॉल करके अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।

सेंट्रल रेलवे अस्पताल में 5.42 करोड़ रुपये की लागत वाली सीटी स्कैन सुविधा का उद्घाटन

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने गुरुवार को सेंट्रल रेलवे अस्पताल, लालागुडा, सिकंदराबाद में नई सुविधाओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डॉ. निर्मला राजाराम, प्रिंसिपल चीफ मेडिकल डायरेक्टर, एससीआर, लोकेश विश्नोई, डिवीजनल रेलवे मैनेजर, हैदराबाद डिवीजन, डॉ.आई. शिव नागा प्रसाद, मेडिकल डायरेक्टर, सेंट्रल हॉस्पिटल, लालागुडा, विभागों के प्रमुख प्रमुख और मुख्यालय और डिवीजन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। दमरे महाप्रबंधक जैन ने अस्पताल में 5.42 करोड़ रुपये की लागत से बनी नई सीटी स्कैन सुविधा का उद्घाटन किया। अब तक सीटी स्कैन ब्रेन, सीटी चेस्ट, सीटी एब्डोमेन जैसी जांचें आउटसोर्स की जा रही थीं।

नई सीटी स्कैन सुविधा सभी रेलवे लाभार्थियों के लिए सुविधाजनक होगी और इससे रेफरल खर्च में भी कमी आएगी। महाप्रबंधक ने एक औषधीय पौध उद्यान का उद्घाटन किया, जिसे अस्पताल परिसर में तुलसी, एलोवेरा, लेमन ग्रास, इंसुलिन प्लांट आदि 20 प्रकार के औषधीय पौधों से विकसित किया गया है। औषधीय पौधों के बारे में मार्गदर्शन के लिए अस्पताल में एक आयुर्वेदिक चिकित्सक उपलब्ध है। इसके अलावा महाप्रबंधक ने ओपीडी ब्लॉक की पहली मंजिल पर एक फास्ट फूड कैंटीन का भी उद्घाटन किया, जो रेलवे लाभार्थियों की सेवा करेगी। चाय/कॉफी और नाश्ते की सेवा के लिए दो कॉफी वेंडिंग मशीनें भी लगाई गई हैं। उन्होंने अस्पताल आने वाले रेलवे कर्मियों की सुविधा के लिए केंद्रीय अस्पताल के छात्रावास के सामने चार पहिया पार्किंग सुविधा का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए महाप्रबंधक ने कर्मचारियों के लाभ के लिए सुविधाओं के उन्नयन के लिए चिकित्सा विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि सीटी स्कैन सुविधा रेलवे कर्मियों के लिए बहुत ही लाभदायक और सुविधाजनक होगी, जिससे जांच के लिए आउटसोर्सिंग से जुड़ी समस्याओं का समाधान होगा। इससे मरीजों का समय बचेगा और समय पर उपचार मिल सकेगा। उन्होंने अस्पताल में औषधीय पौधों का उद्यान विकसित करने की नेक पहल के लिए चिकित्सा टीम की सराहना भी की।

स्क्रैप यूनिट में विस्फोट से एक व्यक्ति घायल

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात भोलकपुर के गुलशन नगर में एक प्लास्टिक स्क्रैप इकाई में हुए विस्फोट में एक व्यक्ति घायल हो गया। यह घटना रात करीब 10.30 बजे हुई, जब घायल व्यक्ति की पहचान बिहार के एक श्रमिक इसहाक अहमद (28) के रूप में हुई, जो कबाड़ सामग्री को अलग कर रहा था। उसने एक कंटेनर खोलने की कोशिश की, जो कथित तौर पर अज्ञात रासायनिक पदार्थ से भरा हुआ था। उसके चेहरे, हाथ और पैर पर गंभीर चोटें आईं। धमाके की आवाज सुनकर पास के घर के लोग उसे बचाने के लिए दौड़े और उसे तुरंत इलाज के लिए गांधी अस्पताल ले गए। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

जगदीश रेड्डी पूरे बजट सत्र के लिए विधानसभा से निलंबित

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायकों द्वारा उन्हें बोलने का अवसर देने की बार-बार अपील के बीच विधानसभा अध्यक्ष जी प्रसाद कुमार ने बीआरएस विधायक जी जगदीश रेड्डी को बजट सत्र की शेष अवधि के लिए सदन से निलंबित कर दिया। यह विधानसभा में उस समय हुए हंगामे के बाद हुआ जब जगदीश रेड्डी ने अध्यक्ष पर पक्षपात का आरोप लगाया था।

अध्यक्ष के फैसले का विरोध करते हुए बीआरएस सदस्यों ने सदन से वॉकआउट कर दिया, जबकि हरीश राव ने बार-बार अध्यक्ष से उन्हें बोलने का मौका देने की अपील की। कुतुबुल्लापुर के विधायक केपी विवेकानंद भी बोलने का मौका मांगते हुए वेल में आ गए। जवाब में अध्यक्ष ने बीआरएस सदस्यों को सदन को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो आप मुझे कार्रवाई करने के लिए मजबूर करेंगे। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का और सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने स्पीकर से इस मुद्दे को आचार समिति को सौंपने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि समिति की सिफारिशों के आधार पर सदस्य के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। विधायी मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने आरोप लगाया कि बीआरएस सदस्यों द्वारा आसन के खिलाफ की गई टिप्पणियां आपत्तिजनक थीं और विधानसभा के नियमों के अनुसार, जगदीश रेड्डी को शेष सत्र के लिए सदन से निलंबित कर दिया जाना चाहिए, जिस पर अध्यक्ष ने सहमति जताई।

तेलंगाना विधानसभा में हंगामा : गरमागरम बहस के बीच स्पीकर ने स्थगित की सदन की कार्यवाही

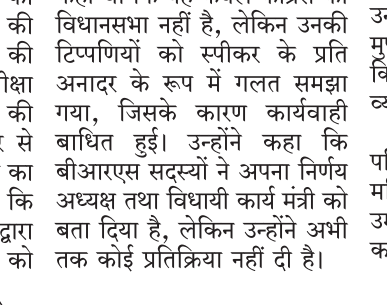

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में गुरुवार को उस समय जबरदस्त ड्रामा देखने को मिला जब राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर तीखी बहस के बाद स्पीकर गद्दाम प्रसाद कुमार को सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। भाषण की प्रामाणिकता को लेकर विपक्षी बीआरएस विधायकों और सत्तारूढ़ कांग्रेस सदस्यों के बीच झड़प के बाद सत्र में अचानक अराजकता फैल गई।

बहस की शुरूआत करते हुए सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास ने प्रस्ताव पेश किया, लेकिन जब बीआरएस विधायक जगदीश रेड्डी ने सदन में अपना पक्ष रखा तो तनाव बढ़ गया। पूर्व मंत्री ने राज्यपाल के भाषण को एआई द्वारा तैयार की गई स्क्रिप्ट बताकर खारिज कर दिया और कांग्रेस सरकार पर झूठ से इसे भरने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने वादे पूरे नहीं किए, बल्कि राज्यपाल के भाषण में उन्हें पूरा करने का दावा किया। 36 मिनट के भीतर, उन्होंने राज्यपाल से 360 झूठ बुलवाए। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने भी भाषण को यांत्रिक तरीके से पढ़ा। कांग्रेस विधायकों ने उनकी टिप्पणियों पर आपत्ति जताई, जिसके बाद वाकयुद्ध शुरू हो गया। मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने हस्तक्षेप करते हुए पिछली बीआरएस सरकार के अधूरे वादों की ओर इशारा किया, जिसमें दलितों के लिए भूमि आवंटन और दलित मुख्यमंत्री की नियुक्ति शामिल है। तलसानी श्रीनिवास यादव ने मांग की कि बीआरएस सदस्यों को बिना किसी रुकावट के बोलने दिया जाए, उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के हस्तक्षेप की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। इस मौके पर स्पीकर गड्डाम प्रसाद ने जगदीश रेड्डी से कहा कि वे विषय से भटकें नहीं। स्थिति तब और बिगड़ गई जब जगदीश रेड्डी ने स्पीकर की निष्पक्षता को चुनौती देते हुए जोर देकर कहा कि उन्होंने बहस के विषय से कोई विचलन नहीं किया है। कांग्रेस विधायकों ने माफी मांगने और यहां तक कि निलंबन की मांग की, लेकिन जगदीश रेड्डी ने व्यवस्था बहाल होने तक झुकने से इनकार कर दिया। दोनों पक्षों के बीच नोकझोंक के बाद स्पीकर प्रसाद कुमार ने हस्तक्षेप किया लेकिन वे नियंत्रण पाने में विफल रहे, जिसके कारण अंततः सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

झगड़े को लेकर युवकों ने की बुजुर्ग की हत्या

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात कंचनबाग के बाबा नगर में मामूली बात को लेकर हुए विवाद में युवकों के एक समूह ने एक बुजुर्ग व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, बाबा नगर के 'सी ब्लॉक' में किराने की दुकान चलाने वाले जाकिर खान (62) का पड़ोस में स्थित पान की दुकान के मालिकों से विवाद हो गया था, क्योंकि पान की दुकान के ग्राहक उनकी दुकान के सामने कुर्सियों पर बैठकर जगह घेर लेते थे। जब जाकिर खान ने उनसे कुर्सियां हटाने को कहा तो कुछ युवकों ने उन पर हमला कर दिया, उनके चेहरे और छाती पर घूंसे मारे और उन्हें नीचे गिरा दिया। वह मौके पर ही गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। कंचनबाग पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच शुरू कर दी। संदिग्धों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

एक बेटी ने अपने एनआरआई पिता को 16 साल बाद देखा

दो माह की उम्र में हो गई थी पिता की मौत

दुबई, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 16 वर्षीय सबावत पूजा ने अपने पिता को कभी नहीं देखा था और वह उनसे मिलने और उनका आशीर्वाद लेने का इंतजार कर रही थी। हालांकि, जब उसने आखिरकार उन्हें देखा, तो उसके पिता का निधन हो चुका था। पूजा की उम्र बमुश्किल दो महीने थी जब उसके पिता सबावत रवि नाइक, महबूबनगर जिले के हनवाड़ा मंडल के रामालयम टांडा के मूल निवासी, हरियाली की तलाश में अरब के रेगिस्तानों की ओर चले गए थे। जिले के कई आदिवासियों की तरह, उन्होंने भी अपने परिवार के लिए एक सभ्य जीवन की उम्मीद में 2009 में खाड़ी का रुख किया।

नाइक ने सऊदी अरब में विभिन्न स्थानों पर निर्माण मजदूर के रूप में काम किया और दुर्भाग्यवश कुछ मामलों में उलझ गया, जिसके कारण उसे सऊदी अरब से बाहर जाने से रोक दिया गया। उनका वीजा भी समाप्त हो गया, जिससे वे देश में अवैध रूप से रह रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, उनके अवैध निवास की स्थिति ने उनके रोजगार की संभावनाओं को और कम कर दिया, और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी होने लगीं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.